रविवार
26 मई 2024

केशव टाइम्स

डिजिटल संस्करण

नौकरी के बदले जमीन लिखवाने वालों की जेल जाने की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है: मोदी

4

आपकी आवाज

प्रमुख खबरें : दिल्ली ■ पटना ■ बक्सर ■ शाहाबाद ■ मगध ■ सारण ■ मिथिलांचल ■ चंपारण ■ पूर्वांचल ■ लखनऊ

बक्सर में बोले पीएम नरेंद्र मोदी... शहजादों का शटर गिरने वाला है

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बक्सर के पास स्थित अहिरौली में आयोजित चुनावी सभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने बिना नाम लिए राहुल गांधी, तेजस्वी यादव तथा अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि आज जो छठे चरण के मतदान जो चीज नजर आ रही है, उसमें साफ दिखता है कि सारे शहजादों का शटर गिरने वाला है। उन्होंने कहा कि चुनाव बाद बिहार के शहजादे अब आराम से जमानत-अमानत, का काम देखेंगे, कांग्रेस के शहजादे छुट्टियों की तैयारी शुरू कर दी है और यूपी के शहजादे कल कह रहे थे कि बनारस में मोदी चुनाव हारने वाले हैं। इस पर भीड़ हंसने लगी। मोदी ने कहा कि अरे आप हंस क्यों रहे हैं भाई। कहा जैसे आप हंस रहे हैं वैसे ही यूपी वाले भी उनकी बातों पर हंस रहे थे। कहा कि यूपी में 80 की 80 की सीट एनडीए को जा रही है।

छठा चरण: प. बंगाल में जमकर हुई वोटिंग, 78.19 प्रतिशत पड़े वोट

उमस भरी गर्मी के बीच आठ राज्यों की 58 लोकसभा सीटों पर 59.06% मतदान

एजेंसी/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव के छठे चरण का मतदान शनिवार को शाम छह बजते ही खत्म हो गया। चुनाव आयोग के आंकड़े के अनुसार, छठे फेज की कुल 58 सीटों पर 59.06 फीसदी वोट पड़े हैं। पश्चिम बंगाल में सबसे ज्यादा 78.19% मतदान हुआ, जबकि जम्मू-कश्मीर में सबसे कम 51.97% रहा। वहीं बिहार में 55.45 प्रतिशत, हरियाणा में 58.15 प्रतिशत, झारखंड में 62.39, दिल्ली में 54.37, ओड़िशा में 59.92, उत्तर प्रदेश में 54.02 प्रतिशत मतदान हुआ। हालांकि चुनाव आयोग के अनुसार देर तक चले मतदान के कारण वोटिंग प्रतिशत में कुछ बढ़ोतरी हो सकती है।

शनिवार को जिन 58 सीटों पर वोट डाले गए, उनमें दिल्ली की सभी 7 सीटों के अलावा, उप्र की 14, हरियाणा की 10, बिहार और प. बंगाल की 8-8 सीटों पर मतदान हुए। वहीं ओडिशा की 6 सीटों, झारखंड की 4 सीटों और जम्मू-कश्मीर में एक सीट पर लोगों ने मतदान किया। झारखंड में संपन्न हुए मतदान के संबंध में अधिकारियों ने बताया कि गिरिडीह, धनबाद, रांची और जमशेदपुर निर्वाचन क्षेत्रों में सुबह 7 बजे मतदान शुरू हुआ था, जो शाम 5 बजे तक चला। मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। गिरिडीह में सबसे अधिक 64.75 प्रतिशत मतदान हुआ, इसके बाद जमशेदपुर में 64.30 प्रतिशत, धनबाद में 58.90 प्रतिशत और रांची

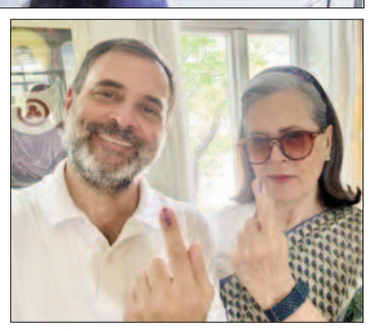

बंगाल की झारग्राम सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रणत टुडु पर हमला

बंगाल की झारग्राम लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार प्रणत टुडु पर हमला हुआ। भाजपा उम्मीदवार मोंगलापोटा के बूथ नंबर 200 पर पहुंचे थे, इसी दौरान उपद्रवियों ने उन पर हमला कर दिया और पथराव किया। किसी तरह सुरक्षाकर्मियों ने बचाया। हालांकि हमले में भाजपा उम्मीदवार घायल हुए हैं। भाजपा उम्मीदवार ने हमले के बाद कहा 'हमें कल ही सूचना मिली थी कि मोंगलापोटा में भाजपा के मतदाताओं को वोट देने नहीं दिया जाएगा। इस वजह से हम यहां ये चेक करने आए थे कि क्या समस्या है। यहां 200 के करीब लोगों ने हम पर लाठी-डंडों से हमला कर दिया और हम पर पथराव किया। अगर केंद्रीय बलों ने नहीं बचाया होता तो यहां हमारी हत्या हो सकती थी। हमें स्थानीय पुलिस से कोई सुरक्षा नहीं मिली। दीदी सीएए लागू नहीं करना चाहतीं और देश को पाकिस्तान बनाना चाहती हैं।

बिहार में सबसे अधिक पश्चिमी चंपारण में 59.75 प्रतिशत मतदान

बिहार में छठे चरण की आठ सीटों पर मतदान का समापन हो गया। मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी एचआर श्रीनिवास के अनुसार, अब तक सबसे अधिक पश्चिमी चंपारण में 59.75 प्रतिशत मतदान हुआ। कुछ बूथों पर वोट बहिष्कार के कारण गोपालगंज में 50.70 प्रतिशत मैदान हुआ। वहीं वैशाली में 58.50 प्रतिशत, शिवहर में 56.30 प्रतिशत, पूर्वी चंपारण में 57.30 प्रतिशत, वाल्मीकिनगर 58.25 प्रतिशत, और महाराजगंज में 51.27 प्रतिशत मतदान हुआ है। आठों सीटों पर कुल 55.45 प्रतिशत मतदान हुआ है। जानकारी के अनुसार गोपालगंज में कई बूथों पर मतदाता वोट बहिष्कार किया। ग्रामीणों में कही रेलवे ढाला तो कही सड़क नहीं होने से नाराजगी है। वहीं वोटरों को मनाने में अधिकारी लगे हुए थे। गोपालगंज सुरक्षित लोकसभा सीट पर सुबह 7 बजे से मतदान शुरू हुआ लेकिन बरौली विधानसभा के बूथ संख्या 223 नवादा चंदन टोला गांव और माझागढ़ प्रखंड के भटवालिया स्थित बूथ संख्या 51 पर ग्रामीणों ने वोट बहिष्कार कर दिया। बरौली के भटवालिया और नवादा चंदन टोला में रेलवे क्रॉसिंग नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने वोट बाहिष्कार किया। वही हथुआ विधानसभा के चैनपुर गांव में सड़क नही तो वोट नहीं के नारे लगाकर ग्रामीणों ने वोट का बहिष्कार किया।

लालू यादव ने मुसलमानों के लिए कुछ नहीं किया, सिर्फ हिंदू मुस्लिम को लड़वाया: नीतीश

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर जिले के जगदीशपुर के खेल मैदान में शनिवार को बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चुनावी सभा को संबोधित किया। नीतीश कुमार ने लालू यादव और उनके परिवार पर जमकर हमला किया। नीतीश कुमार ने लालू यादव पर हमला करते हुए कहा कि वो सब कोई काम नहीं करेगा। जिसको राज मिलता है वही लूटने लगता है। देखते हैं नौ-नौ गो बाल बच्चा पैदा करता है। याद नहीं है अपने हट गया तो बीवी को मुख्यमंत्री बनवा दिया। उसके बाद बेटा बेटी अनाप शनाप बोलता रहता है।

नीतीश कुमार ने कहा कि मुझसे तो गलती हुआ हम दो दो बार उसके साथ चले गए। गड़बड़ किया तो एक बार हटाए। फिर दूसरी बार गड़बड़ कर दिया। उसको फिर से हटा दिए हैं। हम कभी उन लोगों के साथ नहीं जायेंगे। कहा कि लालू यादव ने अबतक मुसलमानों के लिए कुछ नहीं किया बल्कि सिर्फ हिंदू मुस्लिम को लड़वाया है। वो लोग कोई काम नहीं करता है, कोई काम करने वाला नहीं है। हिंदू मुस्लिम के लिए भी हम लोग ने सब काम करवा दिए। उन्होंने कहा कि हिंदू मुस्लिम का झगड़ा पहले होता था और सब वोट लेना चाहता है। हम लोग जब भाजपा के साथ थे तो हिंदू मुस्लिम का झगड़ा खत्म करवा दिए। मदरसों को वो लोग ने कोई सरकारी मान्यता नहीं दिया। हमलोग ने मदरसा में जो पढ़ाता था, उन लोगों को भी सरकारी शिक्षक की तरह बहाली निकाल दिया। कब्रिस्तान की भी घेराबंदी करा दी और वोट वो लोग लेना चाहते हैं। वो सब सत्ता में आयेगा तो कुछ भी नहीं करेगा। नीतीश कुमार ने कहा कि 4 लाख रोजगार हम लोग ने दिया और वो सब बोलता है हम दिए। आज तक कुछ किया है वो सब। हम लोग अब 10 लाख लोगों को रोजगार देंगे।

जगदीशपुर में सीएम का विरोध... लालू-तेजस्वी जिंदाबाद और नीतीश कुमार मुर्दाबाद के लगे नारे

आरा के जगदीशपुर में एनडीए उम्मीदवार आरके सिंह के पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करने पहुंचे मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को विरोध का सामना करना पड़ा। दरअसल, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार चुनावी सभा को संबोधित करने के बाद जैसे ही हेलिकॉप्टर की तरफ बढ़े, भीड़ में मौजूद युवा नीतीश कुमार मुर्दाबाद के नारे लगाने लगे। इस दौरान उन्होंने लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव को अपना नेता बताते हुए उनके पक्ष में जिंदाबाद के नारे लगाए और नीतीश कुमार को पूरी तरह से फेल बताया। नारेबाजी कर रहे युवकों का कहना था कि तेजस्वी यादव सत्ता में आए तो बेरोजगारों को नौकरी देने का काम किया। उनके द्वारा बहुत अच्छी तरह से सरकार चलाई जा रही थी लेकिन नीतीश कुमार से नहीं देखा गया। पलटू कुमार ने पलटी मार दी इसलिए हर हाल में तेजस्वी को जीत दिलाएंगे।

पाकिस्तानी नेता को केजरीवाल ने दिया जवाब, बोले- आप अपने देश को संभालें

एजेंसी/ नई दिल्ली

पाकिस्तान के पूर्व और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के नेता चौधरी फवाद हुसैन भारतीय चुनाव में काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। राहुल गांधी के समर्थन के बाद उन्होंने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल के प्रति सहानुभूति दिखाई। लेकिन इस बार केजरीवाल ने उन्हें अपने देश को संभालने की नसीहत दे डाली।

दरअसल, शनिवार को छठे चरण में सीएम केजरीवाल ने अपने परिवार के साथ मतदान किया। उन्होंने इसकी फोटो एक्स पर भी साझा की। केजरीवाल के इसी पोस्ट पर फवाद ने रिप्लाई करते हुए कहा कि शांति और सद्भाव नफरत और उग्रवाद की ताकतों को परास्त करे। इस पर केजरीवाल ने कहा कि चौधरी साहब, मैं और मेरे देश के लोग अपने मसलों को संभालने में पूरी तरह सक्षम हैं। इस वक्त पाकिस्तान के हालात बहुत खराब हैं। केजरीवाल ने कहा कि भारत में हो रहा चुनाव हमारा आंतरिक मामला है। आतंकवाद के सबसे बड़े प्रायोजकों का हस्तक्षेप भारत बर्दाश्त नहीं करेगा।

लालू यादव ने एमवाई बनाकर मुसलमानों को सिर्फ लूटने और उनका वोट लेने का काम किया है: ओवैसी

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव 2024 के सातवें एवं आखिरी चरण में एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने भी बिहार में पूरी ताकत झोंक दी। ओवैसी ने शनिवार को काराकाट लोकसभा सीट से पार्टी की प्रत्याशी प्रियंका चौधरी के समर्थन में रोहतास जिले के नासरीगंज में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल के सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव पर मुसलमानों को लूटने का आरोप लगाया। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बीजेपी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को भी घेरा।

ओवैसी ने नासरीगंज के उच्च विद्यालय के खेल मैदान में एआईएमआईएम प्रत्याशी के पक्ष में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि लालू यादव ने एमवाई बनाकर मुसलमानों को सिर्फ लूटने और उनका वोट लेने का काम किया है। मुसलमान का वोट हासिल कर उन्होंने सिर्फ अपने दोनों बेटे, बेटी एवं दामाद को सत्ता में बैठने का कार्य किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नफरत फैला रहे हैं। वो सिर्फ हिन्दू-मुस्लिम के बीच नफरत फैलाकर देश पर राज कर रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर तंज कसते हुए ओवैसी ने कहा कि कोरोना जैसी महामारी के दौरान हमारे मजदूर भाई-बहन काफी दूर-दूर से पैदल चलकर आए। क्या इसी के लिए आपको भगवान ने पैदा किया है। जो भी प्रधानमंत्री बने उन्होंने देश पर कोई एहसान नहीं किया और आज मोदी गलतफहमी के शिकार हैं। एआईएमआईएम अध्यक्ष ने कहा की मोदी ने देश पर कोई एहसान नहीं किया बल्कि देश ने आपको प्रधानमंत्री बना कर एहसान किया है।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत में उप्र के सीएम ने विपक्ष पर बोला हमला

देश की कीमत पर सत्ता हासिल करना चाहता है इंडी गठबंधन: योगी

केटी न्यूज/पटना

भारत सेवाश्रम संघ, रामकृष्ण मिशन जैसी वैश्विक ख्याति की सनातनी-आध्यात्मिक संस्थाओं पर पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के विवादित बयान पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने टीएमसी समेत पूरे इंडी गठबंधन पर जोरदार हमला बोला है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, टीएमसी, राजद, सपा और इंडी गठबंधन के सभी दल हिंदू विरोध की राजनीति करते हैं।

शनिवार पूर्वाह्न लोकसभा चुनाव के प्रचार के लिए बलिया रवाना होने से पहले गोरखनाथ मंदिर परिसर में मीडिया से बातचीत

करते हुए सीएम योगी ने कहा कि कांग्रेस और उसके जो भी सहयोगी दल हैं, उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी, बिहार में आरजेडी, बंगाल में टीएमसी या अन्य ऐसे भी जितने दल हैं, उनकी पूरी राजनीति ही हिंदू विरोध पर आधारित है। उनके लिए देश की तुलना में सत्ता अधिक महत्वपूर्ण है। देश की कीमत पर ये दल सत्ता चाहते हैं और कोई भारतीय इसे स्वीकार नहीं करेगा।

पश्चिम बंगाल में भारत सेवाश्रम संघ और रामकृष्ण मिशन के खिलाफ टीएमसी सरकार की मुखिया ममता बनर्जी के विवादित और धमकी भरे बयान को संदर्भित करते हुए सीएम योगी ने कहा कि रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ, दोनों भारत की प्रतिष्ठित धार्मिक और आध्यात्मिक संस्थाएं हैं। रामकृष्ण मिशन ने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों पर चलकर पूरे देश और दुनिया के अंदर सनातन धर्म के मूल्यों और आदर्शों को, भारत के आध्यात्मिक मूल्यों को देश और दुनिया तक पहुंचाने का बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इसी तरह भारत सेवाश्रम संघ भी सनातन हिंदू धर्म की बहुत ही प्रखर आध्यात्मिक संस्था है। स्वामी प्रणवानंद के मूल्यों और आदर्शों को लेकर भारत सेवाश्रम संघ ने देश और दुनिया में भारत के सनातन धर्म के मूल्यों और आदर्शों के लिए बहुत ही सराहनीय कार्य किया है। इन दोनों संस्थाओं ने सेवा के विभिन्न प्रकल्पों को भी देश और दुनिया में आगे बढ़ाया है। उन्होंने कहा कि इंडी गठबंधन के सभी दलों कांग्रेस, सपा, टीएमसी, आरजेडी, आम आदमी पार्टी आदि की प्रवृत्ति ही हिंदू विरोधी राजनीति की है। सनातन धर्म का विरोध करना, हिंदू धर्म के मूल्यों और आदर्शों का विरोध ही उनकी नींव है। उसी के अनुरूप उनके बयान और कदम सामने आ रहे हैं। ये बयान उनकी हार की बौखलाहट को प्रदर्शित करते हैं।

जैसे जैसे चुनाव आगे बढ़ रहा है प्रधानमंत्री की भाषा में गिरावट आ रही है

प्रधानमंत्री को तो संविधान का बेसिक भी पता नहीं, पहले ज्ञान ले लें: तेजस्वी यादव

♦ बोले-17 महीने की सरकार में हमलोगों ने आरक्षण का दायरा बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया

केटी न्यूज/पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी लोकसभा चुनाव के दौरान 9वीं बार बिहार दौरे पर पहुंचे हैं और गठबंधन के उम्मीदवारों के लिए वोट मांग रहे हैं। पीएम मोदी के दौरे के बीच आरजेडी नेता तेजस्वी यादव ने आरक्षण के मुद्दे को लेकर पीएम मोदी को घेरने की कोशिश की। तेजस्वी ने कहा प्रधानमंत्री को संविधान का बेसिक नॉलेज भी नहीं है। तेजस्वी ने कहा कि पिछले 10 साल में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 10 साल में कुछ नहीं किया। बार-बार बिहार आ रहे हैं, अच्छी बात है आना चाहिए लेकिन 10 सालों में उन्होंने बिहार के लिए क्या किया। इसके बार में उन्होंने बिहार की जनता को कुछ नहीं बताया और ना ही यह बताया कि अगले पांच साल में वह बिहार के लिए क्या करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री बार-बार कह रहे हैं कि आरजेडी वाले आरक्षण खत्म कर देंगे। जैसे जैसे चुनाव आगे बढ़ रहा है प्रधानमंत्री की भाषा में गिरावट आ रही है। बिहार आकर पीएम मोदी जो भाषा बोलते हैं लेकिन यहां के लोग उनकी भाषा को पसंद नहीं करते हैं। हम लोगों ने जब बिहार में जाति आधारित गणना कराने का फैसला लिया तब खुद पीएम मोदी से मिलने गए थे लेकिन उन्होंने मना कर दिया। यह साबित करता है कि आप आरक्षण विरोधी हैं। तेजस्वी ने कहा कि बिहार को छोडकर किसी भी राज्य में अगर 75 फीसदी आरक्षण लागू हो तो वह बता दें। 17 महीने की सरकार में हमलोगों ने आरक्षण का दायरा बढ़ाकर 75 प्रतिशत कर दिया। बिहार कर झूठ बोलने से काम नहीं चलेगा। हमलोग कपूर्री, लोहिया और अंबेडकर के वंशज हैं। हम लोगों ने तो आरक्षण को बढ़ाने का काम किया लेकिन प्रधानमंत्री कहते हैं कि हमलोग आरक्षण को खत्म कर देंगे। उन्होंने कहा कि लालू प्रसाद ने सामाजिक न्याय करने का काम किया। मंडल कमीशन को देश में लागू कराया। जिन लोगों का पहले शोषण होता था उनको आगे बढ़ाने का काम किया। प्रधानमंत्री कैसी बातें करते हैं उनको तो थोड़ा सा भी ज्ञान नहीं है। प्रधानमंत्री को तो संविधान का बेसिक भी बता नही हैं। उनको पहले पूरी जानकारी ले लेनी चाहिए उसके बाद बिहार आना चाहिए।

मोदी के कार्यकाल में चार गुणा कर्ज क्यों बढ़ गया : लालू यादव

केटी न्यूज/पटना

लोकसभा चुनाव के छठे चरण की वोटिंग के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 9वीं बार बिहार के दौरे पर हैं। पटना में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के बाद प्रधानमंत्री काराकाट और बक्सर में एनडीए उम्मीदवारों के लिए वोट मांगेंगे। पीएम मोदी के बिहार दौरे के बीच आरजेडी चीफ लालू प्रसाद ने आठ सवालों के जरीए पीएम मोदी का नाम लेकर मीडिया पर सवाल उठाये हैं। लालू प्रसाद ने पीएम मोदी का स्पेशल इंटरव्यू करने वाले पत्रकारों को अपने निशाने पर लेते हुए एक्स पर लिखा है, पत्रकार लोग नरेंद्र मोदी का इंटरव्यू ले रहे हैं लेकिन कोई अपनी पत्रकारिता धर्म नहीं निभा रहा है। किसी ने डर के मारे प्रधानमंत्री से नहीं पूछा कि आपने सालाना करोड़ नौकरियां देने का वादा किया था, उस वादे का क्या हुआ। आपने वह वादा किस आधार और अध्ययन के तहत किया था। लालू प्रसाद ने आगे लिखा है, आपने कहा था कि लाखों करोड़ काला धन विदेशों में है, प्रत्येक के खाते में दस-दस लाख रुपए यूं ही आ जाएंगे, वह क्यों नहीं आया। यह किसी पत्रकार ने यह नहीं पूछा कि आपने गंगा सफाई की बात की थी। उसका क्या हुआ। बल्कि गंगा मैया को पहले से अधिक प्रदूषित हो चुकी हैं। किसी पत्रकार ने यह नहीं पूछा कि पहले देश पर कितना कर्ज था, अब कितना है। पिछले दस वर्षों में इन्होंने चार गुणा कर्ज क्यों बढ़ा दिया। इन्होंने पूँजीपतियों कर्ज क्यों माफ क्यों कर दिया। आरजेडी सुप्रीमो ने मीडिया से पूछा है कि कोई नोटबंदी का ज़िक्र नहीं कर रहा है। न ही इसके फायदे पूछ रहा है। इनके कार्यकाल में रिकॉर्डतोड़ महंगाई और बेरोजगारी क्यों बढ़ी।

अब हर महीने शिक्षा विभाग के पास भेजनी होगी डिग्री कॉलेजों की हाजिरी : केके पाठक

केटी न्यूज/पटना

शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक लगातार नए-नए आदेश जारी करते रहते हैं। अब केके पाठक ने आदेश जारी कर दिया है कि राज्य के सभी विश्वविद्यालयों और अंगीभूत डिग्री कॉलेजों की हाजिरी की रिपोर्ट हर माह शिक्षा विभाग के पास भेजी जाएगी। इसी आधार पर विभाग की ओर से सीधे विश्वविद्यालयों-कॉलेजों के शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के खाते में वेतन का भुगतान किया जाएगा। वहीं, इस नयी व्यवस्था को लागू करने के लिए विभाग की ओर से हर विश्वविद्यालय और कॉलेज के प्राचार्यों को 25 और 27 मई को प्रशिक्षण दिया जाएगा। मालूम हो कि पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के तहत शिक्षा विभाग सभी विश्वविद्यालयों को अनुदान राशि भेजता है। इसके बाद विश्वविद्यालय की ओर से अपने और उनके अधीनस्थ कॉलेज के शिक्षकों और शिक्षकेत्तर कर्मचारियों के खाते में वेतन राशि का भुगतान किया जाता है। अब इस व्यवस्था को विभाग ने बदलने का निर्णय लिया है। विभाग ने एक नया पोर्टल भी बनाया है, जिसके माध्यम से सभी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों से हर माह की हाजिरी विवरणी विभाग को प्राप्त होगी। पोर्टल का उपयोग किस तरह से करना है, कौन-कौन सी जानकारी देनी है, इस तरह की जानकारी के लिए विश्वविद्यालयों के पदाधिकारियों और कॉलेज के प्राचार्यों को विभाग में बुलाया गया है। बताते चलें कि विश्वविद्यालयों और उसके अधीन कॉलेजों को वेतन भुगतान का माध्यम विभिन्न राज्यों में अलग-अलग है। झारखंड में राज्य सरकार संबंधित विश्वविद्यालयों को राशि देती है। इसके बाद विश्वविद्यालय के माध्यम से शिक्षकों-कर्मियों के खाते में वेतन राशि का भुगतान किया जाता है। वहीं, उत्तर प्रदेश में शिक्षा विभाग के उच्च शिक्षा निदेशक के माध्यम में विश्वविद्यालयों-कॉलेजों के शिक्षकों और कर्मियों के खाते में सीधे वेतन भुगतान होता है। राजधानी पटना में सामुदायिक भवन और मंदिर-मस्जिद परिसर में चलने वाले सरकारी स्कूलों को लेकर शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। पटना जिले में अब कोई भी स्कूल सामुदायिक भवन और मंदिर-मस्जिद परिसर में संचालित नहीं किए जाएंगे। ऐसे स्कूलों को नजदीक के स्कूलों में मर्ज किया जाएगा। पटना के जिला शिक्षा पदाधिकारी संजय कुमार ने प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों की बैठक में पटना में सामुदायिक भवन और मंदिर-मस्जिद परिसर में जो भी स्कूल संचालित किए जा रहे हैं उ साथ ही यह भी सुझाव मांगा है कि ऐसे स्कूलों को नजदीक के किन स्कूलों में मर्ज किया जा सकता है। इसके अलावा जिला शिक्षा कार्यालय ने ऐसे स्कूलों को छोड़कर एक ही परिसर में संचालित किए जा रहे एक से अधिक स्कूलों की सूची भी तैयार की है, जिसमें 166 प्राथमिक एवं मध्य विद्यालय शामिल हैं।

कुमार आर्थोपेडिक क्लिनिक
डा0 अजित किशोर
M.B.B.S (N.M.C.H. Patna) M.D. (P.M.C.H. Patna)
Consultant Physician, Medical Officer (Bihar Govt.)
छाती, पेट एवं शुगर रोग विशेषज्ञ

पश्चिम चंपारण में बीजेपी उम्मीदवार संजय जायसवाल पर प्राथमिकी दर्ज

केटी न्यूज/बेतिया

बेतिया में बीजेपी उम्मीदवार डॉक्टर संजय जायसवाल पर पुलिस ने आदर्श आचार संहिता उल्लंघन मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। जानकारी के अनुसार पश्चिमी चंपारण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में 23 मई की शाम 6 बजे से ही चुनाव प्रचार कार्य रोकने का आदेश दिया गया था। इसके बावजूद 24 मई को अपराह्न में बीजेपी प्रत्याशी डॉक्टर संजय जायसवाल की आवाज में लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में मतदाताओं से बीजेपी के पक्ष में मतदान करने की अपील की सूचना मिली। जिसके बाद प्रशासन की ओर से आचार संहिता उल्लंघन मामले में प्राथमिकी दर्ज की गई।

लोगों को बरगला रहे पीएम, इस बार झांसे में नहीं आएंगे: सहनी

केटी न्यूज/पटना

विकासशील इंसान पार्टी के संस्थापक मुकेश सहनी शनिवार को भाजपा और पीएम नरेंद्र मोदी पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री देश में वोट मांगने निकल रहे हैं लेकिन सभी भाषणों में वे तथ्यहीन बातें कर लोगों को बरगलाने की कोशिश कर रहे हैं। सहनी ने कहा कि प्रधानमंत्री बिहार को लेकर मुगालते में हैं। बिहार के लोग इस बार पीएम के झांसे में नहीं आने वाले हैं। मुकेश सहनी ने शनिवार को भोजपुर, नालंदा और पटना में आयोजित चुनावी सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि पीएम सहित भाजपा के सभी नेता चुनाव परिणाम के रुझान पाने के बाद हताश और निराश हैं उन्होंने कहा कि दस साल पहले नरेंद्र मोदी ने युवा, किसान और गरीबों के लिए कई वादे किए थे लेकिन एक भी वादा पूरा नहीं हुआ।

मुंगेर में गंगटी तालाब से मिला शव, दो दिन से लापता था युवक

मुंगेर। मुंगेर जिले में सफियासराय थाना क्षेत्र के गौरीपुर स्थित गंगटी तालाब के पास से पुलिस ने एक शव बरामद किया है। मृतक की पहचान क्षेत्र के हलिमपुर निवासी कुसो मंडल के पुत्र दयानंद मंडल के रूप में की गई। परिजन के द्वारा बताया गया कि मृतक दो दिन से लापता था। काफी खोजबीन भी की जा रही थी। लेकिन पता नहीं चल पाया था।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता विस्वा सरमा बोले... देश में इंडी गठबंधन की सरकार बनेगी इसका दावा करने का समय निकल चुका है

♦ बोले-चौथे और पांचवे चरण के चुनाव में ही हम बहुमत का आंकड़ा हासिल कर चुके है

केटी न्यूज/पटना

छठे चरण के लोकसभा चुनाव के बीच पटना पहुंचे असम के मुख्यमंत्री हिमंत विस्वा सरमा ने विपक्ष गठबंधन पर जोरदार हमला बोला। इस दौरान उन्होंने लालू प्रसाद को निशाने पर लिया और कहा कि लालू ने भाषा की मयार्दा तोड़ने में गोल्ड मेडल हासिल किया है। विपक्ष के यह दावा करने पर कि देश में इस बार इंडी गठबंधन की सरकार बनेगी, इस पर उन्होंने कहा कि दावा करने का समय निकल चुका है और विपक्षी गठबंधन मैदान से भाग चुका है। चौथे और पांचवे चरण के चुनाव में ही हम बहुमत का आंकड़ा हासिल कर चुके हैं। छठे और सातवें चरण के चुनाव में विपक्ष मैदान में कही है ही नहीं। तेजस्वी यादव द्वारा प्रधानमंत्री पर भाषा की मयार्दा को लांघने का आरोप लगाने पर विस्वा सरमा ने कहा कि अगर भारत की राजनीति में किसी ने भाषा की मयार्दा को तार-तार किया है तो उसका नाम लालू प्रसाद यादव है। यह बात तेजस्वी यादव के दिमाग में होना चाहिए। लालू प्रसाद ने राजनीति की भाषा को खराब किया उसका मुकाबला कोई भी नहीं कर सकता है। भाषा की मयार्दा को लांघने का गोल्ड मेडल हमेशा लालू प्रसाद के पास ही रहेगा। वहीं ओवैसी के बिहार दौरे पर उन्होंने कहा कि ओवैसी हों, राहुल गांधी हों या तेजस्वी यादव हों चार जून तक जहां भी घूमना है घूम लें। इसके बाद मोदी जी का नया भारत का यात्रा शुरू हो जाएगी और यह लोग अपने अपने घर में घुस जाएंगे। बीजेपी के पास सिर्फ एक ही प्लान है, मोदी सरकार 400 पार। इसमें एनडीए गठबंधन पूरी तरह से सफल हो रहा है। चार जून का परिणाम सामने आ जाएगा।

CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON
HARNAHI ROAD, DUMRAON, BUXAR- 802119
Affiliated to C.B.S.E., Delhi, Up to (10+2)- Aff. No. 330723
A CO-EDUCATIONAL SCHOOL FROM NURSERY TO STD. XII
ADMISSION NOTICE FOR STD. XI (SCIENCE & COMMERCE STREAMS)
REGISTRATION & ADMISSION STARTED
ELIGIBILITY CRITERIA
• DIRECT ADMISSION with INTERVIEW FOR CLASS X (2024) PASS OUT STUDENTS OF CAMBRIDGE GROUP OF SCHOOLS with 80% MARKS for PCM, 70% for PCB and 60% for COMMERCE STREAM.
• ADMISSION TEST & INTERVIEW WILL BE CONDUCTED FOR THE STUDENTS OF OTHER SCHOOLS.
SCHOLARSHIP SCHEME
• CANDIDATES WITH 95% & ABOVE WILL BE GIVEN FULL FREESHIP (100% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
• CANDIDATES WITH 90% & ABOVE WILL BE GIVEN HALF FREESHIP (50% REBATE IN ADMISSION FEE AND MONTHLY TUITION FEE) FOR BOTH CLASSES XI & XII.
CHAIRMAN - MR. T.N. CHOUBEY
TOPPERS IN AISSCE (Std. XII)
1st SHAKSHI KUMARI 94.80% 2nd ANKIT KUMAR 92.60% 3rd SANJANA KUMARI 92.00%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• English Core - 97 • Mathematics - 95 • Accountancy - 95
• Hindi Elective - 95 • Biology - 96 • Business Studies - 93
• Physics - 95 • Chemistry - 95 • Economics - 94
TOPPERS IN AISSE (Std. X)
1st ARADHYA GUPTA 96.80% 2nd RUKHSAR NAAZ 95.00% 3rd SANANDAN DUBEY 94.80%
SUBJECTWISE HIGHEST MARKS
• English - 94 • Hindi - 95 • Science - 96
• Sanskrit - 100 • Mathematics - 100 • Social Science - 100
INFORMATION
REGISTRATION FORMS are AVAILABLE and can be OBTAINED from the ADMISSION CELL at CAMBRIDGE SCHOOL DUMRAON, (Junior Wing, Dr. Jagnarayan Hospital Campus) on all working days from 08 AM to 2 PM.
8210918840, 7319972175, 6396686958
www.cambridgeschooldumraon.in
www.facebook.com/CAMBRIDGEDUMRAON
LIMITED SEATS Hurry Up

S2 Mall
SCPL
RERA REG NO. - BRERAP00017-4/200/R-111/2018

ESCALATOR FOOD COURT SHOPPING

FINE DINE RESTAURANT KIDS ZONE MULTIPLEX
SHANTI CREATION PVT. LTD.
For Booking Contact : 9431019808, 9693777038
Reg H.O. : G-1, Vidya Vatika Apartment, East Boring Canal Road, Gorakh Nath Lane, Patna - 800001
E-Mail : shanticreationpvtltd@gmail.com | Web : www.scplpatna.in

बक्सर के चुनावी सभा में प्रधानमंत्री मोदी विपक्षी गठबंधन पर जमकर गरजे, कहा-बंद होगी साजिस की दुकानें

ओबीसी आरक्षण समाप्त करने की हो रही साजिश: मोदी

- बोले-एससी, एसटी व ओबीसी आरक्षण को लूटने नहीं देगी भाजपा
- पीएम दोपहर तीन बजे मंच पर चढ़ गये थे 3:10 में माइक पकड़ा, उन्होंने 22 मिनट तक भाषण दिया

केटी न्यूज/ बक्सर

बक्सर स्थित अहिरौली मैदान में आयोजित चुनावी सभा को सम्बोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि इंडी गठबंधन वाले एससी एसटी और ओबीसी आरक्षण को समाप्त करने के लिए षड़यंत्र रच रहे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में रातों-रात ओबीसी तथा अन्य निचले तबके को मिलने वाले आरक्षण को मुसलमानों को दे दिया तो बंगाल में ममता दीदी ने 77 हजार घुसपैठियों को ओबीसी का फर्जी सर्टिफिकेट दे हिंदुओं के आरक्षण को खत्म करने की साजिश रची है। लेकिन, भाजपा के रहते एससी एसटी और ओबीसी आरक्षण की लूट नहीं होने दी जाएगी। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह विकसित भारत का यज्ञ चल रहा है, इंडी गठबंधन वाले उसमें विघ्न डाल रहे हैं।

उन्होंने भाषण सुनाने आए लोगों का अभिवादन किया और कहा कि आपके इसी जोश की जरूरत 1 जून और 4 जून को पड़ेगी। उन्होंने राहुल गांधी का नाम लिए बिना कहा कि आज भारत का दुनिया सम्मान कर रहा है, लेकिन वे कौन लोग हैं जो विदेशों में जाकर भारत को गाली देते हैं। मोदी ने कहा कि अयोध्या में 500 वर्षों की साधना और तपस्या के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ है। इसमें कई पीढ़ियों की साधना लगी है तो कई पीढियां बलिदान भी दी है। बक्सर के लोग भी रामलाल के लिए उपहार भेजे हैं। उन्होंने विपक्ष का नाम लिए बिना कहा कि लेकिन वह कौन लोग हैं जो इस राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार कर रहे थे और राम को काल्पनिक बता रहे थे।

केंद्र में जब मजबूत सरकार बनेगी तभी भारत विकसित बनेगा

विपक्षी गठबंधन पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यह चुनाव प्रधानमंत्री बनाने का है। केंद्र में जब मजबूत सरकार बनेगी तभी भारत विकसित राष्ट्र बनेगा, लेकिन विपक्ष में प्रधानमंत्री के नाम पर आपस में ही सर फुटौव्वल हो रहा है। उन्होंने कहा कि इतना बड़ा देश स्थाई और मजबूत सरकार के बिना कैसे चल पाएगा। चुनावी सभा के दौरान प्रधानमंत्री ने बक्सर संसदीय सीट से भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी को अपना प्रतिनिधि बताया और कहा कि इनको आप वोट देंगे वह वोट मुझे मिलेगा। उन्होंने कहा कि एनडीए सरकार ने अब तक 4 करोड़ गरीबों को पक्के घर दिए हैं, यदि इस बार सरकार बनी तो 3 करोड़ गरीबों को और पक्के घर बनवाए जाएंगे। उन्होंने आयुष्मान कार्ड योजना का भी नाम लिया और कहा कि इससे गरीबों का मुक्त हो इलाज हो रहा है इस बार सरकार बनी तो 70 वर्ष से अधिक के बुजुर्गों का मुख्य इलाज होगा तथा बिजली बिल भी जीरो कर दिया जाएगा। उन्होंने अपना चुनावी एजेंडा को आगे बढ़ाते हुए कहा कि अगले 5 वर्षों में 3 करोड़ महिलाओं को आत्म निर्भर बनाने 5 सालों तक मुफ्त राशन देने आतंकवाद और भ्रष्टाचार को मिटाने का काम किया जाएगा। मोदी ने कहा कि यदि इंडी गठबंधन वाले सत्ता में आ गए तो सीएए को रद्द कर देंगे, कश्मीर से धारा 370 वापस लेंगे और आपकी कमाई का पैसा वोट जिहाद करने वालों में बांटेंगे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार विकास की पटरी पर चल पड़ा है अब यह पीछे आने वाला नहीं है। अंत में उन्होंने सभी को जय श्री राम बोलते हुए 1 जून को अधिक से अधिक संख्या में भाजपा के पक्ष में मतदान करने की अपील की। मंच पर केन्द्रीय मंत्री गिरिराज सिंह, अवधेश नारायण सिंह, बिहार सरकार के मंत्री प्रेम कुमार, संतोष निराला, श्रवण कुमार, हुलास पांडेय, दिलमणि देवी, जीवन कुमार, विन्ध्याचल राय, प्रदीप राय, प्रदीप दुबे, हरि साहनी, मीना सिंह आदि मौजूद थे। वहीं प्रधानमंत्री की एक झलक पाने के लिए हजारों की भीड़ खड़ी रही। जिसमें महिलाओं की संख्या भी काफी थी।

आप बीजेपी को वोट देंगे तो हम और तीन करोड़ गरीबों को घर देंगे

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस देश को अपनी जागीर समझती है उसे लगता है शहजादे ही इकलौते वारिस है, लेकिन गठबंधन वाले कह रहे हैं 5 साल में पांच प्रधानमंत्री होंगे। जरा सोचिए 5 साल में पांच प्रधानमंत्री इतना बड़ा देश ऐसे चल सकता है क्या? बताइए ना चल सकता है क्या। उन्होंने कहा कि भ्रष्टाचार इनके संस्कारों में इतना गहरे तक बैठा है यह देश को भी नोटों की गाड़ी के रूप में देखते हैं। यह देश चलाने जा रहे हैं या बैंक लूटने जा रहे हैं और जो लूट का माल आपस में बांट लेंगे। साथियों एनडीए सरकार के पास ट्रैक रिकॉर्ड है। भविष्य का विजन है, हमने चार करोड़ गरीबों को पक्के घर पीएम आवास दिए हैं। आप बीजेपी एनडीए को वोट देंगे तो हम और तीन करोड़ गरीबों को घर देंगे। हमने गरीबों को आयुष्मान कार्ड दिया है आप एनडीए को वोट देंगे तो हम 70 वर्ष से अधिक के सभी बुजुर्गों को वक्त दिला देंगे आप बीजेपी को वोट करेंगे तो हम पीएम सूर्यगढ़ मुफ्त बिजली योजना से आपका बिजली बिल जीरो कर देंगे। अब बीजेपी तो आपको 5 साल तक मुफ्त राशन मिलेगा आप बीजेपी को वोट देंगे तो आतंकवाद और नक्सलवाद मुंह नहीं उठाएगी। मोदी ने कहा कि यह हम बोलते है, जबकि इंडी गठबंधन वालों की जमात क्या बोलती है... पीएम ने कहा कि उन्हें वोट चाहिए कश्मीर से 370 करने के लिए, उन्हें वोट चाहिए सीएए कानून को रद्द कर घुसपैठियों को देश की नागरिकता देने के लिए। उन्होंने कहा कि साथियों यह ईडी गठबंधन वाले तुष्टीकरण के लिए अपने वोट बैंक के लिए कुछ भी कर सकते हैं। कांग्रेस कहती है देश की संपत्ति पर पहले मुसलमानों का हक है, क्या बिहार इन देश विरोधी एजेंट को वोट कर सकता है।

बोले मोदी मेरा एक काम करेंगे...

अपने भाषण के अंत में प्रधानमंत्री ने बक्सर की जनता से अपील की और कहा कि मेरा एक काम करेंगे। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि बोलिए करेंगे कि नहीं। लोगों के सहमति में हाथ उठाने के बाद उन्होंने कहा कि आप सभी घरों में जाकर बोलिएगा कि मोदी ने आपको जय श्रीराम बोला है। उन्होंने फिर पूछा मेरा जय श्री राम पहुंचा देंगे न, जबाव में लोगों ने दोनों हाथ उपर उठा दिए। फिर उन्होंने कहा कि मेरा एक दूसरा काम है वह करेंगे हर गांव में देवस्थान होते हैं, उन देवस्थानों में जाकर मत्था टेक मोदी जी की तरफ से विकसित भारत बनने का आशीर्वाद मांगे।

मोदी ने अपने 10 साल की उपलब्धियों को भी गिनवाया

अहिरौली में चुनावी सभा को संबोधित करने के दौरान प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विपक्षी गठबंधन को आड़े हाथ लेने के साथ ही अपने दस वर्षों की उपलब्धियों को भी गिनवाया और कहा कि बक्सर में मेडिकल कॉलेज बन रहा है। बक्सर से पटना तक फोरलेन सड़क बन गई है, वही लखनउ से बक्सर तक एक्सप्रेस वे का काम भी पूरा हो गया है। उन्होंने कहा कि बनारस में कैंसर का अस्पताल खोला गया है। अब लोगों को कैंसर का इलाज कराने दिल्ली, भेल्लौर जैसे महानगरों में नहीं जाना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार का लक्ष्य अगले पांच वर्षों में बिहार में उद्योग धंधे को बढ़ावा दे पलायन रोकने का है। तीन करोड़ महिलाओं को रोजगार देने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने राजद पर तंज कसते हुए कहा कि उनके शासन काल में अपहरण उद्योग चल रहा था, लोगों से फिरौती मांगी जा रही थी। जिस कारण पलायन तेज हुआ था। उन्होंने कहा कि अगला पांच साल काफी निर्णायक है। पीएम के कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेता प्रदीप राय ने महर्षि विश्वामित्र व भगवान श्रीराम की पेंटिंग प्रधानमंत्री को भेंट की। वहीं भाजपा नेत्री मीना सिंह ने प्रधानमंत्री को अशोक स्तंभ दिया। भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी ने अयोध्या से प्रतिक चिन्ह दिया। भाजपा के जिलाध्यक्ष विजय सिंह उर्फ भोला सिंह ने अंगवस्त्र दिया। इस दौरान पीएम ने आम जनता से कहा कि यदि आप एनडीए प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी को वोट देते है। तो वह सीधे मेरे खाते में आयेगा। इसलिए मिथिलेश को वोट दें।

जयश्रीराम के जयघोष के बाद भोजपुरी में किया अभिवादन

माइक संभालते ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबसे पहले जयश्रीराम के नारे लगाए और कहा कि बक्सर प्रभु श्रीराम की गुरुभूमि व मां गंगा का पावन तट है। इसके बाद उन्होंने भोजपुरी में लोगों का अभिवादन किया। और कहा कि प्रभु श्रीराम की गुरूभूमि व मां गंगा की पावन धरती बक्सर के हम आपन सब परिवार के लोगन के प्रणाम करतानी। उनके इतना कहते ही वहां मौजूद भीड़ ने करतल ध्वनियों से उनका स्वागत किया और मोदी मोदी के नारे से पूरा इलाका गूंजायमान हो गया। उन्होंने कहा कि साथियों आज छठे चरण का मतदान भी है तेज गति से लोग लोकतंत्र का उत्सव मना रहे हैं और विकसित भारत के संकल्प को मजबूत कर रहे हैं। आज मतदान हो रहा है ईडी गठबंधन के गुब्बारे की सारी हवा निकल चुकी है।

पूछा- प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार करने वालों को जबाव देंगे न

अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री बार बार लोगों से मुखातिब होने के अपने अंदाज से खूब राश आ रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या में राममंदिर बना तो आपको खुशी हुई कि नहीं, आपको आनंद हुआ कि नहीं, आपका मत्था गर्व से ऊंचा हुआ कि नहीं हुआ। लेकिन, वह कौन लोग थे, जिन्हें यह बर्दाश्त नहीं हो रहा था। जब पूरा देश उत्सव मना रहा था, जब बक्सर के लोग रामलला के लिए उपहार भेज रहे थे, तब कौन लोग थे जो प्राण प्रतिष्ठा का बहिष्कार कर रहे थे, वह कौन लोग हैं जो राम मंदिर को अपपवित्र और पाखंड बता रहे थे। उन्होंने इसका खुद जबाव भी दिया और कहा कि यही कांग्रेस राजद और ईडी गठबंधन वाले लोग यही उल्टी चाल वाले हर पवित्र यज्ञ में विघ्न डालने वाले लोग हैं। उन्होंने कहा कि मैं बक्सर की पुण्य धरती की जनता से पूछता हूं आप जवाब देंगे ना?

लोगों के दिल में जगह बनाने का कोई मौका नहीं छोड़े मोदी

अपने भाषण के दौरान प्रधानमंत्री ने बीच-बीच में अपनी बातों तथा निराले अंदाज से जनता के दिलों को छूने का काम भी किया। इसी कड़ी में उन्होंने भीड़ के बीच अपने हाथों में एक पेंटिंग लिए खड़ी युवती पर जब मोदी की नजर पड़ी तो उन्होंने तत्काल एसपीजी कमांडो को उस बच्ची के हाथों से पेंटिंग को मंगवाया। उसके पास दो पेंटिंग थी एक में उनकी मां उन्हें आशीर्वाद दे रही है जबकि दूसरी पेंटिंग में उनकी मां उन्हें खाना खिला रही थी। दोनों पेंटिंग बनाने वाली डुमरांव के राजीव कुमार व ओम ज्योति भगत की पुत्री वंदना भगत से मोदीजी मंच से मुखातिब भी हुए तथा पेंटिंग मिलने के बाद थंब दिखा हौसला अफजाई की और पूछा कि इसमें तुम्हारा नाम और पता है न, आपके पास जबाव के रूप में मेरी चिट्ठी जाएगी। मोदी के इस अंदाज का लोगों ने खूब सराहना की।

पीएम ने भाषण बीच रोककर बच्ची को तस्वीर का किया सराहना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सभा के दौरान छोटी बच्ची द्वारा बनायी गई पेंटिंग को देखकर मोहित हो गये। उन्होंने अपने भाषण को बीच में रोककर बच्ची की पेंटिंग की तस्वीर की सराहना किया। उन्होंने वहां मौजूद कर्मियों से कहा कि बच्ची के पास से पेंटिंग लाया जाए। वह अपने साथ लेकर जाने की बात कहीं। यह देख सभी समर्थक आश्चर्य चकित हो गये। पीएम ने कहा कि इस भीड़ में सभी एक दूसरे का सहयोग करें। गर्मी बहुत अधिक है।

टिकट कटने के बाद बेहद नाराज दिख रहे थे पूर्व सांसद, परंतु पार्टी के निर्णय का किया था स्वागत

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम में पोस्टर और मंच से गायब रहे पूर्व सांसद अश्विनी चौबे

- अश्विनी चौबे भाजपा के स्टार प्रचारकों की सूची में है शामिल, पीएम के साथ कर चुके है मंच साझा

केटी न्यूज/बक्सर

प्रधानमंत्री की सभा में बक्सर के निवर्तमान सांसद व केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे उम्मीद के विपरीत नदारद दिखे, जो चर्चा का विषय बना रहा। बता दें कि अश्विनी चौबे की गिनती भाजपा के कद्दावर नेताओं में होती है तथा वे बिहार भाजपा के न सिर्फ सबसे बड़े चेहरे है बल्कि बिहार व यूपी में ब्राह्मण कोटे के भी बड़े नेता माने जाते है। बक्सर उनका संसदीय क्षेत्र रहा है। पूर्व में दो बार ये यहां से सांसद रह चुके है। उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का करीबी माना जाता है तथा वे अक्सर उनकी सभाओं में दिखाई भी पड़ते है। टिकट कटने के बाद से ही बक्सर से गायब अश्विनी चौबे को लेकर हर किसी को उम्मीद थी कि निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की सभा में न सिर्फ उनका दर्शन होगा बल्कि भाजपा प्रत्याशी मिथिलेश तिवारी के समर्थन में वोट का अपील करना उनकी बाध्यता होगी। अश्विनी चौबे को चाहने वाले मंच की ओर टकटकी लगाए थे, लेकिन उनका दर्शन तो दूर मोदी के मंच पर लगे बैनर पोस्टर में उनकी तस्वीर तक नहीं थी। जबकि टिकट बंटवारे के ऐन पूर्व तक वे बक्सर में काफी सक्रिय थे। कई

अवसरों पर उनकी सक्रियता चर्चा का विषय थी। लेकिन अब उतनी ही चर्चा उनके बक्सर के परिदृश्य से गायब होने पर हो रही है। वहीं उनके कभी करीबी मानें जाने वाले और कई मंचों पर आगे की कुर्सी पर बैठने वाले भाजपा के वरिष्ठ कार्यकर्ता गायब दिख रहे है। सदर अस्पताल के अक्सर दिखाई देने वाले एक कार्यकर्ता भी परिदृश्य से गायब दिखाई दें रहे है। गौरतलब है कि दो दिन पहले नावानगर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की सभा में उनकी तस्वीर तो लगी थी, लेकिन मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में उनका नाम तक नहीं लिया था। तो क्या केन्द्रीय मंत्री अश्विनी चौबे राजनीतिक हाशिए पर जा चुके है। क्योंकि चौबे जी के बेहद करीबी माने जाने वाले कई हस्ती वाले अब उन्हें छोड़ मिथिलेश तिवारी के साथ होकर चुनाव प्रचार में जमकर पसीना बहा रहे है।

मोदी की सभा में भगवा पर भारी पड़ा पीला गमछी

केटी न्यूज/बक्सर

मोदी की सभा में पीला गमछा वालों की संख्या अधिक थी। जाहिर सी बात है पीला रंग का गमछा एनडीए के हिस्सा वाले सुभासपा का प्रतीक है। बक्सर संसदीय लोकसभा क्षेत्र में एक निर्दलीय प्रत्याशी का पसंद भी पीला रंग का गमछा है। उनके समर्थक पीला गमछा का इस्तेमाल चुनाव प्रचार में खूब कर रहे है। अब जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सभा बक्सर में हुई तो पीला गमछा वाले लोगों की तादात भी कम नहीं रही। राजनीति के गुणा भाग करने वाले इस गणित को सुलझाने में लगे रहे कि पीला रंग के गमछा वाले समर्थक सुभासपा के कार्यकर्ता थे या फिर निर्दलीय प्रत्याशी के समर्थक है। क्योंकि पहले से यह पूवार्नुमान लगाया जाता रहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की बक्सर सभा के बाद हालात बड़ी तेजी से बदलेंगे तथा भाजपा से नाराज चल रहे समर्थक पार्टी एवं प्रत्याशी के पक्ष में मतदान को तैयार होंगे। क्या होगा इसका गवाह एक जून का मतदान तथा चार जून का चुनाव परिणाम तय करेगा। हालांकि भाजपा समर्थक अपनी ओर से पूरजोर कोशिश कर रहे है।

गर्मी से सुने पड़ जाते हैं चौक-चौराहे

केटी न्यूज/डुमरांव

तपती धूप और प्रचंड गर्मी से जन-जीवन काफी प्रभावित हुआ है। रोजी-रोजगार पर भी इसका काफी प्रभाव पड़ा है। नगर का हृदय कहे जाने वाले राजगढ़ चौक भी तिखी धूप व गर्मी से काफी प्रभावित हुआ है। सुबह से लेकर शाम तक चहल-पहल रहने वाला यह चौक दिन चढ़ते ही विरान होने लगता है। इस विरानगी का यह आलम है कि अनुमंडल कर्यालय व अनुमंडलीय अस्पताल जाने वालों को कोई वाहन नहीं मिलता है। इस गर्मी में पैदल आते.जाते हैं या वापस घर को लौट जाते हैं। विदित हो कि राजगढ़ चौक के गुलजार रहने का मुख्य कारण हैए राजगढ़ परिसर में तीन राष्ट्रीयकृत बैंक, डाकघर और दो सरकारी स्कूलों के अलावे निजी विद्यालय का होना। फिर यहीं से लोग अनुमंडल और अस्पताल जाने के लिए टेम्पों पकड़ते हैं। वर्तमान समय में इस चौक की स्थिति यह है कि टेम्पों भी नदारद रह रहे हैं। ऐसे में अस्पताल व अनुमंडल जाने वाले लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ जाता है। राजगढ़ चौक के दुकानदार भी ग्राहकों के आने का इंतजार में दिन गुजार रहे हैं। कई दुकानदारों ने बताया की गर्मी ने रोजी.रोजगार में काफी घाटा लगवा दिया है। बिक्री एकदम से ठप पड़ गई हैए लोग घर से निकलेंगे नहीं तो कौन समान खरीदने के लिए आएगा। वहीं टेम्पों वालो का कहना है कि गर्मी से हमलोगों की कमाई बंद हो गई है। घर चलाना मुश्किल हो गया है। ऐसे में सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि इस भीषण गर्मी से जन-जीवन कितना प्रभावित हुआ है। धूप में कोई भी घर से बाहर नहीं निकलना चाह रहा है।

डिहरी प्रखंड क्षेत्र के सुअरा हवाई अड्डा मैदान में पीएम मोदी ने जनसभा को किया संबोधित

नौकरी के बदले जमीन लिखवाने वालों की जेल जाने की उल्टी गिनती अब शुरू हो चुकी है: मोदी

- बोले- कांग्रेस और राजद के पास देश के विकास का न तो कोई विजन है और न नीति
- प्रधानमंत्री को सुनने और उनकी एक झलक पाने के लिए उमड़ी लोगों की भीड़
- सुरक्षा के चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच हुई प्रधानमंत्री की सभा

केटी न्यूज/सासाराम

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को दोपहर में डिहरी प्रखंड क्षेत्र के सुअरा हवाई अड्डे के मैदान में काराकाट संसदीय क्षेत्र से एनडीए के प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा तथा सासाराम संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी शिवेश राम और आरा के भाजपा प्रत्याशी आर के सिह पक्ष में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि काराकाट से उपेंद्र कुशवाहा तथा सासाराम से शिवेश राम एवं आरा से आर के सिह को अपना मत देकर विजयी बनाना है। इनके विजयी होने के बाद ही मोदी पीएम बनेगा और देश और बिहार का विकास कर मजबूती देगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस और राजद वाले के पास ना कोई विजन है ना कोई नीति है नहीं कुछ प्रोजेक्ट है। यह लोग केवल बिहार के लोगों को आश्वासन देकर वोट बैंक बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि 4 जून के बाद कांग्रेस के शाही परिवार विदेश में छुट्टी मनाने चला जाएगा। आज रामलाल को मंदिर में विराजमान कर दी गई तथा कश्मीर से 370 धारा को समाप्त कर दी गई। लेकिन ईडी गठबंधन वाले कहते हैं कि 370 पुनः लाई जाएगी। इससे देश में खून खराब और देश आशांति फैलेगी । लेकिन एनडीए इसको कभी होने नहीं देगी। कांग्रेस वाले कहते हैं कि एनडीए संविधान को बदलना चाहती है। जबकि संविधान को मोदी के रहते किसी के द्वारा बदलने की हिम्मत नहीं होगी।

उन्होंने कहा कि बंगाल की ममता सरकार ने 77 मुस्लिम जातियों को ओबीसी का दर्जा दे दिया था। जो पूरी तरह गैरकानूनी था। जिसे कोलकाता हाईकोर्ट ने रद्द कर दिया है। इसी तरह कांग्रेस देश में मुसलमानों के लिए अलग आरक्षण की बात कर रही है, लेकिन एनडीए धर्म के आधार पर कोई आरक्षण नहीं होने देगी। मोदी ने कहा कि बंगाल के मुख्यमंत्री बिहारी को गाली देती है। लेकिन कांग्रेस वालों को कभी हिम्मत नहीं हुई कि इसका विरोध करें। कांग्रेस और राजद वाले डरपोक हैं। ईडी गठबन्धन वाले बराबर हिम्मत नहीं हुई कि इसका विरोध करें। ईंडी गठबंधन वाले बराबर मोदी को धमकी देते रहते हैं तथा गालियां देते हैं। लेकिन मोदी उनके धमकी से ना डरने वाला है, है ना रुकने वाला है। मोदी ने कहा कि बिहार के यादव, कुर्मी, कुशवाहा सहित सभी जाति का परिवार मेरा परिवार है। हर जाति के लिए 2024 चुनाव के बाद आने वाले 5 साल बिहार के विकास के लिए अभूतपूर्व रहेगा। ईंडी वाले संविधान में बदलाव की बात करते हुए सामाजिक न्याय का मुखौटा पहने हुए हैं । उन्होंने कहा कि लालटेन केवल एक घर में रोशनी देता है जबकि लालटेनियों ने बिहार में अंधेरा कर दिया है। उन्होंने कहा कि देश को लूटने वाले की जगह जेल में होगी, जिनके लिए अभी सही रास्ता बना हुआ है। मोदी ने कहा कि मैं एक आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करना चाहता हूं जिसकी राह पर काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मैंने सेना को आदेश दिया था कि घर में घुस के मारो और सेना के जवानों ने वैसा ही किया। इस मौके पर आरा संसदीय क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी आर के सिह, गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय लेसी सिंह , एमएलसी संतोष सिंह, मंत्री नीरज बबलू, जमा खान, मुरारी प्रसाद गौतम ,उपेंद्र कुशवाहा ,शिवेश राम, गोपाल नारायण सिंह, डिहरी के पूर्व विधायक सत्यनारायण सिंह, पूर्व विधायक ललन पासवान आदि मौजूद थे।। कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन एमएलसी निवेदिता सिंह ने किया।

बोले... इंडी गठबंधन के पास न विजन है, न ही हौसला

पीएम मोदी ने कहा कि बिहार के लोग इस बार वोट डालकर प्रधानमंत्री भी पक्का कर लेंगे। चार जून की शाम होते-होते बिहार में एक और काम होगा। राजद वाले कहेंगे कि कांग्रेस ने लुटिया डुबो दी। कांग्रेस का शाही परिवार हार का ठिकरा खरगे जी के सिर पर फोड़ कर छुट्टियां मनाने विदेश चला जाएगा। कांग्रेस, राजद और इंडी गठबंधन को देश बार-बार खारिज कर चुका है। नकार चुका है। इनके पास विजन नहीं है। इनके पास हौसला का नामों-निशान नहीं है। वर्षों तक इनकी राजनीति डरो और डराओ के मंत्र पर चलती रही है। लेकिन, मोदी ने इस डर के गुब्बारे को फोड़ दिया है। अब मोदी इनके डर को भी डरा रहा है। यह इंडी गठबंधन वाले देश को डराते थे। 70 साल तक देश को डराते रहे। कहते थे अयोध्या में अगर राम मंदिर बना तो देश में खून की नदियां बहेगी। आज रामलला मंदिर में विराजमान हुए तो क्या खून की नदियां बही क्या?

बिहार को लूटने वालों को एनडीए सरकार छोड़ेगी नहीं

पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मोदी किसी से डरता नहीं है। जिसने चोरी की और गरीबों को लूटा, वह कितना बड़ा शहंशाह हो, उसे जेल जाना ही होगा। अगर कोई लूट करता और आपके हक का छीन लेता है तो उसे जेल जाना चाहिए या नहीं। गुनाह किया तो जेल जाना ही चाहिए। बिहार के लोगों को मैं एक और गारंटी दे रहा हूं, जिन्होंने बिहार के गरीबों को लूटकर नौकरी के बदले जमीन लिखवाई है, वह कान खोलकर सुन लें, उनके जेल जाने की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। हेलीकॉप्टर में चक्कर मारने का समय पूरा होते ही वह जेल चले जाएंगे। बिहार को लूटने वालों को एनडीए सरकार छोड़ेगी नहीं। यह मोदी की गारंटी है। यह इंडी गठबंधन वाले अपने राजनीति स्वार्थ के लिए कुछ भी कर सकते हैं। यह लोग बिहार और बिहारियों के अपमान के खिलाफ आवाज तक नहीं उठाते हैं।

एक नजर

वैश्य समाज ने बैठक कर भाजपा प्रत्याशी शिवेश के पक्ष में मतदान करने की अपील की

सासाराम। वैश्य समाज के बैनर तले स्थानीय तैलिक सभागार गोला बाजार स्थित भाजपा प्रत्याशी शिवेश रामजी के पक्ष में हजारों व्यापारी बंधु उपस्थिति दर्ज करावें। इस अवसर पर प्रत्याशी हजारों व्यापारी बंधु के समर्थन एकजुटता से खुश होकर सुरक्षा, सुविधा और हर वक्त परिवार के रूप सेवा में उपस्थित रहने के लिए आश्वस्त किये। विशिष्ट अतिथि दरंभगा विधायक संजय सरौगी ने जंगल राज्य से मुक्ति और बिहार को बेहतर बनाने हेतु भाजपा का ही देन हैं। व्यापार प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राकेश रंजन ने सभी व्यापारी बंधु से समर्थन का नारा लगा कर आश्वस्त किये और हर व्यापारी बंधु अपना कीमती वोट कमल निशान सभी कार्य छोड़ पहले मतदान करेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सुनील गुप्ता पैंथर वैश्य संचालन सुमन व राकेश कुमार ने संयुक्त रूप से किया।

जिला जज ने सासाराम न्यायालय परिसर मंडल कारा सहित उपकारा का किया निरीक्षण

सासाराम। शनिवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश-सह- अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रोहतास अनुज कुमार जैन द्वारा नालसा के निदेर्शानुसार मंडल कारा, सासाराम एवं उप कारा बिक्रमगंज का निरीक्षण किया गया। इसके साथ हीं माननीय न्यायाधीश द्वारा डिहरी अनुमण्डल न्यायालय एवं बिक्रमगंज अनुमण्डल न्यायालय का भी निरीक्षण किया गया एवं न्यायाधीशों के साथ बैठक की गयी। जेलमें निरीक्षण के दौरान उन्होने वाशरुम की साफ-सफाई, किचेन और जेल अस्पताल, कैदी वार्ड, महिला वार्ड आदि की साफ- सफाई का सुक्ष्म निरीक्षण किया। उनके द्वारा लिगल एड क्लिनिक का भी निरीक्षण किया गया और कैदियों से उनकी समस्याओं की पूछ-ताछ की गयी। इस संबंध में माननीय न्यायाधीश द्वारा जेल अधीक्षक, सासाराम को कई निर्देश भी दिये गये।जेल में महिला वार्ड में जाकर उन्होंने महिलाओं और बच्चों का हाल -चाल लिया और सुनिश्चित किया कि बच्चों को उचित आहार एवं शिक्षा की व्यवर्था की जा रही है। माननीय न्यायाधीश द्वारा जेल विजिटींग लायर्स को भी कई निर्देश दिये।

राजनडिह पंचायत में मतदान जागरूकता के लिए बीडीओ ने झोकी ताकत

राजपुर। क्षेत्र अन्तर्गत एक जून को लोक सभा चुनाव में निर्वाचन आयोग से क्षेत्र के लिए निर्धरित 70 प्रतिशत मतदान लक्ष्य प्राप्ति के लिए बीडीओ रविराज ने शनिवार को राजनडिह पंचायत के गावों में अपनी पुरी ताकत झोंक दी। सभी बुथों पर मतदान प्रतिशत वृद्धि के लिए बीडीओ ने डोर टू डोर पहुंच प्रचार प्रसार किया। एक भी मतदाता नहीं छुटे, इसका ध्यान रखते हुए शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए प्रखण्ड प्रशासन की टीम ने घर घर जाकर लोगों को जागरूक किया। बीडीओ सह सहायक निवार्ची पदाधिकारी के नेतृत्व में तरांव, धोबडिहा व राजनडिह में लोहिया स्वच्छ बिहार मिशन के बैनर तले जागरूकता रैली निकाली गई। जिसमें प्रखंड सह अंचल कार्यालय के सभी विभागों के पदाधिकारी व कर्मी शामिल हुए।

पीएम मोदी को तेजस्वी का चैलेंज... बोले- यह झारखंड और दिल्ली नहीं, बिहार है, हाथ लगाकर तो दिखाओ

केटी न्यूज/पटना

रोहतास के डेहरी में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि भ्रष्टाचारियों के जेल जाने का काउंटडाउन शुरू हो गया है। पीएम मोदी के इस बयान पर तेजस्वी यादव ने उन्हें खुला चैलेंज दे दिया है। तेजस्वी ने कहा है कि यह दिल्ली और झारखंड नहीं है बल्कि बिहार है, हाथ लगाकर तो दिखाओ। दरअसल, शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार के लोगों को यह गारंटी दी कि नौकरी के बदले जमीन लिखवाने वालों को जेल भेजा जाएगा। जेल जाने का काउंटडाउन शुरू हो चुका है। पीएम मोदी के इस बयान पर तेजस्वी यादव ने बीजेपी और एनडीए को खुला चैलेंज किया है। तेजस्वी ने कहा कि प्रधानमंत्री हमसे डर गए हैं क्या? हार रहे हैं तो प्रधानमंत्री इस तरह का बयान दे रहे हैं। नरेंद्र मोदी एक 34 साल के बिहारी नौजवान को डरा रहे हैं। बिहारी गुजराती से कभी डरता नहीं है। तेजस्वी ने कहा कि मोदी जी यह झारखंड और दिल्ली नहीं है, ये बिहार है हाथ लगाकर तो दिखाओ।

उन्होंने कहा कि तेजस्वी बिहारी है और बिहारी किसी से डरता नहीं है। हमारे भगवान कृष्ण का जन्म ही जेल में हुआ है, प्रधानमंत्री डरा किसको रहे हैं। हमलोग क्यों डरेंगे। एक 75 साल के बुजुर्ग एक 34 साल के युवक को धमकी दे रहे हैं कि तुम हमको चुनाव में हरा रहे हो तो हम तुमको जेल भेज देंगे।

देश के लिए कांटा साबित हो रही है एनडीए सरकार: दीपांकर भट्टाचार्य

केटी न्यूज/काराकाट

एनडीए की सरकार देश के लिए कांटा साबित हो रही है। एनडीए की सरकार के दिन लद गए हैं, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी देश की संविधान को उलट-पलट करने का काम कर रहे हैं। लेकिन महागठबंधन ऐसा होने नहीं देगी। सभी सरकारी संस्था को बेचने का काम कर रहे, गरीबों किसानों युवाओं को ठगने का काम कर रहे हैं। उक्त बातें भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य ने गोडारी के बुढ़वाल उच्च विद्यालय के मैदान में चुनावी सभा को संबोधित करते हुये कहा। महासचिव ने कहा कि काराकाट लोक सभा चुनाव में भारी मतों से जीत रहे है। एनडीए सरकार के बौखलाहट को सारण, छपरा में देखने को मिल रही है। एक महिला नेत्री को गाली देना, जाति सूचक शब्द का संबोधन करते सुना देखा गया है। बिहार में लोक सभा आम चुनाव में एनडीए की एक नहीं चलेगी ।

छिनतई का विरोध करने पर युवक को गोली मारने में शामिल नाबालिग समेत तीनों बदमाश गिरफ्तार

केटी न्यूज/आरा

नगर थाना क्षेत्र के बाइपास रोड में रविवार की सुबह छिनतई का विरोध करने पर एक युवक को गोली मारने में शामिल नाबालिग सहित तीनों अपराध कर्मियों को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। उनकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल एक देसी कट्टा, एक खोखा, स्कूटी और दो मोबाइल बरामद किया गया है। गिरफ्तार बदमाशों में नगर थाना क्षेत्र के शीतल टोला निवासी सोमेश कुमार उर्फ सोमेश्वर सोनी और पटना के गांधी मैदान थाना क्षेत्र के दलदली रोड निवासी टेनी कुमार उर्फ गौतम कुमार शामिल हैं। वह शीतल टोला में ही रहता है। वहीं नाबालिग आरोपित धोबहां का निवासी है और शिवगंज इलाके में रहता है। एएसपी परिचय कुमार की ओर से शनिवार को प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गयी।

उन्होंने बताया कि गोली मारे जाने की घटना के बाद अपराधियों की पहचान और धरपकड़ को टीम गठित की गयी थी। टीम द्वारा तकनीकी सूत्र और लोकल इनपुट के जरिए तीनों अपराधियों की पहचान की गयी। उसके बाद गिरफ्तार कर लिया गया। पूछताछ में तीनों ने घटना में शामिल होने की बात भी स्वीकार कर ली है। उस दौरान सोमेश कुमार की निशानदेही पर नहर के पास झाड़ी से झोले में बांध कर फेंका गया कट्टा बरामद किया गया। स्कूटी और एक खोखा भी बरामद किया गया। टीम में टाउन थानाध्यक्ष देवराज राय और दारोगा रफीक आलम शामिल थे।

आम की रखवाली करने वाले की हत्या में वांछित गिरफ्तार

आरा। चौरी थाने की पुलिस ने डिलिया गांव निवासी अधेड़ की हत्या में वांछित चल रहे एक आरोपित को गिरफ्तार किया है। वह डिलिया गांव निवासी जमींदार सिंह का पुत्र मन्नु सिंह उर्फ अभिमन्यु कुमार है। उसे शुक्रवार की रात पवना थाना क्षेत्र के खोपिरा गांव से पकड़ा गया। पुलिस के अनुसार वह हत्याकांड का नामजद मुख्य आरोपित था। एसडीपीओ राहुल सिंह ने बताया कि सात मई की रात बागीचे में आम की रखवाली करने गये डिलिया गांव निवासी अगहनू राम की गोली मार हत्या कर दी गई थी। उस मामले में उनकी पत्नी मीना देवी के बयान पर पांच नामजद और तीन चार अज्ञात लोगों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गयी थी।

भोजपुर में सिलेंडर बम प्लांट करने में नौ सालों से फरार चल रहा औरंगाबाद और गया का सक्रिय नक्सली गिरफ्तार

- सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरहट्टा कला गांव से पकड़ा गया नक्सली
- मुठभेड़ के मामले में औरंगाबाद पुलिस को भी गिरफ्तार नक्सली शुक्ला जी की थी तलाश

केटी न्यूज/आरा

भोजपुर की चरपोखरी थाने की पुलिस ने सिलेंडर बम प्लांट करने में नौ साल से फरार चल रहे एक सक्रिय नक्सली को गिरफ्तार किया है। वह सहार थाना क्षेत्र के मथुरापुर गांव निवासी राज कुमार उर्फ विजय सिंह उर्फ उर्फ शुक्ला जी है। उसे शुक्रवार की रात एसटीएफ की मदद से सिकरहट्टा थाना क्षेत्र के सिकरहट्टा कला गांव से गिरफ्तार किया गया। भोजपुर के साथ औरंगाबाद पुलिस को भी उसकी तलाश थी। उसके खिलाफ पूर्व में भोजपुर, गया, औरंगाबाद और अरवल जिले में नक्सल संबंधी केस दर्ज है। 2019 में गया के आमस थाने की पुलिस द्वारा एक नक्सली कांड में उसे जेल भी भेजा गया था। उसका नाम कुछ साल पहले गया में एक जनप्रतिनिधि का घर उड़ाने के मामले में भी आया था। वह गया, औरंगाबाद और अरवल नक्सली में गतिविधियों में सक्रिय था और फिलहाल गया जिले के संदीप यादव गिरोह का लीड कर रहा था। एसडीपीओ राहुल सिंह की ओर से शनिवार को चरपोखरी थाने में प्रेस कांफ्रेंस में यह जानकारी दी गई।

उन्होंने बताया कि शुक्रवार की रात सूचना मिली कि चरपोखरी थाने में पूर्व में दर्ज विस्फोटक पदार्थ अधिनियम, ऑनलॉफुल एक्टीविटिज (प्रिवेंशन) एक्ट और सीएल एक्ट में वांछित नक्सली राज कुमार उर्फ विजय सिंह उर्फ शुक्ला किसी घटना को अंजाम देने की फिराक में सिकरहट्टा कला गांव में कहीं छुपा है। उस आधार पर उसकी गिरफ्तारी को लेकर प्रशिक्षु डीएसपी कन्हैया कुमार व थानाध्यक्ष संतोष कुमार के नेतृत्व में टीम गठित की गयी। टीम ने एसटीएफ की मदद और तकनीकी सूत्र के जरिए तत्काल सिकरहट्टा कला गांव में छापेमारी कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया। उसके खिलाफ पूर्व में सहार थाने में 2009 में हत्या, 2014 में हथियार बरामदगी, चरपोखरी थाने में रंगदारी वसूलने और गया के आमस थाने में नक्सली कांड दर्ज है। 2019 में गया के आमस थाना पुलिस द्वारा उसे संगठन के विस्तार करने के दौरान गिरफ्तार किया गया था। औरंगाबाद के देव और डिबरा थाने में भी उसके खिलाफ केस दर्ज है। वह 2015 में चरपोखरी थाना क्षेत्र के कथराई रोड में एक पुलिया के नीचे सिलेंडर बल प्लांट करने में फरार चल रहा था। बताते चलें कि 2015 में विधानसभा चुनाव से पहले पुलिस पर हमला कर हथियार लुटने के उद्देश्य से कथराई रोड में एक पुलिया के नीचे दो सिलेंडर बम लगाए गए था। हालांकि तब पुलिस की सक्रियता से दोनों बम बरामद कर लिए गए थे। उस मामले में भोजपुर और औरंगाबाद के करीब आधा दर्ज नक्सलियों का नाम आया था।

चुनाव जीतने के बाद काराकाट में बनाउंगा फिल्म सिटी: पवन सिंह

केटी न्यूज/काराकाट

काराकाट प्रखंड के जमुआ पेट्रोल पंप के पास खेल मैदान में चुनावी जनसभा में काराकाट संसदीय क्षेत्र के निर्दलीय प्रत्याशी पवन सिंह व भोजपुरी गायकों ने लोगों को भोजपुरी गीत संगीत के माध्यम से वोट मांगा। भले ही पवन सिंह ने भोजपुरी कलाकारों को एकजुट कर क्षेत्र में प्रचार करने को बुला लिया हो लेकिन मतदाता कम और भोजपुरी श्रोता ही ज्यादा दिख रहे है।

जनसभा को संबोधित करते हुए पवन सिंह वादा किया कि जीतने के बाद काराकाट में फिल्म सिटी बनाउंगा। सांसद मद की राशि जनता में खर्च करुगा। काराकाट में अपना घर बनाऊंगा ,जनता की सेवा करूंगा। पवन सिंह ने कहा कि काराकाट की जनता का साथ रहा तो सांसद बनने से मुझे कोई नहीं रोकेगा । माई, बहिन के आशीर्वाद मिली त हम जरूर जीत जाइम, जनता जनार्दन हमार भगवान हवन , हमरा के अपन बेटा समझ के वोट दे के जिताईजा। जनसभा में व्यवस्था पर कुछ उपस्थित महिलाएं थी जो काफी नाराज थी । उनके लिए कोई व्यवस्था नहीं था इस लिए महिलाए कुछ देर बाद ही वापस चली गई। भीषण गर्मी व चिलचिलाती धूप से लोग परेशान रहे वो भी वापस चले गये। कुछ महिलाएं परिसर में लगे ट्रैक्टर के नीचे छुपी रही ।

भोजपुरी कलाकारों को देखने के लिए जुटी थी करीब तीन हजार लोगों की भीड़: जनसभा में ज्यादातर लोग भोजपुरी कलाकारों को देखने के लिए आये थे । वही करीब तीन हजार कि संख्या में जुटे लोगों ने अपने भोजपुरी चहेते कलाकारों को देखा और भोजपुरी संगीत का लुफ्त उठाया। कई लोगो ने बताया कि फिल्म में व नेट पर देखे हैं सामने से देखने आये हैं। भोजपुरी के फिल्म सितारे व भोजपुरी के गायक जुटे है उसे देखने व सुनने आये है ।

आशा के अनुरूप नहीं जुटी भीड़: पवन सिंह के जनसभा में आशा के अनुरूप भीड़ नहीं जुटा जो लोगों को अनुमान था उस हिसाब से भीड़ नहीं था। कई ने कहा कि यूपी और बिहार से युट्यूबर ही ज्यादा जुटे थे। कई ने बताया कि जैसा उम्मीद था कि जनसभा में भारी भीड़ रहेंगी लेकिन भीड़ नहीं उमड़ा सिर्फ मनोरंजन के लिए ज्यादा लोग आये थे, जिसमे क्षेत्र के बाहरी लोग कि संख्या ज्यादा थी ।

भोजपुरी गायक व गायिकाओं ने पवन सिंह के लिए मांगा वोट: भोजपुरी गायक, गायिका व कलाकार में अनुपमा यादव, शिल्पी राज, अयाज खां, मनोज टाईगर , शिवानी सिंह, विष्णु ओझा, आस्था सिंह सहित कई ने भोजपुरी गायक सह अभिनेता पवन सिंह के समर्थन में गीत संगीत के जरिए वोट मांगा।

इंडिया गठबंधन की सभी पार्टियों में अवगुण, वोट और सत्ता के लिए कुछ भी कर सकते हैं: पीएम मोदी

- सपा के शहजादे ने कहा था माफिया की इंट्री पर रोक लगाएंगे, लेकिन उन्हें गोद में बैठा लिया

केटी न्यूज/ गाजीपुर

आईटीआई मैदान (नवीन स्टेडियम) में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भाजपा उम्मीदवार पारसनाथ राय के समर्थन में गाजीपुर संसदीय क्षेत्र की जनता को ही नहीं, बल्कि पूर्वांचल के मतदाताओं को संबोधित किया। यहां की मिट्टी से जुड़ी भाषा ठेठ भोजपुरिया में बोलते हुए लोगों का ध्यान अपनी तरफ खींचा। उन्होंने हजारों कार्यकताओं एवं समर्थकों को पुराने अंदाज में कहा कि लहुरी काशी के पावन धरती पर यहां के लोगन के हमार प्रणाम बा। गाजीपुर के पावन धरती के लोगन के हमार प्रणाम बा। काशीवासियों के लिए गाजीपुर आना ऐसा ही है, जैसे बगल के मोहल्ले में आना है। मैं गाजीपुर प्रचार करने नहीं आया हूं, अपने माता-बहनों का और आप सबका आशीर्वाद लेने आया हूं। यह जो पूरे यूपी के साथ और गाजीपुर का सामर्थ्य क्या है, यह इतिहासकारों से ज्यादा देश की सीमाओं को पता है। यह पराक्रम और शौर्य की गाथाएं बताती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि ब्रिगेडियर उस्मान जैसे भी गाजीपुर की परंपरा और गाजीपुर का गांव यह नाम ही काफी है। हर घर से जहां जांबाज निकलते हों गाजीपुर के अलावा और किसे मिला होगा। मुझे आपके बीच कई बार आने का अवसर मिला है। जब संगठन का काम करता था या चाहे गुजरात का मुख्यमंत्री था गाजीपुर आना हुआ। लोकसभा में चुनाव का समय हो विकास के काम हो, तब भी आता हूं। मुझे एक पुराना प्रसंग बार-बार याद आता है। यह प्रसंग इस बात का गवाह है कि कैसे इंडिया गंठबंधन वालों ने गाजीपुर के साथ विश्वास घात किया। आजादी के बाद कांग्रेस ने कसम खा ली थी कि इस क्षेत्र का विकास नहीं करेगी। यहां के लोग गरीबी में घूट-घूट कर जीने को मजबूर रहे। पुराने लोगों को पता होगा, यहां की तकलीफ के बारे में। प्रधानमंत्री नरेंद्र पीएम मोदी ने कहा कि गाजीपुर के पुराने लोगों को पता है कि यहां के दर्द को गहमरी जी ने उठाया था, नेहरू जी को आंख में आंसू लिए बताया था कि कैसे यहां के लोग गोबर में गेहूं बीनकर खाते थे। कांग्रेस की सरकार में सियासी ड्रामें हुए, लोगों की आंखों में धूल झोंकने के लिए पटेल आयोग बने। लेकिन फाइल धूल फांकने लगी, लेकिन हमारी सरकार हर गरीब को मुक्त राशन दे रही है। कोरोना के इतने बड़े संकट में भी गरीबों के घर का चूल्हा नहीं बुझने दिया। मुफ्त राशन के लिए लाखों-करोड़ रुपये खर्च किया जा रहा है, ताकि किसी गरीब को परेशानी न उठानी पड़े। पीएम ने कहा कि वोट और सत्ता के लिए सपा और कांग्रेस कुछ भी कर सकते हैं. सपा के शहजादे ने कभी कहा था कि माफिया की इंट्री पर रोक लगाएंगे, लेकिन उन्हें की गोद में बैठाया. उन्होंने माफियाओं को पाला-पोशा. इंडिया गठबंधन में जितनी पार्टियां हैं, उनमें अवगुण हैं, वो घोर सांप्रदायिक, जातिवादी, परिवादी हैं. बाबा साहेब को भारत रत्न कांग्रेस ने नहीं देने दिया था। दलित राष्ट्रपति को हराने के लिए एकजुट हो गए थे। इंडिया गठबंधन के लोग दलितों और पिछड़ों का आरक्षण लूटने में लगे हैं।

सपा ने माफियाओं को पाला-पोसा और टिकट दिया

आईटीआई मैदान पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने माफिया की तरफ इशारा करते हुए कहा कि पहले माफिया लाल बत्ती में घूमते थे और दंगा यूपी की पहचान बन गई थी। इसका नुकसान व्यापारियों- कारोबारियों को होता था। सपा मुखिया का नाम लेकर कहा कि सपा ने माफियाओं को पाला-पोसा और टिकट दिया है। देखा जाए तो सपा और कांग्रेस की कुछ आदतें मिलती हैं। पहला परिवारवादी, दूसरा जातिवादी और तीसरा भ्रष्टाचारवादी। पीएम ने कहा कि मोदी जबतक जिंदा है, तबतक एससी-एसटी का आरक्षण नहीं छीनने दूंगा। वंचितों का जो अधिकार है, मोदी उसका चौकीदार है। पीएम मोदी ने कहा आप याद करिए कांग्रेस कैसे सरकारें चलाती थी। ताड़ीघाट का शिलान्यास गहमरी बाबू ने कराया था। लेकिन छह दशक तक ये काम लटका रहा। इंडि पार्टियों की कितनी सरकारें आईं और चली गईं। लेकिन पुल नहीं बना। ये पुल तब बना जब आपने मोदी को सेवा करने का मौका दिया। यह मेरा सौभाग्य था कि बाबू जी का सपना साकार किया और यहां आकर उद्घाटन किया।

पांच स्तरीय सुरक्षा के बीच हुई पीएम की जनसभा

गाजीपुर। सूर्य की तपिश व भीषण गर्मी के बीच लोगों का उत्साह देखते बन रहा था। आईटीआई मैदान लोगों की भीड़ झंडे एवं कमल के फूल से पटा था। पूरे दिन शहर की सभी सड़कें जाम थीं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा को लेकर पांच स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। पूरे जिले में हाई अलर्ट कर दिया गया था। तीन किलोमीटर की परिधि में सुरक्षा एवं सतर्कता बढ़ा दी गई थी इस दौरान कार्यक्रम स्थल के आस-पास रहने वाले लोगों की न केवल पहचान की गई थी, बल्कि उनके घरों में रहने वालों की गतिविधियों पर सुरक्षा एजेंसियों की पैनी नजर टिकी हुई थी। एसपीजी एवं आने सुरक्षा एजेंसी के लोग 24 घंटे पहले ही आस-पास के क्षेत्रों में पहुंच कर उन्हें अपने नियंत्रण में ले लिए थे। प्रधानमंत्री की सुरक्षा में लखनऊ, प्रयागराज, वाराणसी, चंदौली, बलिया के साथ ही दिल्ली से भी पुलिस अधिकारी बुलाए गए थे। पीएम के सुरक्षा में लगी डाक स्क्वायर टीम, बम निरोधक दस्ता, एएस चेक टीम और एंटी माइंस टीम, एसपीजी आदि सुरक्षा एजेंसी सक्रिय रहीं। कार्यक्रम के दौरान सुरक्षा को लेकर कोई चूक न हो इसके लिए अधिकारी चक्रमण करते रहे। कार्यक्रम स्थल पर भीषण गर्मी के मौसम में लोगों को पीने के लिए पानी, हवा एवं छाया की व्यवस्था की गई थी। कार्यकताओं एवं जनता के बैठने के लिए 10,000 से अधिक कुर्सियां लगाई गई थी। प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के आगमन से पूर्व ही सभी कुर्सियां भर गई तथा पीएम को सुनने आए लोग पंडाल में घंटों खड़े रहे।

प्रधानमंत्री ने मंच से 29 मिनट तक जनता को किया संबोधित: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को सायंकाल 4-21बजे आईटीआई मैदान के मंच पर पहुंचे और 5.17 बजे तक मौजूद रहे। पीएम का संबोधन 16.46 बजे आरंभ हुआ और 17,15 बजे समाप्त हो गया। कुल 29 मिनट गाजीपुर की जनता को संबोधित किए। जनसभा का संचालन क्षेत्रीय उपाध्यक्ष सरोज कुशवाहा ने किया। पीएम व सीएम के साथ मंच पर बैठे दो सहयोगी दलों के नेता डा. संजय निषाद और ओमप्रकाश राजभर ने भी जनता को संबोधित किया।

खबरें फटाफट

गम्भीरता से समस्त मतकार्मिक लें प्रशिक्षण: जिला निर्वाचन अधिकारी

बलिया। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर जिला निर्वाचन अधिकारी रवींद्र कुमार ने शनिवार की दोपहर टीडी कालेज में विधानसभावार बनाए गए फैसिलिटेशन सेंटर का निरीक्षण करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिया। उन्होंने विभिन्न प्रशिक्षण कक्षों का अवलोकन करते हुए सभी मतकार्मिकों को पूरे मनोयोग और गम्भीरता से प्रशिक्षण लेने का निर्देश दिया। बता दें कि यहां पर प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनरों द्वारा प्रत्येक पाली के दो सत्रों में मतकार्मिकों को प्रयोगात्मक और प्रक्रियात्मक प्रशिक्षण दिया जा रहा है। जिला निर्वाचन अधिकारी ने सबसे पहले निर्वाचन सामग्री बैग वितरण कक्ष में जाकर पोलिंग पर्सनल को दिए जाने वाले बैग वितरण के बारे में जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने विधानसभावार बनाए गए फैसिलिटेशन सेंटर में जाकर पोस्टल बैलेट और जारी ईडीसी के बारे में जानकारी ली। उन्होंने सावधानी बरतते हुए बैलट पेपर एवं मतदाता सूची का सही से मिलान, उनकी गिनती और रजिस्टर में एंट्री करने का निर्देश दिया। उन्होंने प्रशिक्षण कक्ष में जाकर ईडीसी के बारे में पोलिंग पर्सनल से सवाल जवाब किया। साथ ही सभी को पीठासीन अधिकारियों को दिए गए प्रशिक्षण सामग्री का गहन अध्ययन करने का निर्देश दिया। उन्होंने सभी को बेहतर टीमवर्क और अपने साथियों से डिस्कशन कर त्रुटि रहित मतदान सुनिश्चित करने हेतु निर्देशित किया। जिला निर्वाचन अधिकारी की उपस्थिति में सम्बन्धित अधिकारियों एवं टीमों के समक्ष मतदान कार्मिकों- पीठासीन अधिकारी, प्रथम, द्वितीय, तृतीय मतदान अधिकारियों को मास्टर ट्रेनरों द्वारा उनके कार्य, उत्तरदायित्व एवं जवाबदेही व ईडीसी के जारी करने से सम्बन्धित विभिन्न चरणों के कर्तव्यों का बोध कराया गया।

मुख्यमंत्री ने भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी नीरज शेखर के लिए मांगा वोट

बलिया अब विकास के लिए नहीं तरसता: योगी

- बोले- गरीबों का शोषण करना ही रामद्रोहियों का बन गया है धर्म
- तंज: हर बड़े माफिया को सपा की सरपरस्ती
- पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर ने बलिया की पहचान को दुनिया के सामने रखा: सीएम

केटी न्यूज/बलिया

इंडी गठबंधन का घोषणा पत्र देश के साथ गद्दारी करने वाला

सीएम ने कहा कि भाजपा व सहयोगी दल विकास और विरासत का सम्मान करते हैं। कांग्रेस व उनके सहयोगी दल तृणमूल, राजद व सपा जनभावनाओं से खिलवाड़ करती है। इनका घोषणा पत्र देश के साथ गद्दारी करने वाला है। यह लोग घोषणा पत्र के माध्यम से कहते हैं कि सत्ता में आएंगे तो मुसलमानों को आरक्षण देंगे यानी यह पिछड़ी, अनुसूचित जाति व जनजाति का आरक्षण काटकर देंगे। भाजपा धर्म के आधार पर आरक्षण नहीं होने देगी। यह कहते हैं कि सत्ता में आने पर पर्सनल लॉ लागू करेंगे यानी भारत के अंदर तालिबानी शासन लगाएंगे। इसका मतलब बेटी स्कूल नहीं जा पाएगी, महिलाएं घरों में कैद हो जाएंगी। हम भारत के अंदर सरिया कानून लागू नहीं होने देंगे।

बलिया ने कभी गुलामी स्वीकार नहीं की

सीएम ने कहा कि पाकिस्तान को पता है नया भारत छेड़ता नहीं, छेड़ने वाले को छेड़ता भी नहीं है। बलिया से ज्यादा यह भाषा कौन समझ सकता। बलिया ने कभी गुलामी स्वीकार ही नहीं की। देश 1947 में आजाद हुआ और बलिया ने खुद को 1942 में ही आजाद घोषित कर लिया था। विकास के भी अनेक कार्य हुआ। पूर्वांचल एक्सप्रेसवे का लिंक एक्सप्रेसवे बलिया तक जाएगा। इस कार्य तेजी से चल रहा है। फोरलेन कनेक्टिविटी, बाढ़ की समस्या का समाधान, बलिया में उत्पादित सब्जी दुनिया के बाजार में जा रही है। चंद्रशेखर जी ने गांव में जो हॉस्पिटल उन्हें बनवाया था, हमारी सरकार ने उसे प्रारंभिक रूप से चालू कर दिया है।

लिए कार्य भी तेजी से हो रहे हैं। भाजपा ने पूर्व प्रधानमंत्री चंद्रशेखर की विरासत को बढ़ाने के लिए नीरज शेखर को प्रत्याशी बनाकर उतारा है। विश्वास है कि भाजपा बलिया की सीट जीतकर 4 जून को 400 पार करेगी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बाबा लक्ष्मण दास इंटर कॉलेज मैदान बैरिया में जनसभा को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने राज्यसभा सांसद व बलिया से भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशी नीरज शेखर को जिताने की अपील की। सीएम योगी ने स्वतंत्रता समर के महानायक मंगल पांडेय और वीर चित्तू पांडेय को भी याद किया। पूर्व प्रधानमंत्री को नमन कर बोले कि चंद्रशेखर जी ने बलिया की पहचान को दुनिया के सामने रखा। सीएम योगी ने कहा कि पूरा चुनाव रामभक्तों व रामद्रोहियों के बीच सिमट गया है। रामद्रोही रामभक्तों पर गोली चलाते हैं। आर्तकियों-नक्सलियों के प्रति सहानुभूति रखते हैं। इन्हें भारत के विकास पर पीड़ा होती है। गरीब कल्याणकारी योजनाएं अच्छी नहीं लगती। गरीबों का शोषण करना ही इनका धर्म बन गया है। वहीं रामभक्तों की टीम 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' बनाने के लिए कार्य कर रही है। 500 वर्ष बाद अयोध्या में न सिर्फ रामलला विराजमान हुए, बल्कि जन्मोत्सव मनाया और होली भी खेली। आज अयोध्या त्रेतायुग की नजर आएगी। राममंदिर का निर्माण सपा-कांग्रेस नहीं कर सकती।

तब हर इंसान रोटी के लिए परेशान नजर आता है...

- 7वें चरण में प्रधानमंत्री के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी सहित कई जिलों में होंगे मतदान, तैयारी शुरू

अखिलानंद तिवारी/गाजीपुर

अब बारी है अंतिम एवं सातवें चरण के लोकसभा चुनाव की। प्रमुख दलों के शीर्ष नेता एवं उम्मीदवारों ने पूरी ताकत चुनाव मैदान में लगा दी है। अंतिम चरण के मतदान एवं चार दिन बाद होने वाली मतगणना की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है। दौर-ए -इलेक्शन में आपाधापी का माहौल है। छह चरणों का चुनाव संपन्न होने के बाद प्रत्याशियों की सांसें अटकी है। चुनावी मौसम में वादों के छक्के लगाए जा रहे हैं। हिन्दू-मुसलमान बताए जा रहे है। इस पर किसी कवि की रचना बिल्कुल सटीक बैठती है।

दौर-ए-इलेक्शन में कहां कोई इंसान नजर आता है।
कोई हिन्दू, कोई दलित तो कोई मुसलमान नजर आता है। बीत जाता है जब इलाकों से इलेक्शन का दौर, तब हर इंसान रोटी के लिए परेशान नजर आता है।

इस लोक सभा इलेक्शन की बात करें तो छठवें चरण का चुनाव शनिवार को प्रयागराज सहित कई जनपदों में संपन्न हो गया।अब सातवें एवं अंतिम चरण के चुनाव के तैयारी जोर-जोर से चल रही है। 7वें चरण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकसभा क्षेत्र वाराणसी सहित गाजीपुर, बलिया, मऊ आदि में चुनाव होंगे। इसके मद्देनजर शनिवार को जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गाजीपुर के आईटीआई मैदान में जनसभा को संबोधित किया, वहीं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वाराणसी एवं आजमगढ़ मंडल के कई जनपदों में ताबड़तोड़ जनसभाएं की। बलिया के मनियर एवं बैरिया क्षेत्र में भी मुख्यमंत्री ने जनसभा को संबोधित किया। चुनाव सभा एवं दौर-ए -इलेक्शन में कोई इंसान नजर नहीं आ रहा है। मंच विभिन्न जाति एवं संप्रदायों में बंटा नजर आता है। कोई भगवान राम की, तो कोई मुस्लिम आरक्षण की बात करता है। कोई दलित, यादव और मुसलमान की, तो कोई ब्राह्मण क्षत्रिय, राजभर एवं वैश्य की। कोई बिंद समाज का नेता है, तो कोई धोबी व मल्लाहों का। सबके मंच, झंडे और लिवास बंटे हुए हैं। बताते चलें कि शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा हो या मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की दोनों जनसभाओं में अलग-अलग झंडे, डंडे एवं लिवासों में लोग मंच से लेकर जमीन पर नजर आए। राजनीतिक पंडित बताते हैं कि चुनाव में सबकुछ जायज है। बड़े से बड़े वादे किए जाते हैं। लोगों को लुभाने एवं सपने दिखाने का काम होता है। सरकार अपने किए वादे पूरा करें या ना करें, लेकिन वोट लेने के लिए सबकुछ कहना पड़ता है। समाज को जाति, संप्रदाय एवं धर्म में बांटना पड़ता है। कवि आगे कहते हैं...

कुछ तो खासियत है, इस प्रजातंत्र में,
कुछ तो बात है, इस करामाती मंत्र में !
वोट देता हूँ फकीरों को,
कमबख्त शहंशाह बन जाते है,
और हम हर बार, वहीं के वहीं रह जाते हैं..!!

लोकसभा चुनाव -2024 के अंतिम चरण का चुनाव एक जून को समाप्त हो जाएगा। आने वाले चार जून को मतगणना होगी देर शाम तक सभी के रिजल्ट भी घोषित हो जाएंगे। सबके वादे एवं चुनावी एजेंडे को पूरा करने का समय आएगा। जनता उम्मीद लगाए बैठी रहेगी। जिसको अपना बहुमूल्य वोट दिया वह अब क्या करता है ? लेकिन समय गुजरता जाएगा और ज्यादातर नेता भूमिगत हो जाएंगे। जनता की उम्मीदें खंड-खंड हो जाएगी। अंततः कुछ वादे पूरे होंगे, कुछ ठंडे बस्ते में डाल दिए जाएंगे। कुछ के लिए बजट का रोना रोएंगे। फिर कुछ साल बाद चुनाव आएगा और जनता के सामने कुछ नए वादे किए जाएंगे। इसी प्रकार दौर-ए -इलेक्शन चलता रहेगा।

शरिया कानून से नहीं, बाबा साहेब के लिखे संविधान से चलेगा देश: सीएम योगी

केटी न्यूज/ चंदौली

जो पाकिस्तान का राग अलापते हैं, वे पाकिस्तान चले जाएं, भारत पर बोझ न बनें. देश किसी शरिया कानून से नहीं बल्कि बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर के बनाए हुए संविधान से चलेगा। यह बात लोकसभा चुनाव की जिले की पहली बड़ी सभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को चंदौली दौरे पर रहे। इस दौरान भाजपा प्रत्याशी डॉ महेंद्र नाथ पांडेय के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुए इंडिया गठबंधन पर जमकर गरजे। कहा कि तीन चरणों में देश में लहर चल रही थी वह अब मोदी की सुनामी बन चुकी है। लोगों के मन में एक ही नारा गूंज रहा, फिर एक बार मोदी सरकार, अबकी बार 400 पार का नारा सुनकर समाजवादी पार्टी के लोग चारों खाने चित हो गए हैं। सपा वाले जानते हैं कि लोकसभा चुनाव लड़ने का उनका कोई औचित्य नहीं है, सपा सिर्फ 60-62 सीट पर ही लड़ रही है, जबकि सरकार बनाने के लिए कम से 273 सीटें जरुरी हैं। उन्होंने कहा कि देश की जनता कह रही जो राम को लाए हैं, हम उनको लाएंगे. राम भक्त ही दिल्ली के सिंहासन पर राज करेगा। कहा कि सपा रामद्रोही है,राम भक्तों पर गोली चलाने वाले लोग हैं। जन्मभूमि व संकटमोचन मंदिर पर हमला करने वाले आर्तकियों के मुकदमे अखिलेश ने वापस लिए थे। रामलला को 500 वर्ष बाद विराजमान कर दे वही रामभक्त है.पीएम मोदी परम रामभक्त हैं। उनके नेतृत्व में 500 वर्षों का इंतजार समाप्त हुआ. अयोध्या में रामलला विराजमान हुए. पीएम मोदी के नेतृत्व में दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। उन्होंने कहा कि सपा व कांग्रेस के समय प्रदेश व देश की पहचान का संकट देश और दुनिया के सामने खड़ा हो गया था। पहले अखबार में सुबह पहला समाचार घोटाला और शाम तक आतंकी हमले की खबर आती थी। यह नया भारत है, अब कहीं पटाखे की आवाज भी आती है तो पाकिस्तान सफाई देता है कि इसमें मेरा हाथ नहीं है. यह नया भारत है, छेड़ेगा नहीं, लेकिन कोई छेड़ेगा तो छोड़ेगा नहीं। सीएम ने मंच से सरकार की विकास योजनाएं गिनाईं. कहा कि वंदे भारत, अमृत भारत, मेट्रो, रोपवे, एक्सप्रेस-वे भारत की पहचान बन गए हैं। चंदौली में मेडिकल कालेज बन गया। सरकार गरीबों के उत्थान के लिए काम कर रही है. उन्होंने शौचालय, किसान सम्मान निधि, राशन, उज्ज्वला, आवास समेत तमाम योजनाओं का बखान किया।

नुक्कड़ नाटक में तोहरा शासन के बाटे ना जवाब भाई जी..

एक वोट की कीमत नामक नुक्कड़ नाटक हुआ प्रस्तुत

केटी न्यूज/गाजीपुर

रेवतीपुर गांव के बीएसडी पब्लिक स्कूल के छात्र-छात्राओं ने बीते शाम नेहरू विद्यापीठ इंटर कालेज के ग्रीन पार्क स्टेडियम में मतदाता जागरूकता अभियान के तहत "एक वोट की कीमत" नामक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया।

इसके जरिए छात्र -छात्राओं ने लोगों से आगामी एक जून को खुद के साथ ही अन्य लोगों को भी मतदान में बढ़-चढ़ कर अपने मताधिकार का प्रयोग करने का आह्वान किया।

नुक्कड़ नाटक में मेरा रंग दे बसंती.., वो सुबह कभी तो आयेगी..., तोहरा शासन के बाटे ना जवाब भाई जी.. आदि गीतों के जरिए लोगों को जागरूक किया। छात्रों के द्वारा मतदाता जागरूकता के उद्देश्य के तहत प्रस्तुत किए गए नुक्कड़ नाटक ने सबको अपनी तरफ आकर्षित किया।

साथ ही छात्र- छात्राओं ने मतदान प्रतिशत बढ़ाने व शत-प्रतिशत मतदान के लिए शपथ भी लिया। इसके पूर्व छात्र- छात्राओं ने दो किलोमीटर लंबी पदयात्रा भी निकाली, जो विद्यालय से विभिन्न मार्गों से होकर स्टेडियम पहुंचा। वहाँ से फिर विद्यालय जाकर यह पदयात्रा समाप्त हुई।

इस दौरान बोलते हुए बीएसडी पब्लिक स्कूल के प्रबंधक बिपिन बिहारी राय ने कहा कि सभी को सही उम्मीदवार का चयन करने का अधिकार प्राप्त है। इसलिए अपने राजनीतिक अधिकार (मतदान का अधिकार) का सदुपयोग करते हुए मतदान करना अनिवार्य है। ग्राम प्रधान राजेश राय ने कहा कि देश का संविधान हम लोगों को मतदान करने का अधिकार देता है।

इसलिए हम सभी का फर्ज है कि हम राष्ट्र को बेहतर तरीके से संचालित करने के लिए मतदान करके अपना योगदान दें। कहा कि मतदान का प्रयोग सोच समझकर कर करना चाहिए और ऐसे प्रत्याशी का चयन करना चाहिए जो देश के विकास में योगदान दे। उन्होंने कहा कि मतदान कर हम बेहतर व मजबूत सरकार का निर्माण करते हुए समाज व देश के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं। एक स्वस्थ लोकतंत्र के लिए मतदाताओं का जागरूक होना और बढ़-चढ़कर मतदान करना बेहद आवश्यक है। नाटक का निर्देशन आनंद कुमार चौहान संकल्प संस्थान बलिया ने किया।इस अवसर पर प्रधानाचार्य पंकज कुमार राय, अंजय राय, राधेश्याम यादव, अनिल शर्मा, बबुआ राय ,धारा यादव शिवम पांडेय, प्रीतम तिवारी, राजेश राय निराला, निधि पांडेय, दिव्या राय, बीके राय आदि मौजूद रहे।

रेलवे अंडरपास की मांग को लेकर पुनः ग्रामीणों ने लिया चुनाव बहिष्कार का निर्णय

केटी न्यूज/मऊ

परदहां ब्लाक क्षेत्र के पिपरीडीह गांव, हासपुर, मड़ईयां, नई बस्ती फुलवरिया सहित विभिन्न गांवो के लोगो वाराणसी भटनी रेलखंड पर स्थित पिपरीडीह गांव के सामने रेलवे फाटक 6 सी पर रेलवे क्रासिंग या अंडरपास की मांग को लेकर ग्रामीणों का विगत दो माह से चल रहा अनवरत रूप से विरोध प्रदर्शन अब लोक सभा चुनाव नजदीक आते ही उग्र रूप लेता जा रहा है।

ग्रामीणों का कहना है कि रेलवे द्वारा विगत लगभग दो वर्ष पुर्व रेलवे फाटक बंद कर दिया गया है। जिससे खेती किसानी सहित आगनवाड़ी केंद्र, जच्चा बच्चा केंद्र, स्कूल जाने सहित अन्य कार्य नही हो पा रहे है। जिससे दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

अंडरपास या रेलवे फाटक की मांग को लेकर विगत कई महीनों से रेलवे सहित जिला प्रशासन के यहां कई बार गुहार लगाई जा सकी है। फिर भी कोई सुनवाई नही हो रही है।

इस लिए ग्रामीणों ने आपस में बैठक कर निर्णय लिया कि जब तक अंडरपास या फाटक की मांग पूरी नही हो जाती तब तक समस्त ग्रामीण लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करेंगे तथा वोट नही देने नहीं जायेंगे । ग्रामीणों ने घर घर जाकर लोगो से संपर्क करके लोगो को जागरूक किया कि जब तक अंडरपास नही मिलेगा तब तक वोट नहीं दिया जाएगा। इस अभियान में ग्राम प्रधान कमलेश यादव ,शेषनाथ सिंह ,महेंद्र सिंह, लालबहादुर यादव ,डा हीरा राम प्रजापति ,अमरनाथ सिंह ,प्रेम नाथ गोंड ,बृजेश सिंह ,आनंद सिंह ,अजय सिंह ,सत्येंद्र सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

खबरें फटाफट

मिर्जापुर में पीएम मोदी आज करेंगें जनसभा को संबोधित

मिर्जापुर। मिर्जापुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 26 मई को बरकछा में आयोजित जनसभा में जनपद के साथ ही सोनभद्र से आने वाले मतदाताओं को संबोधित करेंगे। कार्यक्रम स्थल का जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व शिव प्रताप शुक्ल ने अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण किया। सुरक्षा के लिए भारी संख्या में सुरक्षा बल को तैनात किया गया है। सुरक्षा व्यवस्था के लिए एसपीजी ने डेरा डाल दिया है। एसपीजी की टीम निरंतर चल रहे तैयारी के बीच निगरानी में लगी है। एसपी सिटी नितेश सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जनसभा के लिए सुरक्षा व्यवस्था में पांच एसपी, 9 एएसपी, 18 सीओ, 25 निरीक्षक, 230 उप निरीक्षक, 1000 हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल, 135 महिला कांस्टेबल, 18 यातायात उप निरीक्षक, 125 कांस्टेबल, एलआईयू के 5 एसआई, 45 पुरुष कांस्टेबल, 50 महिला कांस्टेबल, पांच कंपनी पीएसी तैनात रहेगी।

18 लाख की हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

मिर्जापुर। मिजार्पुर के थाना कोतवाली देहात व एसओजी सर्विलांस की संयुक्त पुलिस टीम ने करीब 18 लाख के हेरोइन के साथ मोटरसाइकिल सवार 2 शातिर तस्करों को गिरफ्तार किया। रेलवे ओवर ब्रिज शाहपुर चौसा मोड़ बरकछा कलां के पास से मोटरसाइकिल सवार 2 अभियुक्तों पिन्टू सोनकर पुत्र स्व. सीताराम निवासी बरकछा कलां तथा सुभाष कुमार पुत्र विशुन प्रसाद उर्फ नान्हक निवासी ग्राम मानधातापुर को पकड़ा। जिन्हें गिरफ्तार कर जेल भेजा गया। आरोपी पिन्टू सोनकर के पास से 80 ग्राम एवं सुभाष कुमार के पास से 75 ग्राम हेरोइन बरामद किया गया। इस प्रकार कुल 155 ग्राम अवैध हेरोइन बरामद किया गया। जनपद में शांति एवं कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए अवैध शराब एवं मादक पदार्थों की निर्माण तस्करी व बिक्री पर अंकुश लगाते हुए संलिप्त अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं बरामदगी के लिए अभियान चलाया जा रहा है।

ट्रैक्टर की चपेट में आने से युवक की मौत

सोनभद्र । सोनभद्र में ट्रैक्टर ट्राली की चपेट में आने से बाइक सवार युवक मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र घोरावल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने देखते ही मृत घोषित कर दिया।घटना घोरावल कोतवाली क्षेत्र के पुरना 12 नंबर गेट के समीप घटी। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। मृतक की पहचान मुक्खा निवासी विजय आदिवसी (22) के रूप में हुई है। पुलिस ने ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। चालक मौके से फरार हो गया। मौत की सूचना पर परिजनों मे कोहराम मच गया। विजय दो भाइयों मे छोटा था।

लोकसभा चुनाव: संवेदनशील बूथों पर पैरा मिलिट्री फोर्स लगाया था

शांतिपूर्ण हुआ मतदान, जौनपुर लोकसभा में 55.52 व मछलीशहर में 54.43 प्रतिशत वोटिंग

♦ दोनो ही लोकसभा क्षेत्रो में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बूथ के अंदर मोबाइल ले जाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी थी

केटी न्यूज/जौनपुर

25 मई को लोकतंत्र के पर्व पर जिले की दो लोकसभा सीटों 73 जौनपुर व 74 मछलीशहर में सुबह 7 बजे से ही सभी मतदान केंद्रों पर वोटरों का उत्साह देखने को मिला।ग्रामीण क्षेत्रो की महिलाओं ने सुबह से अपने कामकाज को जल्दी कर अपने मतदान के प्रति उत्साहित दिखीं। युवा व पहली बार मतदान करने वाले वोटरों में भी काफी उत्साह देखने को मिला।युवा वोटरों बोले उन्होंने लोकतंत्र को मजबूत करने, राष्ट्रहित में वोट किया है और सभी को मतदान करना चाहिए। वहीं निर्वाचन आयोग के दिशा निदेर्शों के अनुसार सभी बूथों पर पीने का पानी,लाइन में खड़े मतदाताओं के लिए छाया की ब्यवस्था व अत्यधिक गर्मी को देखते हुए कहीं कहीं कूलर की भी ब्यवस्था की गई थी साथ ही पोलिंग बूथों पर ओआरएस घोल की ब्यवस्था रही।

दोनो ही लोकसभा क्षेत्रो में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। बूथ के अंदर मोबाइल ले जाने पर पूर्ण रूप से पाबंदी थी। सौ मीटर के दायरे के बाहर ही वाहनों को खड़ा करने का आदेश था।संवेदनशील बूथों पर पैरा मिलिट्री फोर्स लगाया था।समय समय पर ब्यवस्था परखने के लिए सेक्टर मजिस्ट्रेटों की ड्यूटी लगाई थी।

जौनपुर से भाजपा प्रत्यासी कृपा शंकर सिंह ने अपनी पत्नी के साथ सुबह शीतला चौकियां माता का दर्शन किया। उसके बाद सुबह लगभग 8 बजे अपने गांव सहोदर पुर पहुंचकर मतदान किया।उन्होंने भाजपा के पक्ष में ज्यादा से ज्यादा मतदान करने के लिए अपील की।और अपने जीत का दावा किया। वही उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री गिरीश यादव ने अपने परिवार के साथ अपने गांव में मतदान किया।बसपा प्रत्यासी श्याम सिंह यादव मीडिया से बचते हुए सुबह लगभग 11 बजे अचानक मियां पुर स्थित कंपोजिट विद्यालय पहुंचे,जहां उन्होंने अपने मत का प्रयोग किया।

बदलापुर तहसील क्षेत्र के महराजगंज थाना अंतर्गत बरहुपुर मे कंपोजिट विद्यालय में बने बूथ नम्बर 278 व उदयभानपूर मे स्थित कंपोजिट विद्यालय में बने बूथ नम्बर 313 पर माक पोल के बाद ईवीएम के कंट्रोल यूनिट मे खराबी दिखाई दिया। जिसकी सूचना मतदान कर्मियों ने कंट्रोल रूम को दिया। तत्काल ईवीएम के कंट्रोल यूनिट को बदल कर मतदान को शुरू करवाया गया। जिससे लगभग 1 घंटे मतदान देरी से शुरू हुआ।

73 जौनपुर लोकसभा में सुबह नौ बजे तक 13.12%, 11 बजे तक 26.84%,दोपहर एक बजे तक 37.41%,तीन बजे तक 43.63% तथा शाम तक 55.52% प्रतिशत मतदान हुआ।

मछली शहर सुरक्षित लोकसभा क्षेत्र के बनपुरवा गांव में ग्रामीणों ने मतदान का बहिष्कार किया।अभी तक इस बूथ पर सुबह सिर्फ एक मतदान हुआ है। ग्रामीणों ने का कहना है कि पिछले कई सालों से गांव में विकास के नाम पर कोई कार्य नहीं हुआ है। वर्तमान बीजेपी सांसद बीपी सरोज से कई बार गांव के विकास के लिए कहा गया है लेकिन कोई सुनवाई नही हुई। इसलिए आज मतदान का बहिष्कार किया गया है। मौके पर एसडीएम मड़ियाहूं कुणाल गौरव के साथ तहसीलदार ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया लेकिन ग्रामीण मनाने को तैयार नही हुए। सूचना के बाद सीडीओ साईं सीलम तेजा भी गांव में पहुंच गए।काफी प्रयासों के बाद ग्रामीण वोट डालने को तैयार हुए।सीडीओ ने बताया कि समझाने के बाद सभी ग्रामीणों ने वोटिंग किया।

वहीं मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र में मतदान करवाने को लेकर भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज जायसवाल और कार्यकर्ता रूपेश जायसवाल आपस में भिड़ गए। भाजपा कार्यकताओं ने बीच-बचाव कर मामला शांत कराया। भाजपा द्वारा हनुमान मंदिर पर बस्ता लगाया गया था जहां यह घटना हुई।मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

74 मछलीशहर लोकसभा क्षेत्र में सुबह नौ बजे तक 13.12%, 11 बजे तक 27.18,दोपहर एक बजे तक 37.36%,तीन बजे तक 43.84% तथा शाम तक 54.43% प्रतिशत मतदान हुआ है। समाजवादी पार्टी ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर कई स्थानों पर पीठासीन अधिकारियों द्वारा जबरन फर्जी वोट डलवाने की शिकायत जिले के प्रशासनिक अधिकारियों व इलेक्शन कमीशन से किया है।वही सपा ने ट्वीट कर शाहगंज के विधायक व जिलाध्यक्ष पर फर्जी वोटिंग कराने का आरोप लगाया है।समाजवादी पार्टी के सभी आरोपो का जिला प्रशासन ने खंडन किया है और अभी सूचनाओ को असत्य बताया है। जिला प्रशासन का कहना है । पूरे जनपद में शांतिपूर्ण मतदान कराया जा रहा है।

छठे चरण का मतदान खत्म लालगंज में 54 .39 फिसदी तो आजमगढ़ में 56 .09 फिसदी हुआ मतदान

केटी न्यूज/आजमगढ़

आजमगढ़ और लालगंज लोकसभा सीट पर सुबह 7 बजे से शुरू हो गया था। शाम 6 बजे तक वोट डाले गये। 6.00 बजे जब मतदान समाप्त हुआ तो वोटिंग प्रतिशत लोकसभा क्षेत्र 69- आजमगढ़ में 56.09 प्रतिशत और लोकसभा क्षेत्र 68- लालगंज में 54.39 प्रतिशत वोटिंग हुई। आजमगढ़ सीट पर भाजपा से दिनेश लाल यादव निरहुआ, सपा से धर्मेंद्र यादव और बसपा से मशहूद अहमद प्रत्याशी हैं। राजनीतिक विशेषज्ञ के अनुसार, यहां पर भाजपा और सपा में कड़ी टक्कर देखने को मिल सकती है। वहीं, लालगंज सीट पर भाजपा से नीलम सोनकर, सपा से दरोगा सरोज और बसपा से इंदु चौधरी मैदान में हैं। इस बार दोनों सीटों पर 3,0994 नए मतदाता हैं। वहीं, कुल मतदाता 37 लाख 7 हजार 47 हैं। उनकी संख्या 34 हजार 785 है। आजमगढ़ में 3801 बूथ और लालगंज में 1886 बूथ बनाए गए हैं। आजमगढ़ में गौरा गांव के बूथ संख्या-102 पर व्यवस्था बिगड़ने पर पुलिस ने लाठी चार्ज किया। इसमेंबीजेपी कार्यकर्ता राजेश सिंह और भूपेंद्र सिंह राणा का हाथ टूट गया। बीजेपी अखिलेश कुमार मिश्रा उर्फ गुड्डू का कहना है कि इस मामले की शिकायत डीएम से होगी। साथ ही बीएलओ पर भी कार्रवाई की जाएगी।

दो जगह ईवीएम हुआ खराब

आजमगढ़ के निजामाबाद क्षेत्र में आज सुबह सात बजे से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में मतदान शुरू किया गया है। तभी दो जगहों पर ईवीएम में खराबी होने के कारण मतदान आधा घंटा विलंब से चालू किया गया है। रोंवा और असीलपुर बूथ पर ईवीएम में कुछ खराबी होने के कारण साढ़े सात बजे से वोटिंग शुरू हुई है।

कितना फीसदी हुआ मतदान

इलाहाबाद सीट पर 51.75 फीसदी, अंबेडकर नगर सीट पर 61.54 फीसदी, आजमगढ़ सीट पर 56.09 फीसदी , बस्ती लोकसभा सीट पर 56.66 फीसदी, भदोही लोकसभा सीट पर 53.03 फीसदी, जौनपुर सीट पर 55.52 फीसदी, प्रतापगढ़ सीट पर 51.60 फीसदी, सुल्तानपुर लोकसभा सीट पर 55.61 फीसदी, फुलपुर सीट पर 48.94 प्रतिशत हुई मतदान

मछलीशहर लोकसभा से बसपा प्रत्यासी कृपा शंकर सरोज ने अपनी पत्नी के साथ अपने गांव सोनैथा के प्राथमिक विद्यालय में किया मतदान।

जफराबाद के पूर्व विधयक हरेंद्र प्रसाद सिंह ने किया मतदान।

पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने अपनी पत्नी श्री कलां सिंह के साथ किया मतदान

एक नजर

सुखपुरा थानाध्यक्ष के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने का आदेश

बलिया। सिविल लाइन स्थित अपर सत्र एवं विशेष न्यायालय ईसी एक्ट महेश चंद्र वर्मा की अदालत ने शनिवार को अनुशासनहीनता के मामले में थानाध्यक्ष सुखपुरा के खिलाफ विभागीय कार्रवाई करने का आदेश दिया है। ये आदेश विद्युत एक्ट से संबंधित उत्तर प्रदेश राज्य बनाम सुरेंद्र शर्मा पत्रावली में अभियुक्त के विरुद्ध 15 मार्च और 2 मई को गैर जमानती वारंट जारी करने के बाद भी तमिला न कराने या अदम तामिला में न्यायालय को वापस नहीं करने पर किया गया है। सुखपुरा थाने के पैरोकार कांस्टेबल पंकज यादव ने बताया कि उक्त दोनों वारंट थाने पर दाखिल कराए गए हैं। इसके बाद भी तामिला या अदम तामिला में उसे वापस नहीं किया गया। जो थानाध्यक्ष की घोर लापरवाही और अनुशासनहीनता मानी गई है। न्यायालय ने पुलिस अधीक्षक को आदेशित किया कि थानाध्यक्ष सुखपुरा के उक्त कृत्य के लिए उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई करके रिपोर्ट एक माह के अंदर उपलब्ध कराएं। पुलिस अधीक्षक को यह भी आदेशित किया है कि अभियुक्त सुरेंद्र शर्मा के खिलाफ पुनः जारी वारंट का तामिला कराएं। अगली सुनवाई 25 जून को है।

आल इंडिया यूनिवर्सिटी पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में गाजीपुर की छात्रा ने किया नाम रोशन

गाजीपुर। तमिलनाडु फिजिकल एजुकेशन एंड स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी चेन्नई तमिलनाडु में चल रहे आल इंडिया यूनिवर्सिटी पावर लिफ्टिंग चैंपियनशिप में जिले की छात्रा ने रजत पदक अपने नाम कर जनपद, विश्वविद्यालय तथा प्रदेश को गौरवान्वित किया है। बताते चलें कि 20 से 25 मई 2024 तक आयोजित कार्यक्रम में स्वामी सहजानंद स्नातकोत्तर महाविद्यालय गाजीपुर की बीए चतुर्थ सेमेस्टर की छात्रा जसविंदर कौर ने 69 किग्रा भार वर्ग में कुल 545 किग्रा वजन उठाकर रजत पदक प्राप्त किया। उल्लेखनीय है कि जसविंदर कौर ने भारतीय पवार लिफ्टिंग टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए देश के लिए कांस्य पदक प्राप्त किया था?। पूर्वांचल विश्वविद्यालय की तेरह सदस्यीय टीम में कुल छह महिला और 7 पुरुष वर्ग के खिलाड़ी इस प्रतियोगिता में प्रतिभाग कर रहे हैं। टीम मैनेजर डा. विजय कुमार राय ने सूचना भेजी है कि अभी और खिलाड़ी पदक प्राप्त करने हेतु उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। जसविंदर की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के समस्त प्राध्यापक- कर्मचारियों सहित सचिवे कुणाल शर्मा तथा प्राचार्य प्रो. वीके राय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए पूरी टीम को बधाई दी है। टीम के वापस आने पर महाविद्यालय द्वारा टीम के खिलाड़ियों व टीम कोच संजय राय को सम्मानित किया जाएगा।

चोरी के बिजली केबिल संग तीन गिरफ्तार

गाजीपुर। नंदगंज थाने की पुलिस ने एक बंडल बिजली के केबल व तार के साथ तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत रात्रि गश्त के दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने क्षेत्र के ग्राम सचिवालये से 22/23 मई की रात्रि में चोरी गए बिजली के केबल बरामद करते हुए तीन लोगों को हिरासत में ले लिया। गिरफ्तार अभियुक्तों में प्रदीप चौहान पुत्र स्व0 प्यारे लाल चौहान, अजीत चौहन उर्फ आशुतोष पुत्र इन्द्रजीत चौहान तथा नीरज यादव पुत्र शेषनाथ यादव निवासी गण ग्राम बड़हरा थाना नंदगंज जनपद गाजीपुर शामिल हैं। बताते चलें कि विद्युत केबल चोरी के संबंध में कमलेश पासवान पुत्र स्व. शिवबचन पासवान ग्राम बड़हरा, पोस्ट तुरना, थाना नंदगंज गाजीपुर ने प्राथमिकी दर्ज कराई थी। ग्राम पंचायत सचिवलाय में बिजली व्यवस्था के लिए लगाया गया केबिल 22/23 मई की रात्रि में ग्राम पंचायत सचिवलाय से चोरी हुआ है। बरामदगी के आधार पर गिरफ्तार अभियुक्तों के विरूद्ध विधिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायालय में पेश किया गया। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उपनिरीक्षक लालता प्रसाद यादव, आरक्षी विपिन नायक तथा अखिलेश कुमार सिंह शामिल रहे।

आज सैदपुर में जनसभा को संबोधित करेंगे सीएम

गाजीपुर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार दोपहर 12:00 भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी पारस नाथ राय के समर्थन में टाउन नेशनल इंटर कॉलेज सैदपुर में एक विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री के साथ आजमगढ़ के सांसद गाजीपुर के लाल दिनेश लाल यादव निरहुआ भी उपस्थित रहेंगे।

...अरे शर्म कर लो चुनाव आयोग शर्म : अखिलेश यादव

♦ समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश ने यूपी पुलिस पर लगाया है आरोप

केटी न्यूज/वाराणसी

25 मई को देशभर में लोकसभा चुनाव 2024 के लिए छठे चरण की वोटिंग की जा रही है।छठे चरण में 8 राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों की 58 सीटों के लिए मतदान किया जा रहा है।वोटिंग शाम 6 बजे तक चलेगी। इस बीच अब बयानबाजी भी तेज हो चुकी है। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने यूपी पुलिस पर आरोप लगाया है।इसके साथ ही उन्होंने चुनाव आयोग पर भी तंज कसा।उन्होंने एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो अंबेडकर नगर लोकसभा सीट के प्रत्याशी लालजी वर्मा की बताई जा रही है। सोशल मीडिया साइट एक्स पर अखिलेश यादव ने एक वीडियो पोस्ट की। वीडियो पोस्ट करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े किए हैं।अखिलेश यादव ने इस बाबत सोशल मीडिया साइट पर लिखा, सूचना है कि अंबेडकर से सपा प्रत्याशी लाल जी वर्मा के घर योगी सरकार के इशारे पर पुलिस ने दल बल के साथ पहुंचकर प्रत्याशी को नजरबंद किया है और मतदान करने से दलितों पिछड़ों अल्पसंख्यकों को रोका जा रहा है। अंबेडकर नगर सीट पर भाजपा ने रितेश पांडे को अपना उम्मीदवार बनाया है। वहीं समाजवादी पार्टी ने लालजी वर्मा को उम्मीदवार बनाया है। वहीं कमर हयात पर बसपा ने भरोसा दिखाया है। इस सीट पर कुल 8 प्रत्याशी अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। अखिलेश यादव ने आगे लिखा, कि चुनाव आयोग बताए ये किस नियम के तहत पुलिस कर रही है और क्या यही आपकी निष्पक्षता है? अरे शर्म कर लो चुनाव आयोग शर्म, बेशर्मी से कब तक भाजपा की बीन पर नाचोगे? इस वीडियो में लालजी वर्मा के घर काफी संख्या में पुलिस बल को देखा जा सकता है। इस दौरान लालजी वर्मा और पुलिस बल के बीच बहस होती भी दिख रही है।

आजमगढ़ के निजामाबाद क्षेत्र के सुराई ग्राम सभा के दो छात्र एक सरायमीर खरेवां मोड

एमबीबीएस करने किर्गिस्तान गए तीन छात्र फंसे, 29 मई को वापस होंगे

♦ वाट्सएप कॉल पर सुराई निवासी आतिफ ने बताया कि 13 मई से यहां के खराब है हालात

♦ पहले तो सिर्फ पाकिस्तानी छात्रों पर हमला हो रहा था हमला अब हर विदेशी छात्रों पर

केटी न्यूज/वाराणसी

आजमगढ़ के निजामाबाद क्षेत्र के सुराई ग्राम सभा के दो छात्र एशिया महाद्वीप के देश किर्गिस्तान में फंसे हुए हैं। जहां पर हिंसा फैली हुई है। वहां के स्थानीय लोग बाहरी लोगों पर हमला कर रहे हैं। हिंसा फैलने की जानकारी होते ही सुराई गांव में छात्रों के परिजनों की चिंता बढ़ गई है। परिवार वाले अपने बच्चों के सलामती की दुआ करने के साथ ही जल्द से जल्द घर वापसी का इंतजार कर रहे हैं।

किर्गिस्तान में फंसे भारत देश के तीन छात्र

बच्चों के परिवार के लोगों ने बताया है कि निजामाबाद थाना क्षेत्र के सुराई गांव के दो छात्र चकिया हुसैनाबाद का और एक सरायमीर खरेवां मोड़ का हैं। जो किर्गिस्तान में एमबीबीएस की पढ़ाई करने गए थे। किर्गिस्तान में हिंसा होने के कारण तीनों छात्रों के वापसी का टिकट हो गया है।

29 मई को वापस किर्गिस्तान से लौटेंगे घर

परिजनों के अनुसार निजामाबाद के सुराई निवासी मो. आतिफ, अबु होरैरा व चकिया हुसैनाबाद निवासी युसूफ के वापसी का टिकट हो गया है। जो 29 मई को तीनों छात्र वापस घर लौट रहे हैं। वाट्सएप कॉल पर सुराई निवासी आतिफ ने बताया कि 13 मई से यहां के हालात खराब है। पहले तो सिर्फ पाकिस्तानी छात्रों पर हमला हो रहा था लेकिन अब हर विदेशी छात्रों पर भी हमला किया जा रहा है। साथ ही सभी को हास्टल में रखा गया है। बाहर एकदम नहीं निकलने दिया जा रहा है। बता दे कि आगामी 29 मई को छात्रों की घर वापसी की फ्लाइट है। परिवार के लोग बच्चों के सकुशल आने का इंतजार कर रहे हैं।

सुभाषितम्

कुल की प्रतिष्ठा भी विनम्रता और सदव्यवहार से होती है, हेकड़ी और रुआब दिखाने से नहीं। - प्रेमचंद

कितना जरुरी है जलवायु संकट का निदान

मानव जीवन के लिए जिस प्रकार से पंच तत्वों का उचित संयोजन आवश्यक होता है, ठीक उसी प्रकार से पृथ्वी के अस्तित्व के लिए तीन प्रमुख कारकों के संयोजन की महति आवश्यकता होती है। हमारे पृथ्वी ग्रह पर जीवन तीन कारकों के संयोजन से ही अस्तित्व में है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है सूर्य से हमारी पृथ्वी की निश्चित दूरी, इसके बाद हमारे वायुमंडल की रासायनिक संरचना और अंत में जल चक्र की सुनिश्चित उपस्थिति आती है। इन तीन कारकों में से किसी भी एक कारक के न रहने या अधिकाधिक होने पर पृथ्वी पर मौजूद जीवन खतरे में पड़ सकता है। दरअसल ये तीनों कारक मिलकर हमारे ग्रह में एक ऐसी जलवायु के होने को सुनिश्चित करते हैं जो जीवन को बनाए रखने में सहायक सिद्ध होते हैं। इसके लिए वैज्ञानिक व शोध कताओं की मानें तो हमारी पृथ्वी पर ऐसी जलवायु होनी चाहिए जो प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव के कारण जीवन को बनाए रखने में उपयुक्त साबित हो ।सामान्यतः देखा जाता है कि जब सूर्य की किरणें पृथ्वी की सतह पर आती हैं, तो उनका अवशोषण महज आंशिक होता है, जबकि अधिकांश किरणें तो बाहर की ओर ही परावर्तित हो जाती हैं। ऐसे में यदि वायुमंडल उपस्थित न हो तो वो अंतरिक्ष में बिखर जाएंगी। ये किरणें बिखरने की बजाय, वायुमंडल में मौजूद गैसों में फंस कर वापस पृथ्वी की ओर आती हैं। इनके प्रभाव के कारण ही इन्हें ग्रीनहाउस गैसें कहा गया है। यह एकत्रित ऊष्मा सीधे सूर्य की किरणों से अवशोषित ऊष्मा में मिलती हैं। यहां यह बतलाना आवश्यक हो जाता है कि प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव के बिना, ग्रह पर औसत तापमान जो वर्तमान में करीब 15त्सें के वर्तमान औसत के बजाय -18त्सें के आसपास हो जाएगा। यह किसी के भी जीवन को नष्ट करने के लिए काफी होगा। इसलिए लंबे समय से विश्व के लिए जलवायु परिवर्तन संकट चिंता का विषय बना हुआ है। सवाल यह है कि आखिर जलवायु परिवर्तन पृथ्वी में मानव जीवन के लिए चिंता का विषय क्यों बना हुआ है? ऐसा क्या कारण है जो हमारे जीवन के जोखिमों को बढ़ाने का काम कर रहा है और इसके निदान के लिए हमें प्रतिबद्ध करता है? यहां विचारणीय यह भी है कि जलवायु परिवर्तन कोई आज की घटना तो है नहीं, बल्कि पृथ्वी के अस्तित्व के इतिहास के साथ ही जलवायु परिवर्तन मौजूद नजर आता है। फिर आज इसे लेकर चिंता क्यों जताई जा रही है? असल में पिछले डेढ़ सौ साल में ग्लोबल वार्मिंग ने अपनी उपस्थिति जिस स्तर पर दर्ज कराई है, वह असामान्य घटना है। इसके लिए प्रकृति दोषी नहीं है, बल्कि यह तो मानव गतिविधियों का परिणाम है, जिसे लेकर दुनियां में हाय-तौबा की स्थिति निर्मित हुई है। विशेषज्ञों ने इसे ही मानवजनित ग्रीनहाउस प्रभाव करार दिया है, जो कि प्राकृतिक ग्रीनहाउस प्रभाव के अतिरिक्त है। इसके लिए औद्योगिक क्रांति को प्रमुख कारण माना जा सकता है, जिस कारण वायुमंडल में लाखों मीट्रिक टन कार्बन डाइऑक्साइड और अन्य ग्रीनहाउस गैसों को छोड़ा जा रहा है। एक शोध के अनुसार मानव जनित ग्रीनहाउस गैसों के कारण वायुमंडल में मौजूद सीओ2 की मात्रा पिछले 700 हजार वर्षों के न्यूनतम स्तर (410-415 भाग प्रति) की तुलना में दोगुनी हो गई है। एक तरफ औद्योगिक क्रांति तो दूसरी तरफ आधुनिक मानव जीवन शैली में उपयोग किए जाने वाले संसाधनों ने भी इसमें इजाफा ही किया है। इसके अलावा जीवाश्म ईंधन जलाने और वर्षावनों को बहुतायत में नष्ट किए जाने जैसी मानवीय भूलों से जलवायु और पृथ्वी के तापमान पर प्रभाव बुरी तरह पड़ा है। इससे ग्रीनहाउस प्रभाव और ग्लोबल वार्मिंग बढ़ रही है। इसमें बढ़ोत्तरी करने के लिए कोयला, तेल और गैस की खपत को प्रमुख माना गया है, दरअसल ये ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन का प्रतिनिधित्व करने वाले कारकों में शामिल हैं। इसलिए बराबर सलाह दी जाती रही है कि वर्षा वनों की कटाई को रोका जाए और उनके क्षेत्रफल को बढ़ाया जाए।

चिंतन-मनन

सादगी और निष्ठा

मोतीहारी में गांधीजी कार्यकताओं को निर्देश दे रहे थे- आज अवंतिका आने वाली होगी, उसे स्टेशन से लिवा लाना और कमरे में ठहरा देना। एक ने कहा- बापू उसे इन साधारण कमरों में चटाई पर सोना क्यों पसंद होगा? वह तो पहले दरजे में सफर की आदी है। बापू ने कहा-वह जनसेवक के तौर पर आ रही है। जनसेवक के अनुरूप अगर तीसरे दरजे में आई तो उसे यहीं रखूंगा, वरना वापस भेज दूंगा। पर बापू .... दूसरे ने संकोच में कहा-उनके पास पैसा है, वह भी उन्हीं का कमाया हुआ। उसे खर्च करने में क्या बुराई है? खर्च का मतलब अपव्यय तो नहीं। स्वयं सेवक गांधीजी के सबसे छोटे पुत्र देवदास गांधी के साथ आवंतिका बाई को लेने स्टेशन गए। देवदास ही अकेले उन्हें पहचानते थे। देवदास ने उम्मीद के मुताबिक उन्हें दूसरे दरजे के डिब्बों में खोजा, लेकिन कहीं पता न चला। तब वे निराश होकर वापस आ गए और खबर दी कि अवंतिका बाई इस गाड़ी से नहीं आईं। यह सुनकर सब लोग हंसने लगे। दरअसल अवंतिका अपने पति के साथ पहले ही एक साधारण कमरे में ठहर चुकी थीं। यात्रा उन्होंने तीसरे दर्जे में की थी और बापू की कसौटी पर खुद को खरा साबित किया। शाम को गांधीजी उन्हें समझाने लगे- किस तरह बड़हखा गांव जाकर काम शुरू करना करना है। इस पर कस्तूरबा ने कहा- ये आज ही आए हैं और कल दीवाली है। दीवाली मनाकर जाएं। नहीं ऐसा नहीं होगा, इन्हें कल सुबह ही निकलना होगा। गांधीजी का स्वर तेज था। एक दिन में क्या हो जाएगा? जनसेवक को निठल्ले नहीं बैठना है। तभी अवंतिका बोलीं- बापू, आप मुझे यह बताएं कि बड़हखा के कायाकल्प के लिए मुझे क्या करना है। गांव की समस्याओं का तो वहीं जाकर अध्ययन करना होगा और गांव वालों का विश्वास जीतना होगा। और विश्वास जीतने के लिए क्या करना होगा? सादगी और निष्ठा का पालन ही तुम्हें विश्वस्त बनाएगा। जनसेवक की यही संपत्ति है। यह सुनकर आवंतिका बाई तैयारी में जुट गईं।

कांग्रेस एवं तृणमूल के हिन्दू विरोध की उग्रता

- ललित गर्ग

लोकसभा चुनाव के दो चरण शेष रहे हैं, चुनाव प्रचार चरम पर है। सभी राजनीतिक दल अपनी बढ़त बनाने के लिये कुछ अतिश्योक्तिपूर्ण करने का प्रयास करते हुए राष्ट्र की एकता-अखण्डता एवं बहुसंख्यक हिन्दू धर्म विरोधी स्वरों को बुलंद किये हुए है और अपनी मयार्दाओं को भूल रहे हैं। विशेषतः इंडिया गठबंधन से जुड़े दल एवं बाहर से समर्थन देने की बात करने वाले दल ऐसा दूषित प्रचार कर रहे हैं, जिससे न केवल लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन हो रहा है बल्कि ऐसे दलों को राजनीतिक लाभ की बजाय नुकसान होने की संभावनाएं प्रबल हो रही है। इन चुनावों में कांग्रेस, तृणमूल कांग्रेस एवं इंडिया गठबंधन के अन्य दल हिन्दुओं से, हिन्दू मन्दिरों-भगवानों-संतों एवं हिन्दू पर्वों से नफरत का बिगुल हर मोड़ पर बजाते रहे हैं जो हर रोज सामने आ रहा है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने अपनी राजनीतिक जमीन बचाने के लिए और अपने वोट बैंक को खुश करने के लिए हिन्दू संतों को राजनीति में घसीटने की कोशिश की है। उन्होंने रामकृष्ण मठ, रामकृष्ण मिशन और भारत सेवाश्रम संघ से जुड़े संतों पर निशाना साधते हुए कहा है कि ये लोग भाजपा के लिए काम कर रहे हैं। मुस्लिम तुष्टीकरण के लिये ओबीसी आरक्षण पर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्णय पर कानून की धज्जियां उडाते हुए उंगली उठाई है। इस प्रकार कानून की अवमानना वह नेता ही खड़ी कर सकता है, जिसे एक खास वर्ग के वोट चाहिए। संतों को लेकर राजनीतिक टिप्पणी करना, निःसंदेह आपत्तिजनक है एवं दुर्भाग्यपूर्ण है। कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस हिन्दुओं को अपने ही देश में सेकेंड क्लास सिटिजन एवं अल्पसंख्यक बनाना चाहती है। मुस्लिम तुष्टीकरण की इन दलों की सोच एवं नीति न केवल उनके घोषणा-पत्रों में बल्कि उनके बयानों में स्पष्ट झलक रही है। सभी विपक्षी दलों ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति की है, राजनीतिक दलों का एकतरफा रवैया हमेशा से समाज को दो वर्गों में बांटता रहा है एवं सामाजिक असंतुलन तथा रोष का कारण रहा है। बदले हुए राजनीतिक हालात इस बात का प्रत्यक्ष प्रमाण है कि किसी भी एक वर्ग की अनदेखी कर कोई भी दल राजसत्ता का आनंद नहीं उठा सकता। लेकिन लगातार जीत की ओर बढ़ रहे भाजपा को हराने के लिये इन दलों को मुस्लिम वोटों का ही सहारा नजर आ रहा है, जिसके चलते ये हिन्दू विरोध को प्रचंड किये हुए। ममता बनर्जी ने अपने शासन में मुस्लिमों को खुश करने एवं उनके वोटों को अपने पक्ष में करने के लिये हिन्दू विरोध का कोई मौका नहीं छोड़ा है। ममता ने रामकृष्ण मठ, मिशन और भारत सेवाश्रम संघ पर झूठा एवं भ्रामक आरोप लगाया है कि ये हिन्दू संगठन भाजपा के पक्ष में काम कर रहे हैं, जबकि इन संगठनों की ओर से एक बार भी भाजपा के पक्ष में मतदान करने का आह्वान नहीं किया गया है। दूसरी तरफ पश्चिम बंगाल में इस्लामिक संगठनों एवं चर्चों के द्वारा भाजपा के विरोध में किसी एक विशेष दल के पक्ष में मतदान करने के प्रकरण बार-बार सामने आये हैं। चुनावों को धार्मिक एवं साम्प्रदायिक रंग देने की इन विडम्बनापूर्ण स्थितियों पर आज तक ममता बनर्जी ने एक भी बयान नहीं दिया है। इसलिए भी कहा जा सकता हैं कि बिना किसी प्रमाण हिन्दू संतों पर निशाना साधने का अभिप्राय यही है कि ममता बनर्जी की निगाहें कहीं और है निशाना कहीं और है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के द्वारा ममता बनर्जी पर संतों को धमकाने का आरोप निराधार नहीं है। क्योंकि एक संत कार्तिक महाराज ने मुख्यमंत्री ममता को कानूनी नोटिस भेज कर कहा है कि ममता बनर्जी के बयान निराधार, झूठे और अपमानजनक है। पश्चिम बंगाल ही नहीं, अन्य गैर-भाजपा सरकारों के प्रांतों में हिन्दुओं को प्रताड़ित करने के घटनाक्रम सामने आते रहे हैं। पश्चिम बंगाल में तो हिन्दुओं के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकताओं का उग्र और हिंसक प्रदर्शन होता रहा हैं। पिछले कुछ सालों से हमेशा यह देखा गया है कि तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ता सत्ता पाकर भाजपा समर्थकों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करते हैं। वर्ष 2021 में भी तृणमूल कांग्रेस के जीतने के बाद राज्य में बवाल हुआ था और पंचायत चुनाव जीतने के बाद भी उसके कार्यकताओं ने हिंसक उत्पात मचाया था। उस समय भाजपा कार्यकताओं के घरों को खोज-खोजकर हमले हुए थे। ऐसे स्थिति में और ऐसे कार्यकताओं के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का हिन्दू संगठनों एवं धर्मगुरुओं के भाजपा के पक्ष में होने का बयान संतों के लिए जान तक का खतरा पैदा कर सकता है। ऐसा हुआ भी है, ममता बनर्जी के बयान के बाद कुछ हमलावर जलपाईगुड़ी स्थित रामकृष्ण मिशन के आश्रम में घुस गए। उन्होंने भिक्षुओं पर हमला किया, सीसीटीवी आदि तोड़े दिए। याद हो कि पश्चिम बंगाल की राजनीति में पहली बार संतों पर दोष लगाकर उनके खिलाफ माहौल बनाने का काम नहीं हुआ। मुस्लिम वोटों को आकर्षित करने के लिये इंडिया गठबंधन के दल विशेषतः कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस अल्पसंख्यकों को भी सपोर्ट नहीं कर पा रहे हैं। अल्पसंख्यकों में सिख, पारसी, यहूदी, जैनी, बौद्ध आदि धर्म आते हैं, लेकिन कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस सिर्फ और सिर्फ मुस्लिम परस्ती करते आई है। ओबीसी आरक्षण पर पश्चिम बंगाल की ममता सरकार ने जिस तरह से कलकत्ता हाईकोर्ट के निर्णय पर उंगली उठाई है, उससे तो यही लगता है कि राजनीतिक वोट बैंक के लिए संविधान की जितनी अवमानना की जा सकती है, वह की जाती रहेगी। सामनेवाले को घेरने के लिए उसी संविधान की आड़ भी ली जाएगी। ममता ने मुस्लिमों को ओबीसी सर्टिफिकेट देकर उन्हें तरह-तरह से लाभ पहुंचाने का षड़यंत्र किया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी चुनावी रैलियों में इंडी गठबंधन के सत्ता में आते ही एससी, एसटी और ओबीसी के आरक्षण को मुस्लिमों को देने की बात कह रहे हैं, वह भी इस घटना से साफ होता नजर आ रहा है। धर्म के आधार पर आरक्षण भारतीय संविधान में निहित मूल्यों और सिद्धांतों के खिलाफ है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने 22 मई को पश्चिम बंगाल में 2010 के बाद जारी ओबीसी सर्टिफिकेट रद्द करने का आदेश दिया है। जस्टिस तपोब्रत चक्रवर्ती और राजशेखर की बेंच ने कहा कि 2011 से प्रशासन ने किसी नियम का पालन किए बगैर ओबीसी सर्टिफिकेट जारी कर दिए। इस तरह से ओबीसी सर्टिफिकेट देना असंवैधानिक है। यह सर्टिफिकेट पिछड़ा वर्ग आयोग की कोई भी सलाह माने बगैर जारी किए गए। इसलिए इन सभी सर्टिफिकेट को कैंसिल कर दिया गया है। हालांकि यह आदेश उन लोगों पर लागू नहीं होगा, जिन्हें पहले नौकरी मिल चुकी या मिलने वाली है। कोर्ट ने निर्देश दिया कि पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग अधिनियम 1993 के आधार पर ओबीसी की नई सूची पश्चिम बंगाल पिछड़ा वर्ग आयोग तैयार करेगी। ममता बनर्जी सरकार से पहले वामपंथी शासन काल में भी हिन्दू संतों को माकपा की सरकार ने निशाना बनाया था। तब परिणाम यह हुआ था कि कोलकाता में सरेआम 16 भिक्षु और 1 साध्वी हत्या की गई थी। आज उस नरसंहार को बिजोन सेतु नरसंहार कहा जाता है। राजनीतिक बेशर्मी देखिए कि सरेआम संतों की हत्याएं की गईं लेकिन आज तक उस नरसंहार में किसी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। माकपा सरकार पर आरोप हैं कि उसने इस मामले से संबंधित तथ्यों को छिपाया। नरसंहार की जाँच के लिए बने आयोगों को न तो माकपा सरकार ने सहयोग दिया और न ही तृणमूल कांग्रेस ने। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान के बाद से भय का वातावरण बन गया है। आश्रमों एवं संतों को नुकसान पहुँचाने की आशंका गहरा गई है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के सांप्रदायिक बयान की जितनी निंदा की जाए कम है। यह तो निश्चित है कि वर्तमान कांग्रेस, पूर्व में आजादी से अब तक की कांग्रेस एवं तृणमूल कांग्रेस ने मुस्लिम तुष्टीकरण की राजनीति ही की है।

व्यक्तित्व-विकास के लिए अनुभवी लेखक की महत्वपूर्ण कृति स्वर्णिम-जीवन के अनमोल टिप्स

- उमेश कुमार सिंह

मानवीय व्यत्तिफत्व को निखारने के उद्देश्य से बाजार में अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं। लेकिन प्रख्यात लेखक गिरीश पंकज द्वारा लिखी गई पुस्तक स्वर्णिम जीवन के अनमोल टिप्स एक अलग किस्म की कृति है, जिसमें उन्होंने बेहतर जीवन कैसे बने, इस हेतु कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए हैं। कोई व्यक्ति अपने जीवन में सफल तो हो सकता है, लेकिन उसका जीवन कितना सार्थक है, इस पर विचार-मंथन होना चाहिए। लेखक विभिन्न विषयों के माध्यम से नई पीढ़ी को बेहतर राह सुझाते हैं। जैसे कैरियर के मामले में वे कहते हैं कि जो मन के अनुकूल हो, उसका चयन करके हमें आगे बढ़ना चाहिए। अपने कर्म से हमें ऐसी छवि बनानी चाहिए, जिससे उनका और उनके कुल का नाम रोशन हो। सभी के जीवन में बाधाएँ आती हैं लेकिन उनसे जूझने का आत्मविश्वास ही सफल नागरिक बनाता है। जीवन-जगत में आने वाले बहुत से मुद्दों पर लेखक ने अड़तीस अध्यायों के जरिए जो चिंतन पेश किया है, उसको पढ़ने के बाद विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि हरेक पाठक का जीवन और निखर कर उभरेगा।

गिरीश पंकज का कहना है कि साहित्य और पत्रकारिता की दुनिया में मेरे पैंतालीस साल हो रहे हैं। इस दौरान अनेक अखबारों में काम किया, वहाँ खूब लिखा, पिफर स्वतंत्रा पत्रकारिता और लेखन का रास्ता चुन लिया। संतोष की बात है कि खतरा उठाने के बावजूद मैं सपफल रहा। वरना स्वतंत्र पत्रकारिता करते हुए अनेक मित्रों को बर्बाद होते हुए भी देखा है। लेकिन मैंने अपनी निश्चित योजना बनाई। एक लक्ष्य निर्धरित किया और उसी रास्ते पर चल पड़ा। अपनी साहित्यिक पत्रिका निकाली और स्वतंत्रा होकर देश की अनेक पत्र-पत्रिकाओं में लिखने का सिलसिला बनाया। यह अब तक जारी है और जब तक स्वस्थ हूँ, तब तक चलता रहेगा, ऐसा विश्वास है।

आज युवाओं के सामने बेहतर करियर की चिंता है। उनको सही दिशा देना जरूरी है । इसलिए मैंने उनके लिए भी अपने साहित्यिक लेखन को विराम देकर निरंतर लिखा। सफलता अपनी मुट्ठी में और उसके बाद मेरे जीवन के अनुभव नामक पुस्तक उसी का परिणाम हैं। दूसरी पुस्तक दरअसल पहली पुस्तक का ही एक तरह से परिवर्तित संस्करण थी। मेरे जीवन के अनुभव को अप्रत्याशित सफलता मिली। उससे उत्साहित होकर मैंने एक और पुस्तक तैयार करने का मन बनाया और वही पुस्तक आपके सामने है। आज बाजार में सफलता के लिए प्रेरित करने वाली सैकड़ों किताबें हैं। उसी परम्परा में मेरी यह नई पुस्तक जो कि डायमण्ड बुक्स द्वारा प्रकाशित बुक स्वर्णिम जीवन के अनमोल टिप्स भी शामिल हो रही है, जो मनुष्य के व्यक्तित्व विकास के लिए कुछ अनमोल टिप्स देने की कोशिश करेगी। बातें वही सब हैं, जो पहले भी शायद कही जाती रही हैं, फिर भी हर बार कही जाती हैं, अपने-अपने तरीके से। मेरे लेखों को पढ़ कर अगर कुछ युवा भी प्रेरणा ग्रहण कर सकें तो अपने भाग्य को सराहूँगा, अपने लेखन को सार्थक मानूँगा। इसके पहले की पुस्तक में मेरे जीवन के कुछ निजी अनुभव थे। खट्ठे-मीठे। उनमें सुख-दुख की बातें थीं। संघर्षों में से रास्ता बनाने की निजी अनुभूतियाँ थीं। उसे लिखने का उद्देश्य था कि नई पीढ़ी को प्रेरणा मिले। और मुझे संतोष है कि अनेक लोगों को मेरे अनुभवों का लाभ मिला। यह पुस्तक मेरे निजी अनुभवों को निचोड़ नहीं है, वरन् अब तक जीवन में जो देखा-सुना और पढ़ा है, उसका अर्क है। जो ज्ञान पूज्य पिताजी ने दिया, माँ से मिला, बुजुर्गों से मिला और निरंतर अध्ययन से अर्जित किया, वो सब इस पुस्तक में आपको मिलेगा। चूँकि छोटा-सा कवि हूँ इसलिए रोचकता बनाए रखने के लिए हर लेख का अंत अपने एक दोहे से ही किया है। लेख की बातें याद रहें-न-रहें, शायद दोहे याद रह जाएँ। हालाँकि इन दोहों में भी- बहुत संभव है- पारम्परिक दोहों की छाया हो, लेकिन मेरा विश्वास है कि ये पूर्णतः मौलिक हैं। तुलसी, कबीर और रहीम जैसे कालजयी-महा‑ दोहे लिख पाना इस जन्म में संभव नहीं, फिर भी कोशिश की है कि दोहों के माध्यम से कुछ काम की बातें कर सकूँ। मेरी कोशिश कितनी सफल हुई यह तो सुधी पाठक ही बताएँगे। युवा पाठक भी इसे पढ़ेंगे और उनके विचारों में, उनके जीवन में अगर रत्ती भर भी सकारात्मक बदलाव आ सका, तो मुझे लगेगा, मेरी मेहनत सफल हो गई। अंत में, अपने परम्‍शुभचिंतक डायमंड बुक्स के निदेशक नरेंद्र कुमार वर्मा जी का भी आभार, जिनका स्नेह मुझे निरंतर मिलता रहा है। उनके कारण ही यह कृति आप तक पहुँच रही है।

बेशक हम होंगे सफल, रक्खें लक्ष्य विशाल।
परहित का भी भाव हो, तो जीवन खुशहाल।।
जीवन जीने की कला, आ गयी जिसके पास।
समझो उसने ही रचा, इक सुंदर इतिहास ।।

व्यक्तित्व-विकास के लिए अनुभवी लेखक की महत्वपूर्ण कृति स्वर्णिम-जीवन के अनमोल टिप्स

- उमेश कुमार सिंह

मानवीय व्यत्तिफत्व को निखारने के उद्देश्य से बाजार में अनेक पुस्तकें उपलब्ध हैं। लेकिन प्रख्यात लेखक गिरीश पंकज द्वारा लिखी गई पुस्तक स्वर्णिम जीवन के अनमोल टिप्स एक अलग किस्म की कृति है, जिसमें उन्होंने बेहतर जीवन कैसे बने, इस हेतु कुछ महत्वपूर्ण टिप्स दिए हैं। कोई व्यक्ति अपने जीवन में सफल तो हो सकता है, लेकिन उसका जीवन कितना सार्थक है, इस पर विचार-मंथन होना चाहिए। लेखक विभिन्न विषयों के माध्यम से नई पीढ़ी को बेहतर राह सुझाते हैं। जैसे कैरियर के मामले में वे कहते हैं कि जो मन के अनुकूल हो, उसका चयन करके हमें आगे बढ़ना चाहिए। अपने कर्म से हमें ऐसी छवि बनानी चाहिए, जिससे उनका और उनके कुल का नाम रोशन हो। सभी के जीवन में बाधाएँ आती हैं लेकिन उनसे जूझने का आत्मविश्वास ही सफल नागरिक बनाता है। जीवन-जगत में आने वाले बहुत से मुद्दों पर लेखक ने अड़तीस अध्यायों के जरिए जो चिंतन पेश किया है, उसको पढ़ने के बाद विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि हरेक पाठक का जीवन और निखर कर उभरेगा। गिरीश पंकज का कहना है कि साहित्य और पत्रकारिता की दुनिया में मेरे पैंतालीस साल हो रहे हैं। इस दौरान अनेक अखबारों में काम किया, वहाँ खूब लिखा, पिफर स्वतंत्रा पत्रकारिता और लेखन का रास्ता चुन लिया। संतोष की बात है कि खतरा उठाने के बावजूद मैं सपफल रहा। वरना स्वतंत्र पत्रकारिता करते हुए अनेक मित्रों को बर्बाद होते हुए भी देखा है। लेकिन मैंने अपनी निश्चित योजना बनाई। एक लक्ष्य निर्धरित किया और उसी रास्ते पर चल पड़ा। अपनी साहित्यिक पत्रिका निकाली और स्वतंत्रा होकर देश की अनेक पत्र-पत्रिकाओं में लिखने का सिलसिला बनाया। यह अब तक जारी है और जब तक स्वस्थ हूँ, तब तक चलता रहेगा, ऐसा विश्वास है। आज युवाओं के सामने बेहतर करियर की चिंता है। उनको सही दिशा देना जरूरी है । इसलिए मैंने उनके लिए भी अपने साहित्यिक लेखन को विराम देकर निरंतर लिखा। सफलता अपनी मुट्ठी में और उसके बाद मेरे जीवन के अनुभव नामक पुस्तक उसी का परिणाम हैं। दूसरी पुस्तक दरअसल पहली पुस्तक का ही एक तरह से परिवर्तित संस्करण थी। मेरे जीवन के अनुभव को अप्रत्याशित सफलता मिली। उससे उत्साहित होकर मैंने एक और पुस्तक तैयार करने का मन बनाया और वही पुस्तक आपके सामने है। आज बाजार में सफलता के लिए प्रेरित करने वाली सैकड़ों किताबें हैं। उसी परम्परा में मेरी यह नई पुस्तक जो कि डायमण्ड बुक्स द्वारा प्रकाशित बुक स्वर्णिम जीवन के अनमोल टिप्स भी शामिल हो रही है, जो मनुष्य के व्यक्तित्व विकास के लिए कुछ अनमोल टिप्स देने की कोशिश करेगी। बातें वही सब हैं, जो पहले भी शायद कही जाती रही हैं, फिर भी हर बार कही जाती हैं, अपने-अपने तरीके से। मेरे लेखों को पढ़ कर अगर कुछ युवा भी प्रेरणा ग्रहण कर सकें तो अपने भाग्य को सराहूँगा, अपने लेखन को सार्थक मानूँगा। इसके पहले की पुस्तक में मेरे जीवन के कुछ निजी अनुभव थे। खट्ठे-मीठे। उनमें सुख-दुख की बातें थीं। संघर्षों में से रास्ता बनाने की निजी अनुभूतियाँ थीं। उसे लिखने का उद्देश्य था कि नई पीढ़ी को प्रेरणा मिले। और मुझे संतोष है कि अनेक लोगों को मेरे अनुभवों का लाभ मिला। यह पुस्तक मेरे निजी अनुभवों को निचोड़ नहीं है, वरन अब तक जीवन में जो देखा-सुना और पढ़ा है, उसका अर्क है। जो ज्ञान पूज्य पिताजी ने दिया, माँ से मिला, बुजुर्गों से मिला और निरंतर अध्ययन से अर्जित किया, वो सब इस पुस्तक में आपको मिलेगा।

आज का राशिफल

मेष लाभ के योग बन रहे हैं। संतान पक्ष को लेकर भी जो चिंताएं बनी हुई थीं उनका समाधान आज हो जाएगा।	**तुला** दिन करियर के मामले में लाभ होगा। अकस्मात् बड़ी मात्रा में आर्थिक लाभ होने के योग हैं।
वृषभ आज करियर में आपके लिए सफलता के योग बन रहे हैं। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी।	**वृश्चिक** आपके लिए उम्मीदों से भरा होगा। आपके लिए स्थान परिवर्तन के योग बन रहे हैं।
मिथुन दिन परेशानी वाला हो सकता है। आपको विवादों का सामना करना पड़ सकता है।	**धनु** दिन सम्मान प्राप्ति से भरा होगा और आपको लाभ होगा। अधिकारी वर्ग आपके पक्ष में रहेंगे।
कर्क आज भाग्य का साथ मिलेगा और आपकी मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होने के योग हैं।	**मकर** बहुत संभलकर काम करने का है। सहयोगियों के साथ आपका मनमुटाव हो सकता है।
सिंह आज समाज में लोगों के बीच में आपकी कीर्ति में वृद्धि होगी। भाग्य का उदय होगा।	**कुंभ** नई संभावनाएं बन रही हैं। व्यवसाय में निरन्तर लाभ होने से प्रसन्नता का माहौल रहेगा।
कन्या आज आपकी चिंताएं दूर होंगी। आपको आज किसी वजह से शारीरिक कष्ट होने की संभावना है।	**मीन** लाभ होने की संभावनाएं हैं। मानसिक तनाव से बचने के लिए धैर्य एवं नम्रता से काम करें।

विशेष

चुनाव आयोग के बलबूते सरकार बनाएगी बीजेपी

लोकसभा के पांच चरणों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। हिंदी भाषी राज्यों के साथ-साथ महाराष्ट्र कर्नाटक भाजपा को सबसे ज्यादा सफलता मिली थी। वहां की जमीनी हकीकतइस चुनाव में कुछ और बयां कर रही है। भाजपा दावे कुछ अलग कर रही है। उत्तर प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, दिल्ली, हरियाणा इत्यादि राज्यों में भाजपा को 2019 की तुलना में नुकसान उठाना पड़ रहा है। उसके बाद भी सरकार बनाने का दावा किसी के पल्ले नहीं पड़ रहा है। अब चुनाव आयोग पर ही भरोसा है, वही भाजपा की सरकार बनवा सकती है। भाजपा को भी चुनाव आयोग पर भरोसा है।

बंगाल तो बंगाल है, 73 फीसदी मतदान

पश्चिम बंगाल के लोग हमेशा उत्सव के रूप में बने रहते हैं। परिस्थितियों कोई भी हो हमेशा जोश यहां के लोगों में बना रहता है।भारत के सभी राज्यों में मतदान का प्रतिशत बहुत कम है। लेकिन पश्चिम बंगाल के मतदाताओं ने बढ़ चढ़कर भाग लिया। गरीब से गरीब व्यक्ति लाइन लगाकर खड़ा रहा। पश्चिम बंगाल के लोगों में हर बार की तरह इस बार भी गजब का उत्साह देखने को मिला। पश्चिम बंगाल इस लोकसभा चुनाव में भी देश मे रिकॉर्ड बनाएगा, इसमें कोई संदेह नहीं रह गया है।

कार्टून कोना

आज का इतिहास

1739: मुगल बादशाद मुहम्मद शाह और ईरान के नादिर शाह के बीच समझौते के तहत अफगानिस्तान भारत से अलग हो गया. 1805: नेपोलियन बनोपार्ट को ताजपोशी इटली के शासक के रूप में हुई. 1865: अमरीकी गृहयुद्ध समाप्त हुआ था. 1897: ब्रिटिश ईस्ट अफ्रीका कंपनी चार्टर्ड हुई. 1924: अमरीका ने आब्रजन कानून को और कड़ा किया तथा जापानियों के आब्रजन पर पूरी तरह रोक लगा दी. 1933: आस्ट्रेलिया ने अंटार्कटिका महाद्वीप के एक तिहाई हिस्से पर अपना दावा किया. 1942: द्वितीय विश्व युद्ध में जर्मन फौजों ने स्टालिनग्राड और काकेशूस के लिए अपना अभियान शुरू किया. 1957: जनता बीमा पॉलिसी की शुरूआत हुई. 1966: ब्रिटिश गुयाना के रूप में स्वतंत्र राष्ट्र बना. 1987: श्रीलंकाई सैनिकों ने जाफना प्रायट्वीप में तमिल विद्रोहियों के खिलाफ जबरदस्त अभियान शुरू किया.

दैनिक पंचांग

26 मई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति	
सूर्य	वृष में
चंद्र	धनु में
मंगल	मीन में
बुध	मेष में
गुरु	वृष में
शुक्र	वृष में
शनि	कुंभ में
राहु	मीन में
केतु	कन्या में

राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक

लग्नारंभ समय	
मिथुन	06.36 बजे से
कर्क	08.49 बजे से
सिंह	11.05 बजे से
कन्या	13.17 बजे से
तुला	15.28 बजे से
वृश्चिक	17.43 ब.से
धनु	19.59 बजे से
मकर	22.04 बजे से
कुंभ	23.50 बजे से
मीन	01.23 बजे से
मेष	02.54 बजे से
वृष	04.34 बजे से

रविवार 2024 वर्ष का 147 वां दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** ग्रीष्म।
विक्रम संवत् 2081 **शक संवत्** 1946
मास ज्येष्ठ (दक्षिण भारत में वैशाख)
तिथि तृतीया 18.07 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 10.36 बजे को समाप्त।
योग साध्य 08.31 बजे को समाप्त।
करण वणिज 06.36 बजे तदनन्तर विष्टि 18.07 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 17.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 21° 10'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1871991
जूलियन दिन 2460456.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2550
हिजरी सन् 1445
महीना जिल्काद **तारीख** 17
विशेष संकष्टी चतुर्थी।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56 से	07.23	बजे तक	शुभ	05.36 से	07.09	बजे तक
चर	07.23 से	08.51	बजे तक	अमृत	07.09 से	08.41	बजे तक
लाभ	08.51 से	10.18	बजे तक	चर	08.41 से	10.14	बजे तक
अमृत	10.18 से	11.46	बजे तक	रोग	10.14 से	11.46	बजे तक
काल	11.46 से	01.14	बजे तक	काल	11.46 से	01.19	बजे तक
शुभ	01.14 से	02.41	बजे तक	लाभ	01.19 से	02.51	बजे तक
रोग	02.41 से	04.09	बजे तक	उद्वेग	02.51 से	04.24	बजे तक
उद्वेग	04.09 से	05.36	बजे तक	शुभ	04.24 से	05.53	बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

लोकसभा चुनाव 2024

कांग्रेस के 'न्यायपत्र' में क्या-क्या

● कांग्रेस ने दस न्याय और 25 गारंटी को दी मेनिफेस्टो में जगह ● युवाओं के रोजगार और महिलाओं के मुद्दों पर भी फोकस

10 न्याय, 25 गारंटी, खत्म होंगे एमएसपी कानून और अग्निपथ स्कीम,

रोजगार को लेकर मोदी सरकार की कड़ी आलोचक कांग्रेस ने बेरोजगारी दूर करने और रोजगार मुहैया कराने को लेकर एक विस्तृत खाका रखा। वहीं, कांग्रेस ने सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक न्याय की बात भी कही। कांग्रेस ने मोदी सरकार की विदेश और रक्षा नीति को लेकर आड़े हाथों लिया और जिन मुद्दों पर वह सरकार की आलोचना करती रही है, उस मुद्दे वह आलोचना के साथ एक विकल्प के साथ सामने आई। फिर चाहे अग्निवीर योजना हो या फिर किसानों की एमएसपी और कर्जमाफी को लेकर की जा रही मांगें- पार्टी के दस्तावेज में इन सभी पर एक विकल्प देने की कोशिश नजर आई। दरअसल, कांग्रेस इस न्यायपत्र के जरिए समाज के अलग-अलग वर्गों तक पहुंचने की कोशिश में है।

कांग्रेस ने शुक्रवार को दस न्याय और 25 गारंटी वाला 'न्यायपत्र' नाम से अपना मेनिफेस्टो जारी किया। इसमें कांग्रेस मुख्य रूप से दो बिंदुओं पर बात करती नजर आई। एक तरफ कांग्रेस ने अपने भारतीय संविधान के उन बुनियादी मुद्दों पर बात की, जिन्हें लेकर वह लगातार अपने सरोकार और चिंताएं जाहिर करती रही है। तो वहीं दूसरी ओर वह जनकल्याण से जुड़े कार्यक्रमों और योजनाओं की रूपरेखा सामने रखने की कोशिश करती दिखी। कांग्रेस संवैधानिक अधिकारों के मुद्दे पर मोदी सरकार में लगातार हमले होने का आरोप लगाती रही है।

संविधान के अनुच्छेद 15-16 में करेगी विस्तार

दरअसल, कांग्रेस का दावा रहा है कि आजादी के बाद उसके राज में संवैधानिक मूल्यों और ढांचे का यथावत रखने की कोशिश होती रही है, लेकिन इस दौर में अब उन पर खतरा मंडरा रहा है। मसलन समानता के अधिकार को लेकर वह किसी भी तरह के भेदभाव को रोकने के लिए संविधान की अनुच्छेद 15-16 में विस्तार करेगी। वह संघवाद के जरिए संविधान में दिए राज्यों के अधिकारों के पक्ष में भी दिखी। दरअसल, पार्टी एनडीए सरकार पर सुव्यवस्थित तरीके से संघवाद के ताने-बाने को नष्ट करने का आरोप लगाती रही है। इसे दुरुस्त करने के लिए वह संविधान की 7वीं अनुसूची में विधायी क्षेत्रों के वितरण की समीक्षा की बात करती है। इसी तरह से कांग्रेस देश में हमारी संवैधानिक संस्थाओं की स्वायत्तता पर जोर देती दिखी।

जन कल्याणकारी राज पर जोर

वहीं, कांग्रेस एक बार फिर जन कल्याणकारी राज पर जोर देती दिखी। कांग्रेस ने जिस तरह से आरटीआई, मनेरगा, फूड सिक्योरिटी और शिक्षा के अधिकार जैसे कार्यक्रमों और योजनाओं के जरिए यूपीए सरकार चलाई थी, अपने न्यायपत्र में कांग्रेस उसी दिशा में आगे बढ़ती दिखी। जहां वह महिला, युवा, किसान, श्रमिक, भागीदारी न्याय के जरिए समाज के हर वर्ग के जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ न कुछ रोडमैप सामने रखने की कोशिश करती दिखी। रोजगार को लेकर मोदी सरकार की कड़ी आलोचक कांग्रेस ने बेरोजगारी दूर करने और रोजगार मुहैया कराने को लेकर एक विस्तृत खाका रखा। वहीं, कांग्रेस ने सामाजिक न्याय के साथ आर्थिक न्याय की बात भी कही। कांग्रेस ने मोदी सरकार की विदेश और रक्षा नीति को लेकर आड़े हाथों लिया और जिन मुद्दों पर वह सरकार की आलोचना करती रही है, उस मुद्दे वह आलोचना के साथ एक विकल्प के साथ सामने आई। फिर चाहे अग्निवीर योजना हो या फिर किसानों की एमएसपी और कर्जमाफी को लेकर की जा रही मांगें- पार्टी के दस्तावेज में इन सभी पर एक विकल्प देने की कोशिश नजर आई। दरअसल, कांग्रेस इस न्यायपत्र के जरिए समाज के अलग-अलग वर्गों तक पहुंचने की कोशिश में है।

विवादित मुद्दों से बचने की कोशिश?

कांग्रेस ने इस बार अपने मेनिफेस्टो में ऐसे कुछ मुद्दों पर बचने की कोशिश की, जिसपर किसी तरह का कोई विवाद हो। 2019 में उसने असफ्फा हटाने की बात कही थी, जिसे लेकर सत्तारूढ़ बीजेपी ने उसपर जमकर हमला बोला था। इस बार पार्टी इस मुद्दे पर खामोश दिखी। इसी तरह से कई राज्यों के चुनाव में ओपीएस को मुद्दा बनाने वाली कांग्रेस ने अपने चुनावों घोषणा पत्र में इस पर चुप्पी बनाए रखी। दरअसल, इसे लेकर पार्टी के भीतर ही दोराय बन रही थी। ईवीएम को लेकर सवाल उठाने वाली कांग्रेस ने इसे हटाने की बात करने की बजाय इसे 100 फीसदी वीवीपैट से मिलान की बात कही। वहीं, मुस्लिम तुष्टिकरण का आरोप झेलती रही कांग्रेस ने इस बार अपने मेनिफेस्टों में अल्पसंख्यकों की बात तो की, लेकिन ऐसा कोई भी संकेत देती नजर नहीं आई, जिससे उसपर तुष्टिकरण का आरोप लगे।

LGBTQIA+ समुदाय पर रखी बात

कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में स्लक्क्ष्लत्तढ्ढ+ को लेकर भी नागरिक भागीदारी की बात कही है। यह पहला मौका होगा कि जब किसी राजनैतिक दल ने समाज के एक बंद दरवाजे पर अपने मेनिफेस्टो के जरिए दस्तक देने का जोखिम उठाया हो। दरअसल, यह समुदाय संविधान के अनुच्छेद 15 और 16 के तहत सिविल यूनियन के जरिए देश की सुप्रीम कोर्ट से अपने अधिकारों की मांग कर रहा था और उसे अब तक वहां से कोई राहत नहीं मिली थी, लेकिन कांग्रेस के मेनिफेस्टो से उसे कहीं न कहीं एक उम्मीद की किरण दिखेगी। कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि वह विकलांगता, क्षति या यौन रुझान के आधार पर भेदभाव को प्रतिबंधित करने के लिए अनुच्छेद 15 और 16 का विस्तार करेगी। वहीं उसका कहना था कि कांग्रेस विस्तृत परामर्श के बाद ऐसा कानून लाएगी, जो इस समुदाय की नागरिक भागीदारी को सामाजिक मान्यता देगा।

'पीएम ने पॉलिटिकल फाइनैंस का एकाधिकार बना लिया'

कांग्रेस का न्यायपत्र जारी होने के दौरान कांग्रेस ने मोदी सरकार पर हमला बोला। उनका कहना था कि हमें समझना होगा कि आज हिंदुस्तान के राजनीतिक ढांचे में क्या हो रहा है। आरएसएस, बीजेपी और खासकर पीएम मोदी क्या बुनियाद बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि जैसे विभिन्न कारोबारी क्षेत्रों में अडानी का एकाधिकार है, उसी तरह पीएम मोदी ने 'पॉलिटिकल फाइनैंस' का एकाधिकार बना लिया है। उनका कहना था कि पीएम ने यह एकाधिकार ईडी, इनकम टैक्स और सीबीआई जैसी संस्थाओं के जरिए बनाया है।

'पीएम ने चुनावी बॉण्ड के जरिए विपक्ष को चार्जशीट पकड़ा दी'

चुनावी बॉण्ड के जरिए राहुल ने मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पीएम मोदी ने चुनावी बॉण्ड के जरिए पूरे विपक्ष को एक 'चार्जशीट' पकड़ा दी है, इसलिए उन्हें थोड़ा डर लग रहा है। राहुल ने तंज कसते हुए कहा कि वह 400 पार की बात कर रहे हैं, लेकिन ये सब सामने आने के बाद उन्हें लग रहा है कि यह नंबर कहीं 180 या 160 हुआ तो नैया डूब जाएगी। वहीं, राहुल ने कहा कि यह चुनावी लड़ाई संविधान और लोकतंत्र पर हमला करने और संस्थाओं पर कब्जा करने वालों और लोकतंत्र व संविधान की रक्षा करने, उसे बचाने वालों के बीच है।

कांग्रेस के न्यायपत्र में खास क्या?

- अग्निपथ योजना को खत्म करने और सेना, नौसेना और वायु सेना द्वारा अपनाई जाने वाली सामान्य भर्ती प्रक्रियाओं पर लौटने का वादा।
- जम्मू-कश्मीर को तुरंत पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल किया जाएगा, लद्दाख के जनजातीय क्षेत्रों को शामिल करने के लिए संविधान की छठी अनुसूची में संशोधन।
- केंद्र सरकार में कई लेवल पर मंजूर लगभग 30 लाख रिक्त पदों को भरा जाएगा।
- स्वामीनाथन आयोग की सिफारिश के मुताबिक न्यूनतम समर्थन मूल्य को कानूनी गारंटी दी जाएगी।
- 21 वर्ष से कम उम्र के उभरते खिलाड़ियों को हर महीने 10,000 रुपये की खेल स्कॉलरशिप दी जाएगी।

27 बार चुनाव लड़ा, राष्ट्रपति पद के लिए भी दिया आवेदन, आनंद कुशवाहा

ग्वालियर का 'चायवाला' प्रत्याशी

चुनाव लड़ने का सपना तो हर कोई देखता है लेकिन ग्वालियर के एक चाय वाले का जुनून चुनाव लड़ने को लेकर ऐसा है कि वह अब तक 27 बार चुनाव लड़ चुका है। हालांकि अब तक उन्हें किसी भी चुनाव में सफलता नहीं मिली है। लेकिन वह अब तक पार्षद से लेकर राष्ट्रपति तक का चुनाव लड़ चुके हैं। इतना ही नहीं जब भी कभी किसी पद के लिए महिला सीट होती है तो वह इसमें अपनी पत्नी को भी भागीदार बनाते हैं। जानिए आखिर ग्वालियर के आनंद कुशवाहा ऐसा क्यों करते है। दरअसल, प्रदेश में लोकसभा चुनाव होना है। इसके लिए दिग्गज पार्टियों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी नामांकन भर रहे हैं। इसी कड़ी में ग्वालियर में चाय की दुकान चलाने वाले आम आदमी आनंद कुशवाह ने भी नामांकन भरा है।

(संजय चतुर्वेदी)

लोकसभा चुनाव के लिए नामांकन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। प्रदेश में 109 प्रत्याशियों ने नामांकन भरा है। इसी में एक चाय वाले ने भी नामांकन दाखिल किया है। जानिए कौन हैं चाय वाले आनंद कुशवाह जो अब तक 27 बार चुनाव लड़ चुके हैं और राष्ट्रपति पद के लिए भी आवेदन दे चुके हैं।

चुनाव लड़ने का सपना तो हर कोई देखता है लेकिन ग्वालियर के एक चाय वाले का जुनून चुनाव लड़ने को लेकर ऐसा है कि वह अब तक 27 बार चुनाव लड़ चुका है। हालांकि अब तक उन्हें किसी भी चुनाव में सफलता नहीं मिली है। लेकिन वह अब तक पार्षद से लेकर राष्ट्रपति तक का चुनाव लड़ चुके हैं। इतना ही नहीं जब भी कभी किसी पद के लिए महिला सीट होती है तो वह इसमें अपनी पत्नी को भी भागीदार बनाते हैं। जानिए आखिर ग्वालियर के आनंद कुशवाहा ऐसा क्यों करते है।

दरअसल, प्रदेश में लोकसभा चुनाव होना है। इसके लिए दिग्गज पार्टियों के साथ निर्दलीय प्रत्याशी भी नामांकन भर रहे हैं। इसी कड़ी में ग्वालियर में चाय की दुकान चलाने वाले आम आदमी आनंद कुशवाह ने भी नामांकन भरा है।

आठवीं पास आनंद लड़ते हैं हर चुनाव

ग्वालियर के आनंद कुशवाह आठवीं पास है। उनका चुनाव लड़ने का जुनून ऐसा है कि हार जीत से भी कोई फर्क नहीं पड़ता है। बस दिलों दिमाग में एक ही बात रहती है कि उन्हें चुनाव लड़ना है। समाधिया कॉलोनी में रहने वाले आनंद कुशवाह चाय की दुकान चलाते हैं और जब भी चुनाव आता है तो वह अपना प्रचार शुरू कर देते हैं।

हारे या जीते चुनाव जरूर लड़ेंगे- इस लोकसभा चुनाव को लेकर भी उनका कहना है कि मैं हारू या जीतू चुनाव जरूर लड़ूंगा। साइकिल से अपने प्रचार पर निकलने वाले आनंद कुशवाह जब भी चुनाव लड़ने के लिए नामांकन भरने जाते हैं तो उनका अंदाज देखकर शायद ही कोई हो जो प्रभावित न हो।

अलग अंदाज में जाकर भरते है नामांकन- हर बार अलग-अलग स्वरूप में भी चुनाव लड़ने का नामांकन भरने के लिए पहुंचते हैं। चुनाव प्रचार के लिए अपनी साइकिल का प्रयोग करते हैं। इसके अलावा चाय की दुकान पर आने वाले ग्राहकों से भी चाय के साथ हाथ जोड़कर विनती करते हैं कि वोट उन्हें ही मिले। लेकिन सफलता अब तक उनके हाथ नहीं आई है।

समाज के ही एक नेता ने कहा दी थी बड़ी बात- अरविंद कुशवाह का कहना है कि उन्हीं के समाज के किसी नेता ने उन्हें राजनीति को लेकर कुछ कह दिया था। तभी से उन्होंने ठान लिया कि मुझे चुनाव लड़ना है। उनका कहना है कि एक चुनाव में भले ही मेरी जीत नहीं हुई लेकिन वह नेता उतने ही वोटो के अंतर से हारे जितने वोट उन्हें मिले थे। वे मानते हैं कि मैं उन्हें हरा दिया। हालांकि चुनाव लड़ने के इस जुनून को लेकर कई बार उन्हें लोगों के हंसी का पात्र भी बनना पड़ता है लेकिन उन्हें इन सब से कोई फर्क नहीं पड़ता।

पत्नी का भी भरवाते है नामांकन- आनंद चुनाव लड़ने के इतने जुनूनी है कि अपनी पत्नी का भी नामांकन भरवाते है। जब भी कभी किसी पद पर चुनाव के लिए महिला सीट होती है तो वह अपनी पत्नी को भी उसे चुनाव का भागीदार बनाते हैं।

भगवान के भजन का है शौक

आनंद कुशवाहा अपने नाम के आगे रामायणी शब्द भी लगाते हैं। उनका कहना है कि वह भगवान श्री राम के दूत हनुमान के भक्त हैं और उन्हें से उन्हें प्रेरणा मिलती है। इसके अलावा वे रामायण का पाठ करके लोगों के बीच जाते रहते हैं। उसे पाठ के माध्यम से जो भी इनकम होती है उसे वह अपने घर के पीछे ही बने एक मंदिर में अर्पित कर देते हैं ताकि भगवान का आशीर्वाद उन पर सदैव बना रहे।

करियर चुनते समय भूलकर भी ना करें यह गलतियां

करियर चुनते समय कुछ चीजों का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आप इन चीजों का ख्याल नहीं रखती हैं तो आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

करियर चुनना एक ऐसा फैसला है जिस पर आपकी आने वाली जिंदगी निर्भर करती है। ऐसे में यह फैसला कभी भी जल्दबाजी या बिना जानकारी के ना लें। अगर आप ऐसा करती हैं तो आने वाला समय आपके लिए मुश्किलों से भरा हो सकता है। ऐसे में जरूरी है कि करियर का फैसला सोच समझकर लिया जाए। ऐसे में करियर चुनते समय निम्नलिखित गलतियों से बचने के लिए ध्यान देना काफी जरूरी है।

प्रभावित होना

अक्सर लोग दूसरों के मत और प्रभावों के चलते करियर चुनते हैं। आपको अपनी प्राथमिकताओं, रुचियों और क्षमताओं के आधार पर चुनाव करना चाहिए, न कि दूसरों के प्रभाव में आकर। दूसरों का सुनना जरूरी है लेकिन जरूरी नहीं की आप उनकी हर बात को मानें।

बाहरी दबावों को महत्व देना

अक्सर परिवार दबाव, सामाजिक प्रतीक्षाओं या प्रतिस्पर्धा के दबाव के चलते गलत करियर चुन लेते हैं। आपको खुद के आंतरिक आवश्यकताओं और योग्यताओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। दबावों मे आकर कोई भी गलत निर्णय ना करें। ऐसे में आपको आगे जाकर दिक्कत आ सकती हैं।

अनधिकृत सलाह पर निर्भरता

करियर चुनते समय बहुत से लोग अनधिकृत या अयोग्य व्यक्तियों से सलाह लेते हैं। आपको केवल प्रामाणिक और विशेषज्ञ सलाहकारों की सहायता लेनी चाहिए। सलाह लेना जरूरी है लेकिन अपनी रूची के हिसाब से निर्णय लें। ताकि आपको आगे दिक्कत का सामना ना करना पड़े।

सिर्फ पैसे के लिए चुनाव

सिर्फ पैसे के लिए करियर को ना चुनें। पैसा होना जरूरी है लेकिन अगर आपका मन उस काम में नहीं लगता है लेकिन उस फिल्ड में पैसा अधिक है तो कभी भी ऐसा फील्ड का चुनाव अपने करियर के लिए ना करें।

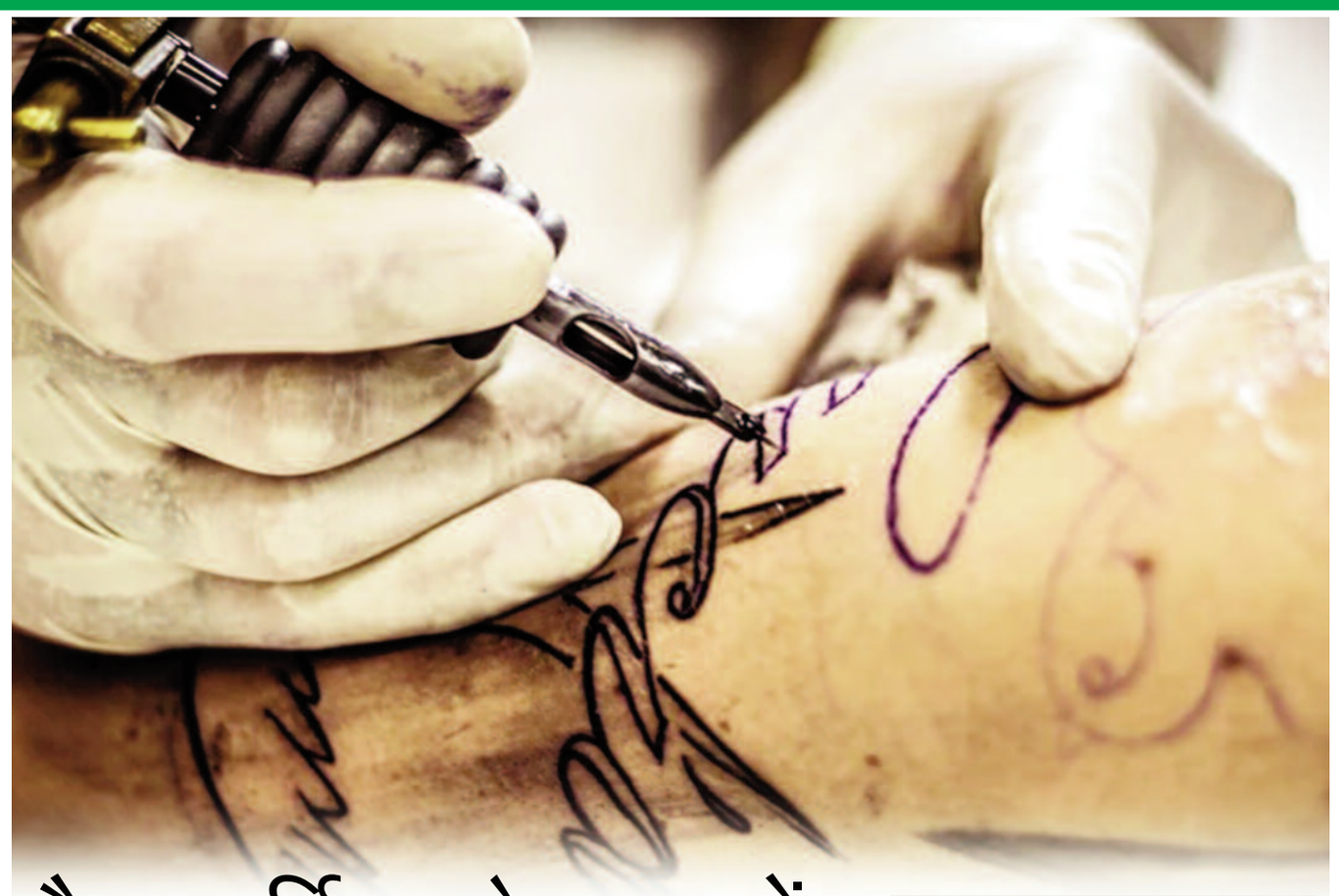

टैटू आर्टिस्ट के रूप में बनाना है करियर, तो इन स्किल्स पर करें फोकस

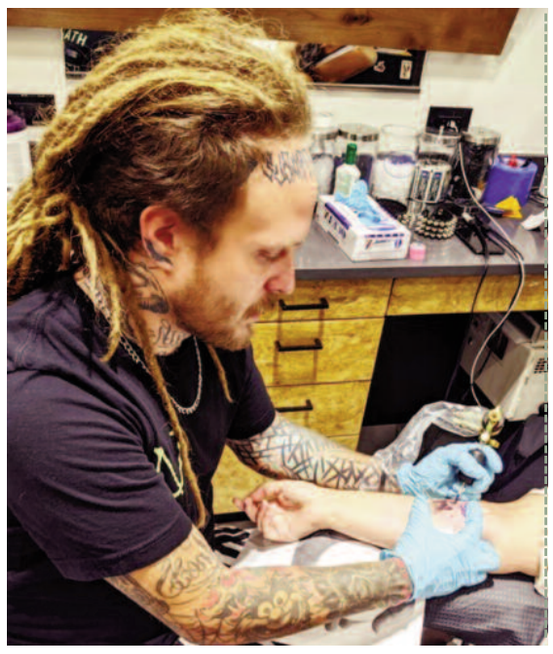

आज के समय में लोग टैटू बनवाना काफी पसंद करते हैं, इसलिए अच्छे टैटू आर्टिस्ट की डिमांड काफी बढ़ गई है। हालांकि, एक सक्सेसफुल टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए आपमें कुछ स्किल्स होने बेहद जरूरी हैं।

वो जमाने लद गए, जब लोग केवल कुछ ही फील्ड में अपना करियर देखते थे। आज के समय में लोग कई अलग-अलग फील्ड में अपना करियर बना रहे हैं। क्रिएटिव फील्ड में एक्सपर्ट की डिमांड काफी बढ़ने लगी है। इन्हीं में से एक है टैटू आर्टिस्ट की फील्ड। आज के समय में लोगों में टैटू बनवाने का क्रेज बहुत ज्यादा बढ़ गया है। जिसके कारण वे एक अच्छे टैटू आर्टिस्ट को ढूंढते हैं। यही कारण है कि टैटू आर्टिस्ट की फील्ड में करियर ऑप्शन भी बहुत अच्छे हैं।

यह एक ऐसी फील्ड है, जिसमें आपकी किताबी पढ़ाई काम नहीं आती है, बल्कि आपके स्किल्स ही आपको आगे लेकर जाते हैं। यह तो हम सभी जानते हैं कि एक अच्छा टैटू आर्टिस्ट बनने के लिए आपका क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। लेकिन सिर्फ इतना ही काफी नहीं है। अगर आप एक टैटू आर्टिस्ट के रूप में अपना करियर देख रहे हैं तो ऐसे में आपमें कुछ स्किल्स होने भी बेहद जरूरी हैं, जिसके बारे में आज हम आपको इस लेख में बता रहे हैं-

होने चाहिए आर्टिस्टिक स्किल्स

किसी भी टैटू आर्टिस्ट के लिए बेहद ही जरूरी है कि उसमें आर्टिस्टिक टैलेंट जरूर हो। अगर आपकी ड्राइंग या आर्टिस्टिक स्किल्स अच्छे नहीं होते हैं तो ऐसे में आप अपने क्लाइंट को अच्छे रिजल्ट नहीं दे सकते हैं। आपके भीतर डिजाइन से लेकर शेडिंग और कलर थ्योरी आदि की जरूर समझ होनी चाहिए। यह आर्टिस्टिक स्किल्स ही होते हैं, जो किसी क्लाइंट के आइडियाज को एक टैटू डिजाइन के रूप में उकेरते हैं।

स्किन की होनी चाहिए समझ

अगर आप एक बेहतरीन टैटू आर्टिस्ट बनना चाहते हैं तो आपको स्किन की भी समझ होनी चाहिए। जिससे आप टैटू ठीक तरह से बना सके और किसी तरह की परेशानी ना हो। एक टैटू आर्टिस्ट के रूप में आपको यह जानने की जरूरत है कि सुई को त्वचा में कितनी गहराई तक घुसाना है या फिर अलग-अलग तरह की स्किन पर टैटू प्रोसेस किस तरह से इफेक्ट करेगा। साथ ही साथ, टैटू बनवाने से पहले और बाद में स्किन की सही तरह से देखभाल किस तरह की जाए।

इमेजिनेशन पावर हो बेहतर

आज के समय में लोग टैटू में कस्टम डिज़ाइन बनवाना काफी पसंद करते हैं। ऐसे में टैटू आर्टिस्ट के लिए एक परफेक्ट टैटू डिजाइन बनाने के लिए क्रिएटिव होना बेहद जरूरी है। अगर टैटू आर्टिस्ट की इमेजिनेशन पावर अच्छी होगी तो वह अपने क्लाइंट की जरूरतों को समझकर एक यूनिक डिजाइन क्रिएट कर पाएगा।

बेहतर कम्युनिकेशन स्किल्स

टैटू आर्टिस्ट का काम सिर्फ टैटू डिजाइन बनाना ही नहीं होता है, बल्कि उन्हें अलग-अलग तरह के क्लाइंट्स से भी डील करना होता है। उनकी जरूरतों व इच्छाओं को समझकर उन्हें सजेशन देना होता है। साथ ही साथ, ऐसे डिजाइन का क्रिएट करना होता है, जो उनकी इच्छा के अनुरूप हो। हालांकि, ऐसा केवल तभी संभव है, जब टैटू आर्टिस्ट के कम्युनिकेशन स्किल्स बेहतर हो। इतना ही नहीं, अपने कम्युनिकेशन स्किल्स के चलते वह क्लाइंट्स को बार-बार सर्विस भी दे सकता है।

घर बैठे कमाने हैं पैसे तो ये करियर ऑप्शन हैं बेस्ट

अगर आप शादी के बाद घर संभालने के साथ-साथ जॉब करना चाहती हैं, तो हम आपको बताएंगे कि आप कौन-कौन से करियर ऑप्शन चुन सकती हैं और घर बैठे पैसे कमा सकते हैं।

आज के समय में कई महिलाएं अपने परिवार और घर की देखभाल के साथ-साथ घर बैठे ही पैसे कमाना चाहती हैं। ऐसे में अगर आप भी घर बैठे नौकरी करके पैसे कमाना चाहती हैं, तो ये करियर ऑप्शन आपके लिए बेस्ट होंगे। इनके जरिए आप अच्छे पैसे कमा सकती हैं।

सोशल मीडिया मैनेजर

सोशल मीडिया मैनेजर कंपनी, ब्रांड या किसी प्रमुख संस्थान के सभी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर सोशल अकाउंट और चैनल को सही तरीके से मैनेज करते हैं। अगर आपको सोशल मीडिया से जुड़े रहना पसंद है और आप उससे जुड़ी हुई चीजों को बेहतर तरह से समझना चाहती हैं, तो यह करियर ऑप्शन आपके लिए परफेक्ट साबित हो सकता है। सोशल मीडिया मैनेजर कंपनी को आगे ले जाने के लिए नए-नए तरीके अपनाते रहते हैं, ताकि कंपनी की अच्छी छवि को बनाया रखा जा सके।

ऑनलाइन टीचर

इस आधुनिक जमाने में हर चीज ऑनलाइन हो रही है, जिसकी वजह से बहुत से लोग ऑनलाइन टीचिंग से पैसे कमाने के तरीके ढूंढ रहे हैं। ऑनलाइन टीचर बनकर आप अच्छे पैसे कमा सकती हैं। आप मैथ्स और साइंस के साथ में जेईई मेंस, नीट, निफ्ट आदि से जुड़े हुए कोर्स आप पढ़ा सकती हैं। आप ऑनलाइन टीचिंग के लिए खुद को रजिस्टर कर सकती हैं। आप ऑनलाइन टीचिंग के लिए मेरिटनेशन, चैग इंडिया या अनअकैडमी वेबसाइट पर रजिस्टर कर सकती हैं।

वर्चुअल असिस्टेंट

इसमें कोई शक नहीं कि तकनीक ने काम को कुशलता के साथ पूरा करने और इनोवेटिव तरीके से लक्ष्य हासिल करने के नए तरीके सामने रखे हैं। वर्चुअल असिस्टेंट, कंपनियों को उनके अलग-अलग कामों में मदद करते हैं और अच्छे पैसे कमाते हैं। इस काम से आप हर घंटे 500 से 4000 रुपये तक की कमाई कर सकती हैं। वर्चुअल असिस्टेंट के कई काम होते हैं। इसमें आपको कंपनी के ऑर्डर पर नजर रखना, कंपनी के पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन बनाना, बिजनेस डॉक्यूमेंट्स बनाना आदि शामिल होते हैं। इसके लिए आपको थोड़ी ट्रेनिंग की भी जरूरत पड़ सकती है।

बनाना चाहते हैं बिजनेस में करियर? यहां से ले सकते हैं मदद

अगर आपको भी बिजनेस में अधिक रुचि है, तो आप भी बिजनेस एनालिटिक्स में अपना करियर बना सकते हैं। इसके लिए यहां हम कुछ कोर्स के बारे में बताने वाले हैं, जो आपके लिए काम की हो सकती है।

आज की प्रतिस्पर्धी दुनिया में बिजनेस एनालिटिक्स के क्षेत्र में मांग लगातार बढ़ रही है। हर इंडस्ट्री और कंपनियों को एक्सपर्ट्स की तलाश रहती है, जो उन्हें बेहतर स्ट्रैटेजिक सॉल्यूशन दे सके। दरअसल, बिजनेस एनालिटिक्स का काम फैक्ट्स और उपलब्ध डेटा का अच्छी तरह विश्लेषण कर कंपनी के लिए बिजनेस संबंधित नीतियां तैयार करना है।

जो भी पढ़ाई करने के बाद अगर टेक्निकल स्किल की ओर अपना करियर बनाना चाहते हैं, तो वह बिजनेस एनालिटिक्स का कोर्स कर सकते हैं। इसकी डिमांड भारत में ही नहीं बल्कि विदेशों में भी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में आप बिजनेस की तरफ अपना रुख कर सकती हैं। इससे आपको विदेशों में भी नौकरी पाने का मौका मिल सकता है। इसी के साथ आइए कोर्स और जॉब प्रोफाइल आदि के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कब कर सकते हैं बिजनेस संबंधित कोर्स?

कंप्यूटर साइंस स्ट्रीम के साथ बी.टेक या बी.ई कोर्स करने के लिए उम्मीदवार का फिजिक्स, केमेस्ट्री और मैथ के साथ 12वीं में पास होना अनिवार्य है। इसके लिए किसी भी मान्यता प्राप्त बोर्ड या विश्वविद्यालय से 12वीं या स्नातक होना अनिवार्य है। इसके अलावा, 12वीं में इंग्लिश एक अनिवार्य विषय के रूप में होना चाहिए। साथ ही, कैंडिडेट को अंग्रेजी और हिंदी दोनों भाषाओं का ज्ञान होना जरूरी है। अगर आप में ये सभी योग्यता है, तो आप करियर के लिहाज से बिजनेस एनालिस्ट का चयन कर सकती हैं।

बिजनेस एनालिस्ट में टॉप कोर्स

- सर्टिफिकेट प्रोग्राम इन बिजनेस एनालिटिक्स
- बीबीए इन बिजनेस एनालिसिस
- एश्योरेंस एनालिटिक्स फॉर मैनेजमेंट
- बैचलर इन कम्प्यूटेशनल बिजनेस एनालिटिक्स
- पीजीपी इन बिजनेस एनालिटिक्स
- एमबीए इन बिजनेस एनालिटिक्स
- बिजनेस एनालिस्ट में सर्टिफिकेशन
- सीएफए (चार्टर्ड फाइनेंशियल एनालिस्ट)
- एफआरएम (फाइनेंशियल रिस्क मैनेजर) सर्टिफिकेट
- PMI-प्रोफेशनल्स इन बिजनेस एनालिसिस सर्टिफिकेट
- आईआईबीए एजाइल एनालिसिस सर्टिफिकेशन
- IREB-सर्टिफाइड प्रोफेशनल फॉर रिक्वायरमेंट्स इंजीनियरिंग
- प्रोजेक्ट मैनेजमेंट सर्टिफिकेशन (एमबीए इन प्रोजेक्ट मैनेजमेंट)
- IIBA सर्टिफिकेशन ऑफ कॉम्पिटेंसी इन बिजनेस एनालिसिस

भारत में बिजनेस एनालिटिक्स के लिए टॉप संस्थान

- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, अहमदाबाद, गुजरात
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, कोलकाता, पश्चिम बंगाल
- वीजीएसओएम, खड़गपुर, पश्चिम बंगाल
- एक्सएलआरआई, जमशेदपुर, झारखंड
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, इंदौर, मध्य प्रदेश
- इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, शिलांग, मेघालय
- इंडियन स्कूल ऑफ बिज़नेस, हैदराबाद
- एनआईटी त्रिची, तिरुचिरापल्ली, तमिलनाडु
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, बैंगलोर, कर्नाटक
- एसपी जैन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, मुंबई
- सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, पुणे

करीब 46 लाख नए शेयर का आईपीओ ला रही नेफ्रो केयर इंडिया, हेल्थ सेक्टर में है बड़ा नाम

नई दिल्ली, एजेंसी। किडनी की देखभाल संबंधी सेवाएं देने वाली कंपनी नेफ्रो केयर इंडिया लिमिटेड ने कहा कि वह आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के जरिए 35-40 करोड़ रुपये जुटाने की तैयारी कर रही है। कंपनी ने कहा कि आईपीओ से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कोलकाता के पास अत्याधुनिक अस्पताल तैयार करने के लिए किया जाएगा।

45.84 लाख नए शेयर

नेफ्रो केयर के संस्थापक और प्रबंध निदेशक डॉ प्रतिम सेनगुप्ता ने कहा कि आईपीओ में 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 45.84 लाख नये इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। सेनगुप्ता ने कहा कि आईपीओ को अगले महीने एनएसई इमर्ज मंच पर लाने की तैयारी है और इसके लिए एक्सचेंज की मंजूरी ली जानी है। उन्होंने कहा कि आईपीओ के बाद प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 60-65 फीसदी रह जाएगी। इसके साथ ही सेनगुप्ता ने कहा कि महानगर के पास मध्यमग्राम में 100 बिस्तरों वाले मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल का उद्घाटन 1 जुलाई को राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस पर किया जाएगा।

2014 में स्थापित नेफ्रो केयर इंडिया ने पश्चिम बंगाल में अपनी मौजूदा तीन सुविधाओं के अलावा पूर्वी भारत में तीन और किडनी देखभाल इकाइयां खोलने की भी योजना बनाई है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के पहले नौ महीनों के दौरान 19.90 करोड़ रुपये का राजस्व और 3.4 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया। नेफ्रो केयर इंडिया लिमिटेड वर्तमान में लगभग 900 क्रोनिक किडनी रोग (सीकेडी) रोगियों की मासिक देखभाल करता है। 5,352 वर्ग फुट में फैले इसके प्रमुख साल्ट लेक क्लिनिक में 5 से अधिक स्थायी चिकित्सक, 10 विजिटिंग सलाहकार और 70 कुशल पेशेवरों की एक टीम है।

दिसंबर 2023 में नेफ्रो केयर इंडिया ने अपना प्री-आईपीओ फंडिंग राउंड सफलतापूर्वक संपन्न किया। इसमें बैंकिंग दिग्गज और एचडीएफसी लिमिटेड के पूर्व चेयरमैन दीपक पारेख, एचडीएफसी सिक्योरिटीज के चेयरमैन भरत शाह, मैकलियोड्स फार्मास्यूटिकल्स के संस्थापक और एमडी राजेंद्र अग्रवाल समेत अन्य लोगों की भागीदारी थी।

हुंडई मोटर लेकर आ रही देश का सबसे बड़ा आईपीओ

ऑटो सेक्टर की दिग्गज कंपनी- हुंडई मोटर अपने भारतीय कारोबार को शेयर बाजार में लिस्टेड करने की योजना बना रही है। इस मेगा लिस्टिंग के लिए कंपनी ने निवेश बैंक- कोटक महिंद्रा कैपिटल और मॉर्गन स्टेनली को भी चुन लिया है। इस हाई-प्रोफाइल डील के लिए सिटी, जेपी मॉर्गन और एचएसबीसी सिक्योरिटीज पहले से ही शामिल थे। यह संभावित रूप से भारत का सबसे बड़ा आईपीओ होगा। इसके जरिए . 2.5 बिलियन से . 3 बिलियन के बीच जुटाने की योजना है। बता दें कि इससे पहले एलआईसी का आईपीओ मई 2022 में आया था, जिससे कंपनी ने 2.7 बिलियन डॉलर जुटाए। मनीकंट्रोल की खबर के मुताबिक कोटक महिंद्रा कैपिटल और मॉर्गन स्टेनली जुड़ गए हैं। कंपनी का लक्ष्य जून के अंत या जुलाई तक सेबी के साथ डीआरएचपी (ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस) दाखिल करना है। एक सफल लिस्टिंग कई अन्य शीर्ष बहुराष्ट्रीय कंपनियों को इसका अनुसरण करने के लिए प्रेरित करेगी। हालांकि, मूल्यांकन और आईपीओ का आकार अभी तक तय नहीं हुआ है। यह इश्यू पूरी तरह से ओएफएस (बिक्री के लिए प्रस्ताव) होने की संभावना है। वित्त वर्ष 2024 में हुंडई मोटर इंडिया लिमिटेड ने पैसेंजर कार के मामले में दूसरा स्थान हासिल किया। यह मारुति सुजुकी के बाद भारत की दूसरी सबसे बड़ी कार निर्माता थी। हुंडई मोटर इंडिया ने वित्त वर्ष 2023 को 60,000 करोड़ रुपये के राजस्व और 4,653 करोड़ रुपये के मुनाफे के साथ समाप्त किया, जो देश में गैर-सूचीबद्ध कार निर्माताओं में सबसे अधिक है। इकोनॉमिक टाइम्स ने सबसे पहले 5 फरवरी को हुंडई की भारत में लिस्टिंग की योजना की रिपोर्ट दी थी। मीडिया रिपोर्टों पर प्रतिक्रिया देते हुए, हुंडई मोटर कंपनी ने 7 फरवरी को कोरियाई स्टॉक एक्सचेंज को एक आधिकारिक बयान जारी किया। हुंडई ने कहा कि एक वैश्विक कंपनी के रूप में वह लगातार कॉर्पोरेट मूल्य बढ़ाने के लिए विदेशी सहायक कंपनियों को सूचीबद्ध करने सहित विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा करती है।

संक्षिप्त समाचार

सोनी इंडिया के एमडी और सीईओ एनपी सिंह देंगे इस्तीफा, 25 वर्षों से जुड़े हैं कंपनी के साथ

नई दिल्ली, एजेंसी। सोनी पिक्चर्स नेटवर्क्स इंडिया के एमडी और सीईओ एनपी सिंह ने अपना पद छोड़ने की घोषणा की है। सिंह ने एक प्रेस रिलीज जारी कर कहा, आज मेरे पास साझा करने के लिए एक महत्वपूर्ण अपडेट है। मैंने एमडी और सीईओ के रूप में अपनी भूमिका से आगे बढ़ने का फैसला किया है। 25 साल तक कंपनी से जुड़े रहने के बाद वह अपने पद से हटने का फैसला किया है। अपने 44 वर्ष के करियर में एनपी सिंह ने 25 वर्ष कर सोनी पिक्चर्स के साथ काम किया है। एनपी सिंह ने कहा कि अब वह सामाजिक परिवर्तन पर ध्यान केंद्रित करेंगे। साथ ही वह अब परिचालन भूमिकाओं से सलाहकार भूमिकाओं में जाने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा, हालांकि, एसपीएनआई और इसकी सफलता के प्रति मेरी प्रतिबद्धता मजबूत बनी हुई है। यहां मेरे कार्यकाल के दौरान, हमने उद्योग के मानक स्थापित किए हैं। अपनी पहुंच का विस्तार किया है। साथ ही कई बड़ी उपलब्धियां हासिल की हैं। मैं यह सुनिश्चित करने के लिए समर्पित हूं कि सफलता की हमारी विरासत जारी रहे और नए नेतृत्व के साथ आगे बढ़े। कंपनी ने जानकारी दी है कि उन्होंने अपने अगले एमडी और सीईओ पद के लिए भर्ती प्रक्रिया शुरू कर दी है। मगर जब तक कंपनी को पदभार संभालने के लिए सही व्यक्ति नहीं मिल जाता है, एनपी सिंह तब तक कंपनी में बने रहेंगे। वे सलाहकार की भूमिका में आ रहे हैं और उत्तराधिकारी की तलाश कर रहे हैं।

पीएमओ में काम करने वाले पूर्व नौकरशाह होंगे आईसीआईसीआई बैंक के नए पार्ट टाइम चेयरमैन

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक ने आइसीआइसीआइ बैंक के पार्ट टाइम चेयरमैन के रूप में प्रदीप कुमार सिन्हा की नियुक्ति को अपनी मंजूरी दे दी है। सिन्हा 1 जुलाई, 2024 से शुरू होने वाले तीन साल के कार्यकाल के लिए इस भूमिका को संभालने के लिए तैयार हैं। प्रदीप कुमार सिन्हा जीसी चतुर्वेदी की जगह लेंगे, जो 30 जून, 2024 को व्यावसायिक घंटों के बाद गैर-कार्यकारी अंशकालिक अध्यक्ष के रूप में सेवानिवृत्त होने वाले हैं। सिन्हा ओएनजीसी, आईओसीएल, एचपीसीएल, बीपीसीएल, गेल आदि जैसे कई प्रमुख सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों में सरकार द्वारा नामित निदेशक रहे हैं। विशेष रूप से, वह इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन (आईओसीएल) के बोर्ड में लगभग 7 वर्षों तक और इसी तरह बीपीसीएल और एचपीसीएल के बोर्डों में लगभग 6 वर्षों तक रहे। उन्होंने लगभग 15 वर्षों तक बिजली और तेल और गैस मंत्रालयों में काम किया। उन्होंने वित्तीय सलाहकार और विशेष सचिव, पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस; सचिव, बंदरगाह और जहाजरानी; और सचिव, विद्युत के रूप में अपनी सेवाएं दी हैं। उन्हें ऊर्जा, बुनियादी ढांचा, परिवहन, शहरी विकास और वित्त के क्षेत्रों में विशेषज्ञता हासिल है। आईसीआईसीआई बैंक की वेबसाइट के अनुसार, सिन्हा 1976 में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स से अर्थशास्त्र में परास्नातक करने के बाद 1977 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में शामिल हुए। उन्होंने दिल्ली के सेंट स्टीफंस कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक किया है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में सेवा की, जिसके बाद उन्होंने ज्यादातर समय भारत सरकार में सेवा की और कैबिनेट सचिव के सर्वोच्च पद तक पहुंचे। उन्होंने प्रधानमंत्री कार्यालय में जाने से पहले 4 साल से अधिक समय तक कैबिनेट सचिव के रूप में कार्य किया। वह 44 साल तक देश की निरंतर सेवा के बाद मार्च 2021 में वहां से सेवानिवृत्त हुए।

लैब में तैयार हो रहे हीरे की कीमतें गिरीं

मुंबई , एजेंसी। सिंथेटिक डायमंड या यों कहें कि एलजीडी की कीमतें लगातार नीचे आ रही हैं। लेकिन इसके बाद भी ग्राहक ज्यादा कीमतें चुका रहे हैं। ग्लोबल मार्केट्स में ओवरप्रोडक्टशन के कारण एफवाय24 में इंडियन लैब ग्रोन डायमंड की कीमतों में 45 फीसदी की गिरावट आई है। लेकिन ज्यादा कीमत बाजार में वसूली जा रही है। उन्मेदमल त्रिलोकचंद झवेरी के प्रमुख कुमार जैन के मुताबिक, गोल्ड महंगा होने से लोगों का एलजीबी की ओर थोड़ा आकर्षण बढ़ा है। लोगों को लग रहा है कि उन्हें अच्छी डील मिल रही है। लेकिन ऐसा नहीं है। सिंथेटिक डायमंड की ट्रेड 99 पर्सेंट के लो पर हो रही है। इसकी कीमतों का कोई फिक्स पैमाना नहीं है। इसकी वजह से बड़े जूलरी कारोबारी अभी इससे दूर हैं।

एक्सपर्ट्स का कहना है कि नेचुरल डायमंड की तुलना में एलजीडी बहुत सस्ते होते हैं। यह वैसे ही दिखते भी हैं। अमेरिका जैसे बाजारों में इनकी ज्यादा बिक्री होती है। भारत में सरकारी प्रोत्साहन के चलते सेल्स जोर पकड़ रही है। हालांकि कुछ इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स का कहना है कि कुछ जूलर्स इसलिए भी लैब ग्रोन को पुश कर रहे हैं, जिससे बड़ा प्रॉफिट मार्जिन पाया जा सके।

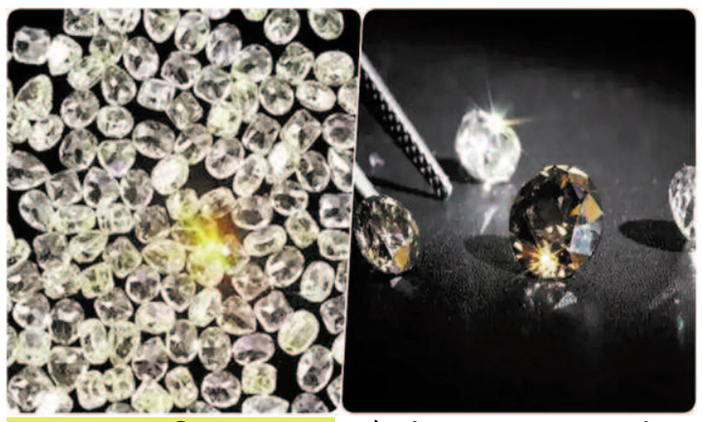

इस वजह से गिर रहे भाव

मैत्री लैब ग्रोन डायमंड के डायरेक्टर शाजिल शाह के मुताबिक, एलजीडी की कीमतों में गिरावट की एक वजह यह भी है कि प्रोडक्शन के लिए अचानक बहुत सारे लोग मैदान में आ गए हैं। अब सिंथेटिक डायमंड की कीमतों में गिरावट से मैन्युफैक्चरर्स को नुकसान हो रहा है। नेचुरल डायमंड में अग्रणी रिटेलर जयपुर रत्न के सीईओ सिद्धार्थ सचेती के मुताबिक, लैब ग्रोन जब शुरू हुआ था, तब नेचुरल डायमंड से यह 65-70 पर्सेंट तक सस्ता मिल जाता था। लेकिन बाद में जब हर कोई लैब में झटपट डायमंड बनाने लगा तो इसकी ओवरसप्लाई होने लगी। हाल यह है कि रेपापोर्ट प्राइस के मुताबिक, नेचुरल डायमंड से 60-70 पर्सेंट के डिस्काउंट पर मिलने वाला एलजीडी 99.9 पर्सेंट डिस्काउंट पर मिल रहा है। रेपापोर्ट प्राइस में एलजीडी की प्राइस को नेचुरल डायमंड के मुताबिक तय किया जाता है।

यूनियन बैंक ने लग्जरी हाउसिंग प्रोजेक्ट में किया 250 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने हैदराबाद रियल्टी कंपनी की लग्जरी हाउसिंग परियोजना में 250 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इस मामले से जुड़े दो लोगों ने बताया कि यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने हैदराबाद स्थित डेवलपर नवनामी प्रोजेक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के लग्जरी हाउसिंग परियोजना के लिए ये इनवेस्टमेंट किया है। कंपनी की परियोजना का नाम द मेगालियो है। यह प्रोजेक्ट 10 लाख वर्ग फुट से ज्यादा के एरिया में फैला होगा। इसके लिए करीब 800 से 900 करोड़ रुपये की जरूरत होगी। बैंक से जुटाई गई रकम का इस्तेमाल रियल्टी फर्म की ओर से निर्माण कार्य को शुरू करने के लिए किया जाएगा। वहीं बाकी का काम बिक्री से मिलने वाली रकम के जरिए किया जाएगा। यह करीब 1200 करोड़ रुपये से ज्यादा होगा।

नवनामी के संस्थापक और प्रबंध निदेशक नवीन गड्डे के मुताबिक, वह बैंक को साथ लाने में सफल रहे हैं, जो निर्माण के शुरुआती चरणों में उनकी मदद करेगा। भूमि की इस जगह ने उन्हें सुपर लग्जरी अपार्टमेंट बनाने की योजना में मदद की है। वहीं क्वालिटी में कोई कमी न हो इसके लिए वैश्विक आर्किटेक्ट को बुलाया गया है। बता दें कि दक्षिण भारत के बेंगलुरु, हैदराबाद और चेन्नई शहरों में पिछले पांच सालों में कुल मिलाकर बिके बिना रह गए फ्लैटों की संख्या में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। दक्षिण भारत में अनबिके मकानों की अपेक्षाकृत कम संख्या का कारण हैदराबाद में नए लॉन्च होने वाली परियोजनाओं की अधिकता है, खासकर पिछले दो सालों में। शहर में पिछले 5 वर्षों में आवास स्टॉक लगभग चार गुना बढ़ गया है। नवनामी की परियोजना मेगालियो 1200 एकड़ हरियाली से घिरी होगी। यह हिमायत सागर और उस्मान सागर जैसे संरक्षित जल निकायों के आसपास होगी। इस 50 मंजिला इमारत में 150 अपार्टमेंट होंगे। कंपनी ने अब तक हैदराबाद में एक विला परियोजना और एक कमर्शियल परियोजना भी विकसित की है।

पढ़ने के लिए भारत से यूएई गया दिल्ली का छोरा, ऐसा कारोबारी बना दुनिया देखती रह गई!

नई दिल्ली, एजेंसी। आज हम आपको ऐसे शख्स से मिलाने जा रहे हैं जो सेल्फ-मेड बिलियनेयर हैं। वह किसी उद्योग घराने से ताल्लुक नहीं रखते हैं। उन्होंने जो कुछ भी पाया है खुद हासिल किया है। उनका नाम है प्रतीक सूरी। उनकी सफलता की कहानी दृढ़ संकल्प, दूरदर्शिता और उद्यमशीलता की भावना की ताकत को दर्शाती है। उनका जन्म भारत में हुआ। इस युवक ने साधारण शुरुआत से लेकर दिग्गज टेक्नोलॉजी यूनिकॉर्न मेसर ग्रुप का नेतृत्व करने तक असाधारण यात्रा की है। यह अफ्रीका और दुबई में स्थित इलेक्ट्रॉनिक्स निर्माता कंपनी है। प्रतीक सूरी इसके संस्थापक, चेयरमैन और सीईओ हैं। आइए, यहां उनकी कारोबारी यात्रा के बारे में जानते हैं।

प्रतीक सूरी राजधानी दिल्ली से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने मॉडर्न स्कूल बाराखंबा रोड से अपनी स्कूली शिक्षा पूरी की। साल 2006 में वह नई दिल्ली से बिट्स पिलानी दुबई में मैकेनिकल इंजीनियरिंग की पढ़ाई के लिए संयुक्त अरब अमीरात चले गए। इसी दौरान उन्हें दो महत्वपूर्ण बातों का एहसास हुआ। इन्होंने उनके करियर का रास्ता तैयार किया। वह यूएई की आबादी में अपार विविधता देखकर चकित थे। इसमें लगभग 200 अलग-अलग देशों के लोग थे। ऐसे वैश्विक समुदाय का हिस्सा होने से उन्हें अपने देश की सीमाओं से परे मौजूद बेशुमार मौकों का भी एहसास हुआ।

स्मार्ट टीवी हुई सुपरहिट

सूरी ने अफ्रीकी बाजार को समझते हुए प्रोडक्ट पेश किए। उनके समर्पित प्रयास के कारण मेसर ने अफ्रीका में सफलता प्राप्त की। कंपनी के प्रमुख प्रोडक्ट स्मार्ट टेलीविजन को अफ्रीकी ग्राहकों ने हाथोंहाथ लिया। इसके चलते मेसर ने पूरे क्षेत्र में 8 लाख से ज्यादा यूनिटें बेचीं। सूरी अफ्रीकी इंफ्रास्ट्रक्चर और प्रतिभा में निवेश करके मेसर के विकास को आगे बढ़ा रहे हैं। इसके अलावा वह महाद्वीप के व्यापक आर्थिक और सामाजिक परिवर्तन में भी योगदान दे रहे हैं।

टेक्नोलॉजी यूनिकॉर्न बन चुकी है मेसर

मेसर के आगे बढ़ने के साथ प्रतीक सूरी महत्वाकांक्षी उद्यमियों, खासकर उभरते बाजारों के उद्यमियों के लिए आदर्श के रूप में उभरे हैं। भारत में अपनी साधारण शुरुआत से लेकर एक अरब डॉलर से ज्यादा के टेक्नोलॉजी यूनिकॉर्न के शीर्ष पर पहुंचने तक सूरी की कहानी इस बात का शानदार उदाहरण है कि दूरदृष्टि, दृढ़ संकल्प और इनोवेशन की निरंतर खोज के जरिये क्या हासिल किया जा सकता है।

2012 में मेसर की रखी नींव

इस नए ज्ञान से लैस सूरी ने अपना खुद का व्यवसाय स्थापित करना शुरू कर दिया। 2012 में उन्होंने मेसर की नींव रखी। यह कंपनी सस्ते और हाई क्वालिटी के कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स प्रोडक्ट का उत्पादन करती है। नए रुझानों के बारे में सूरी की गहरी समझ और जटिल वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के प्रबंधन में उनके कौशल ने मेसर को अफ्रीकी बाजार में जल्दी से अपनी उपस्थिति स्थापित करने में सक्षम बनाया।

महीने में 25,000 कमाते हैं तो भी बन सकते हैं करोड़पति

नई दिल्ली, एजेंसी। 25 हजार रुपये के मासिक वेतन के साथ 1 करोड़ रुपये की बचत करना मुश्किल लग सकता है। लेकिन, इस लक्ष्य को लंबे समय तक नियमित निवेश के जरिये हासिल किया जा सकता है। इस फाइनेंशियल टारगेट को पाने के लिए एक साफ-सुथरा प्लान रेडी रखना जरूरी है। 1 करोड़ रुपये की बचत का लक्ष्य निर्धारित करने के बाद अगला कदम सबसे सही निवेश विकल्प तलाशना होगा। इक्विटी (शेयर) निवेश ने ऐतिहासिक रूप से डेट इंस्ट्रूमेंट्स (एफडी या बॉन्ड) के मुकाबले अधिक रिटर्न दिया है। इक्विटी में जोखिम अधिक होता है। यह और बात है कि वह आकर्षक साबित हुआ है। उसमें लंबी अवधि में बेहतर रिटर्न देने की क्षमता है। विश्लेषण के अनुसार, जब आप 1 करोड़ रुपये जैसी बड़ी राशि जमा करना चाहते हैं तो सिस्टमैटिक इंवेस्टमेंट प्लान यानी एसआईपी के जरिये इक्विटी म्यूचुअल फंड में निवेश करना सही है।

जब आप म्यूचुअल फंड एसआईपी का विकल्प चुनते हैं तो आप नियमित रूप से एक निश्चित राशि निवेश करने के लिए राजी होते हैं। आमतौर पर हर महीने। भले ही आप एक छोटे से निवेश से शुरुआत करें, लेकिन कंपाउंडिंग और रुपया-लागत औसत के लाभ आपको लंबे समय में पर्याप्त राशि जमा करने में मदद करते हैं।

समय के साथ एसआईपी बढ़ाने की रणनीति

आप स्टेप-अप एसआईपी रणनीति का इस्तेमाल करके 1 करोड़ रुपये अधिक तेजी से जमा कर सकते हैं। इस रणनीति में हर साल आपकी सैलरी बढ़ने के साथ अपनी मासिक एसआईपी किस्त को बढ़ाना शामिल है। यह तरीका न केवल आपकी बचत पर महंगाई के प्रतिकूल प्रभावों का मुकाबला करने में मदद करती है, बल्कि आपको अपनी बचत को अपनी आय वृद्धि के साथ तालमेल बैठाने की भी इजाजत देती है।

1 करोड़ रुपये जुटाने का तरीका क्या है

अपनी आय का एक बड़ा हिस्सा एसआईपी में निवेश करने की सलाह नहीं दी जाती है। इसके बजाय दीर्घकालिक वित्तीय लक्ष्यों के लिए अपने मासिक वेतन का 15-20 फीसदी लगातार बचाना महत्वपूर्ण है। अगर आप कम राशि का निवेश करते हैं तो आपको अपना लक्ष्य प्राप्त करने में अधिक समय लगेगा। ऐसे में आप अगर 12 प्रतिशत वार्षिक रिटर्न वाली इक्विटी म्यूचुअल फंड स्कीम में हर महीने 4,000 रुपये निवेश करते हैं तो आपको 1 करोड़ रुपये जमा करने में 28 साल (339 महीने) से थोड़ा ज्यादा समय लगेगा। हमारे सहयोगी नेटवर्क इकनॉमिक टाइम्स के विश्लेषण के अनुसार, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आप बिना किसी रुकावट के लगातार निवेश करते हैं या नहीं। आप अपना मासिक निवेश अगर बढ़ाकर 5,000 रुपये कर देते हैं तो 12 प्रतिशत ब्याज दर के साथ 1 करोड़ रुपये बचाने के लिए आवश्यक समय को 26 वर्ष (317 महीने) से कुछ अधिक तक कम कर सकते हैं। यदि आप अपने वेतन का 30 प्रतिशत, जो 7,500 रुपये प्रति माह के बराबर है, अलग रख सकते हैं तो आप लगातार वार्षिक ब्याज दर को ध्यान में रखते हुए 23 साल या 276 महीनों में 1 करोड़ रुपये के अपने लक्ष्य तक पहुंच जाएंगे। इसके अलावा अगर आप हर महीने 10,000 रुपये का निवेश करते हैं, जो आपके मासिक वेतन का 40 प्रतिशत है, तो आप 20 साल या 248 महीनों में 1 करोड़ रुपये जमा कर लेंगे। ये उदाहरण दर्शाते हैं कि आप जितनी तेजी से हर महीने निवेश करेंगे, उतनी ही जल्दी आप 1 करोड़ रुपये बचाने का अपना वित्तीय लक्ष्य हासिल कर लेंगे।

प्रिकोल लिमिटेड के शेयरों ने निवेशकों को दिया 1200 प्रतिशत से ज्यादा रिटर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। ऑटोमोबाइल सेक्टर के बिजनेस से जुड़ी एक कंपनी ने बीते कुछ सालों में अपने ग्राहकों को ताबड़तोड़ रिटर्न दिया है। यह कंपनी प्रिकोल लिमिटेड है। बता दें कि प्रिकोल लिमिटेड के शेयरों ने निवेशकों को पिछले 1 साल में करीब 100 पर्सेंट का रिटर्न दिया है। जबकि यह मल्टीबैगर शेयर अपने निवेशकों को पिछले 5 साल में 1200 पर्सेंट से अधिक का बंपर रिटर्न दिया है। बता दें कि बीते फाइनेंशियल ईयर 2024 की जनवरी-मार्च तिमाही के नतीजे में कंपनी को मुनाफा हुआ है। हालांकि, कंपनी के शेयर हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी 24 मई, शुक्रवार को 0.44 पर्सेंट की गिरावट के साथ 452.25 रुपये पर बंद हुए।

दूसरी ओर अगर प्रिकोल लिमिटेड के शेयर परफॉर्मेंस की बात करें तो ब्रोकरेज फर्म मोनार्क नेटवर्थ कैपिटल ने स्टॉक के लिए हाल में ही टारगेट प्राइस को 465 रुपये से बढ़ाकर 500 रुपये कर दिया है। इसका मतलब हुआ कि ब्रोकरेज को स्टॉक में 11 पर्सेंट की बढ़ोतरी की संभावना दिख रही है। इसके अलावा, एक्सचेंज फाइलिंग को दी गई जानकारी के अनुसार प्रिकोल लिमिटेड ने जनवरी-मार्च 2024 में समाप्त तिमाही के लिए 41.50 करोड़ रुपये का कंसोलिडेटेड प्रॉफिट हुआ है। जबकि कंपनी का नेट प्रॉफिट इस दौरान 140.61 करोड़ रुपये रहा।

अगर कंपनी के शेयर परफॉर्मेंस की बात करें तो कल यानी 24 मई को स्टॉक 454.40 रुपये पर ओपन हुए। वहीं, इंट्राडे ट्रेड के दौरान कंपनी के शेयर 461.50 रुपये तक पहुंचे। जबकि कंपनी के शेयरों का प्रीवियस क्लोज 454.25 रुपये था। दूसरी ओर कंपनी के 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर 468 रुपये है। जबकि कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 211.25 रुपये है। इसके अलावा, अगर कंपनी के कुल मार्केट कैप की बात करें तो यह 5,512.09 रुपये है।

युवराज सिंह के बाद...

शाहिद आफरीदी भी बने टी20 विश्व कप के ब्रांड एंबेसडर

दुबई, एजेंसी। आईसीसी ने पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर शाहिद आफरीदी को टी20 विश्व कप का ब्रांड एंबेसडर बनाया है। शाहिद अफरीदी इस मेगा इवेंट के लिए ब्रांड एंबेसडर्स की लिस्ट में टी20 के दिग्गज युवराज सिंह, क्रिस गेल और आठ बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता धावक उसेन बोल्ट के साथ शामिल हो गए हैं। आईसीसी ने एक विज्ञप्ति में बताया, छह टी20 विश्व कप खेलने का अनुभव, जिनमें से दो में कप्तानी संभालने वाले शाहिद आफरीदी का

प्रदर्शन शानदार रहा। आफरीदी ने लॉर्ड्स में फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच प्रदर्शन के साथ पाकिस्तान की 2009 की जीत का नेतृत्व किया। उनका अनुभव और विश्व कप में प्रदर्शन सराहनीय है। आफरीदी ने कहा कि वह टी20 विश्व कप का हिस्सा बनकर खुश हैं और 9 जून को चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मुकाबले के लिए उत्साहित हैं। आफरीदी ने कहा, मैं 9 जून को भारत बनाम पाकिस्तान मैच देखने के लिए विशेष रूप से उत्साहित हूं। यह खेल में महान प्रतिद्वंद्विता में से एक है और न्यूयॉर्क दो महान टीमों के बीच इस अविस्मरणीय मुकाबले के लिए एक उपयुक्त मंच होगा। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप एक ऐसा आयोजन है जो मेरे दिल के बहुत करीब है। उद्घाटन संस्करण में प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बनने से लेकर 2009 में ट्रॉफी जीतने तक, मेरे करियर के कुछ पसंदीदा आकर्षण इस मंच पर प्रतिस्पर्धा करने से आए हैं।

सुनील छैत्री रिटायरमेंट

कोच स्टिमैक ने जताई उम्मीद

- **कहा- छेत्री के आखिरी मैच में खचाखच भरा रह सकता है मैदान**

भुवनेश्वर, एजेंसी। कुवैत के खिलाफ इस मैच से छेत्री के 19 साल के चमकदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत होगा। इस दौरान उन्होंने 150 मैचों में 94 गोल कर भारत के शीर्ष गोल स्कोरर बने। वह अपने विदाई मैच के बाद 151 मैच से भारत के सबसे ज्यादा मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी होंगे।

भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक को उम्मीद है कि छह जून को कोलकाता का सॉल्ट लेक स्टेडियम दर्शकों से खचाखच भरा रह सकता है। उस दिन भारत को कुवैत के खिलाफ विश्व कप क्वालिफिकेशन मैच खेलना है, जो करिश्माई कप्तान सुनील छेत्री का आखिरी अंतरराष्ट्रीय मैच भी होगा। स्टिमैक को उम्मीद है कि पूरे देश से दर्शक छह जून को सॉल्ट लेक स्टेडियम में जुटेंगे।

कुवैत के खिलाफ इस मैच से छेत्री के 19 साल के चमकदार अंतरराष्ट्रीय करियर का अंत होगा। इस दौरान उन्होंने 150 मैचों में 94 गोल कर भारत के शीर्ष गोल स्कोरर बने। वह अपने विदाई मैच के बाद 151 मैच से भारत के सबसे ज्यादा मुकाबले खेलने वाले खिलाड़ी होंगे। कुवैत के खिलाफ मैच में जीत से भारत इतिहास में पहली बार विश्व कप क्वालिफायर के तीसरे दौर में पहुंच जाएगा। स्टिमैक ने कहा- इस मैच की अहमियत को देखते हुए जिसमें हम पहली बार तीसरे दौर के लिए क्वालिफाई करने से महज एक जीत दूर होंगे और यह सुनील छेत्री का विदाई मैच भी होगा तो हम उम्मीद करते हैं कि सॉल्ट लेक स्टेडियम खचाखच भरा होगा। उन्होंने कहा, मुझे पूरा भरोसा है कि फैंस देश के हर हिस्से से कोलकाता पहुंचेंगे और हमारे खिलाड़ियों को मैच जीतने में मदद करेंगे। साथ ही सुनील छेत्री को शुक्रिया और अलविदा कहेंगे। मुझे पूरा भरोसा है कि यह काफी भावनात्मक पल होगा और उम्मीद करते हैं कि हम मैच खत्म होने के बाद फैंस के लिए कुछ खास करेंगे। टीम करीब दो हफ्तों से ट्रेनिंग कर रही है और 29 मई को कोलकाता पहुंचेगी। मुख्य कोच ने कहा- खिलाड़ी अच्छा कर रहे हैं। यह कई बार साबित हो चुका है कि लंबा शिविर हमेशा हमारे लिए मददगार रहा है। हम खेल के विभिन्न पहलुओं पर काम कर रहे हैं जिसमें डिफेंड करना और काउंटर अटैक भी शामिल है।

हम फाइनल का लक्ष्य लेकर ही उतरे थे : कमिंस

नईदिल्ली, एजेंसी। पैट कमिंस की कप्तानी में सनराइजर्स हैदराबाद ने इतिहास दोहराते हुए 2018 के बाद पहली बार फाइनल में जगह बना ली। अब उनका 26 मई को कोलकाता नाइट राइडर्स से मुकाबला होगा। हैदराबाद ने चेन्नई के चेपॉक स्टेडियम में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेला गया क्वालिफायर 2 मुकाबला 36 रन से जीता। हैदराबाद ने पहले खेलते हुए हेनरिक क्लासेन के अर्धशतक की बदौलत 175 रन बनाए थे जवाब में राजस्थान की टीम 139 रन ही बना पाई। फाइनल में पहुंचने के बाद कमिंस ने टीम के बदलावों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि हमने जिस तरह से खेला, उसमें आपने देखा है। फाइनल ही लक्ष्य था और हमने इसे हासिल कर लिया है।

तीसरी बार फाइनल में पहुंची हैदराबाद

हैदराबाद अब तक तीन बार आईपीएल फाइनल में पहुंच चुकी है। हैदराबाद ने 2016 में आरसीबी को हराकर पहली बार आईपीएल खिताब जीता था। इसके बाद 2018 में वह एक बार फिर से फाइनल में पहुंचे थे जहां उन्हें चेन्नई सुपर किंग्स के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। इस सीजन में हैदराबाद की कप्तानी केन विलियमसन के हाथ में थी। लेकिन अब 2024 सीजन में ऑस्ट्रेलिया के पैट कमिंस हैदराबाद को फाइनल में ले गए हैं। कमिंस अपनी कप्तानी में विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप, वनडे विश्व कप जीत चुके हैं। अब भारत की धरती पर उनकी नजरें आईपीएल फाइनल पर टिकी हुई हैं।

भारतीय महिला कंपाउंड तीरंदाजी टीम ने गोल्ड, मिक्स्ड टीम ने जीता सिल्वर

नईदिल्ली, एजेंसी। साउथ कोरिया के येचिओन में चल रहे वर्ल्ड कप स्टेज-2 कंपाउंड आर्चरी में भारतीय महिला टीम को गोल्ड और मिक्स्ड टीम में सिल्वर मेडल मिला है। शनिवार को हुए विमेंस फाइनल में भारतीय टीम ने तुर्की को हराया, जबकि मिक्स्ड टीम को अमेरिका से हारा का सामना करना पड़ा। विमेंस फाइनल में ज्योति सुरेखा वेन्नम, परनीत कौर और अदिति स्वामी की भारतीय तिकड़ी ने तुर्की की हेजल बुरुन, आयसे बेरा सुजर और बेगम की तिकड़ी को 232-226 से हराया।

भारतीय तिकड़ी का वर्ल्ड कप में लगातार तीसरा गोल्ड- भारतीय तिकड़ी का यह वर्ल्ड कप में लगातार तीसरा गोल्ड है। इससे पहले इस तिकड़ी ने इसी साल की शुरुआत में शंघाई में हुए वर्ल्ड कप स्टेज-1 में इटली को हरा कर गोल्ड जीता था। इससे पहले पिछले साल पेरिस में हुए वर्ल्ड कप स्टेज-4 में भी गोल्ड जीता था।

मुक्केबाज सचिन सिवाच की जीत से शुरुआत

पहले दौर में मुकुका को हराया

सिवाच ने दिखाई आक्रामकता

सिवाच ने पहले ही राउंड में अपनी इरादे जाहिर कर दिए और आक्रामकता बरतते हुए मुकाबले में नियंत्रण बनाया। दूसरे राउंड में मुकुका की वापसी की उम्मीद टूट गई क्योंकि भारतीय मुक्केबाज ने अपनी रणनीति में जरा भी बदलाव नहीं किया। दो राउंड आराम से अपने नाम करने के बाद सिवाच ने प्रतिद्वंद्वी को कोई मौका नहीं दिया।

नई दिल्ली, एजेंसी। स्ट्रैंड्जा मेमोरियल के स्वर्ण पदक विजेता सिवाच ने पूरे मुकाबले के दौरान दबाव बनाए रखा और 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से भारत को जीत से शुरुआत कराई। राष्ट्रीय चैंपियन सचिन सिवाच ने दमदार प्रदर्शन करते हुए इस साल होने वाले पेरिस ओलंपिक के दूसरे मुक्केबाजी विश्व क्वालीफायर में शानदार शुरुआत की। सिवाच ने 57 किग्रा वर्ग के पहले दौर में न्यूजीलैंड के एलेक्स मुकुका पर जीत दर्ज की। स्ट्रैंड्जा मेमोरियल के स्वर्ण पदक विजेता सिवाच ने पूरे मुकाबले के दौरान दबाव बनाए रखा और 5-0 के सर्वसम्मत फैसले से भारत को जीत से शुरुआत कराई।

अभिमन्यु शनिवार को निकोलोव से भिड़ेंगे

सीनियर राष्ट्रीय कांस्य पदक विजेता अभिमन्यु लौरा 80 किग्रा वर्ग के पहले दौर में शनिवार को बुल्गारिया के क्रिस्टियन निकोलोव से भिड़ेंगे। 2022 राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अमित पंघाल (51 किग्रा) और 2022 एशियन गेम्स के कांस्य पदक विजेता नरेंद्र बेरवाल (92+ किग्रा) को अपने-अपने वजन वर्ग में बाई मिला है। भारत ने दूसरे विश्व क्वालीफायर में सात पुरुष और तीन महिला मुक्केबाज उतारे हैं और सभी मुक्केबाजों को पेरिस ओलंपिक में स्थान पक्का करने के लिए सेमीफाइनल में जगह बनानी होगी।

मिनर्वा एकेडमी बनी चैम्पियन ऑफ इंडिया

फाइनल में 1-2 से पिछड़ने के बाद बेंगलुरु एफसी को 7-4 से हराया

चंडीगढ़, एजेंसी। मिनर्वा एकेडमी के युवा खिलाड़ियों ने सब-जूनियर आईलीग में अजेय रहते हुए खिताबी जीत दर्ज की। फाइनल में उनका सामना आईएसएल क्लब बेंगलुरू एफसी के साथ था। मिनर्वा टीम हाफ टाइम तक 1-2 से पिछड़ रही थी। लेकिन, सेकंड हाफ में टीम ने 6 गोल दागते हुए 7-4 की खिताबी जीत दर्ज की। लीग में एक भी मैच टीम ने गंवाया नहीं और 11 मैच में उन्होंने कुल 127 गोल करते हुए अपनी बादशाहत कायम की।

फाइनल मैच में मिनर्वा एकेडमी ने अच्छी शुरुआत की और 11वें मिनट में डेनामोनी ने टीम का खाता खोल दिया। बेंगलुरू एफसी ने वापसी करते हुए दो गोल किए। 12वें मिनट में साहेल ने और 21वें मिनट में साकिप ने गोल करते हुए स्कोर 1-2 कर दिया। हाफ टाइम तक यही स्कोर रहा। दूसरे हाफ में मिनर्वा एकेडमी ने नई शुरुआत की और डेनामोनी ने 23वें मिनट में स्कोर 2-2 से बराबर कर दिया। 34वें मिनट में बेंगलुरू के याजनास ने गोल किया और 2-3 से बढ़त बनाई। मिनर्वा के लिए 39वें मिनट में आजम ने गोल किया और बेंगलुरु ने इसी मिनट में ओन्ड गोल से मिनर्वा को फायदा पहुंचाया। 44वें मिनट में गोल के साथ बेंगलुरु ने वापसी का प्रयास किया, लेकिन वे सफल नहीं हो सके। डेनामोनी ने 45वें मिनट में शानदार गोल के साथ हैट्रिक पूरी की और पुनशिबा ने 49वें मिनट में पेनल्टी किक को गोल में बदलकर स्कोर 6-4 कर दिया। टीम की जीत पक्की मानी जा रही थी, तभी आजम ने

50+3 मिनट में गोल करते हुए जीत पर मुहर लगा दी।

मिनर्वा एकेडमी एफसी ने 7-4 स्कोर के साथ सब-जूनियर लीग की ट्रॉफी अपने नाम कर ली।

मिनर्वा ने पूरी लीग के दौरान एक भी मैच नहीं गंवाया। वे लगातार बड़े अंतर के साथ जीत दर्ज करते रहे। टीम ने कुल 11 मुकाबले खेले और 127 गोल दागे। सिर्फ 24 गोल उनके खिलाफ हो सके। लीग में सबसे ज्यादा गोल करने में मिनर्वा सबसे आगे रही और दूसरे नंबर पर काबिज बेंगलुरु टीम 101 गोल ही कर सकी।

मिनर्वा के युवाओं ने अटैक के साथ-साथ डिफेंस को भी शानदार तरीके से संभाला। उनके सवालों का जवाब किसी भी टीम के पास नहीं था। बड़ी आईएसएल टीमों को हराते हुए वे खिताब तक पहुंचे। ये साबित करता है कि मिनर्वा देश में बेस्ट है और उन्हें टक्कर देना किसी क्लब के लिए आसान नहीं।

ये मिनर्वा के टीमवर्क का एक शानदार एग्जांपल है जो उन्होंने पूरे देश के सामने पेश किया है। टीम के मोहम्मद आजम खान और डेनामोनी ने 36-36 गोल दागे। उनके अटैक का सामना कोई टीम नहीं कर सकी। इसके अलावा चेतन ने 22 गोल किए, जबकि 10 गोल टोनी ने और 9 गोल पुनशिबा की किक से आए। ये जीत मिनर्वा की पूरी टीम के नाम है।

नताशा से तलाक हुआ तो कंगाल हो जाएंगे पंड्या !

देना पड़ सकता है प्रोपर्टी का इतना हिस्सा

नईदिल्ली, एजेंसी। कहावत है कि बिना के आग के कहीं धुआं नहीं उठता है... ऐसा ही कुछ इन दिनों भारतीय क्रिकेट हार्दिक पंड्या को लेकर चल रहा है। हार्दिक पंड्या और उनकी सर्बियाई पत्नी नताशा स्टेनकोविच के रिश्ते में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है ऐसी अफवाहें हैं। सोशल मीडिया पर चर्चा है कि दोनों अलग हो सकते हैं। कुछ बातों ने इन अफवाहों को हवा दी है। पहली बात तो यह कि नताशा ने अपने इंस्टाग्राम बायो से 'पांड्या' सरनेम को हटा दिया। दूसरी बात यह कि नताशा पहले हर मैच में हार्दिक को चीयर करने स्टेडियम आती थीं, लेकिन हाल ही में उन्हें नहीं देखा गया। यही कारण है कि सोशल मीडिया पर हार्दिक और नताशा को लेकर यह अनुमान लगाया जा रहा कि दोनों एक दूसरे से अलग हो चुके हैं।

यूरोप टूर

भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम का निराशाजनक प्रदर्शन, स्थानीय डच क्लब से हारी

नई दिल्ली, एजेंसी। कप्तान रोहित (18वां मिनट), सौरभ आनंद कुशवाह (24वां मिनट), अंकित पाल (32वां मिनट) और अर्शदीप सिंह (58वां मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। भारतीय टीम अब 28 मई को मोंशेंग्लाबाख में जर्मनी से खेलेगी। भारतीय जूनियर पुरुष हॉकी टीम मौजूदा यूरोप दौरे के तीसरे मैच में स्थानीय डच क्लब ब्रेडासे हॉकी वेरेनिजिंग पुश से 495 से हार गई। पहले मैच में पेनल्टी शूटआउट में 4-2 से जीत दर्ज करने के बाद भारत को बेल्जियम की जूनियर टीम ने पिछले मैच में 3-2 से हराया था। कप्तान रोहित (18वां मिनट), सौरभ आनंद कुशवाह (24वां मिनट), अंकित पाल (32वां मिनट) और अर्शदीप सिंह (58वां मिनट) ने भारत के लिए गोल दागे। मेजबान क्लब ने हालांकि आक्रामक शुरुआत करके पहले ही मिनट में गोल दाग दिया और दूसरे मिनट में बढ़त दोगुनी कर ली। भारत को दूसरे क्वार्टर में पेनाल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर रोहित ने गोल किया। भारत की खुशी ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी क्योंकि डच क्लब ने फिर पेनॉल्टी कॉर्नर पर गोल कर दिया। सौरभ ने पेनॉल्टी कॉर्नर पर गोल करके अंतर कम करने का प्रयास किया।

भंसाली के टॉर्चर से

परेशान थे रणबीर कपूर, छोड़ना चाह रहे थे सांवरिया

रणबीर कपूर की पिछली फिल्म 'एनिमल' सुपर-डुपर हिट रही। इसने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के कीर्तिमान रच दिए। यह रणबीर के करिअर की सबसे सफल फिल्म है। रणबीर ने दिग्गज फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली की फिल्म 'सांवरिया' से डेब्यू किया था। उनके साथ सोनम कपूर थीं। दोनों ही कलाकारों की ये पहली फिल्म थी। सोशल मीडिया पर रणबीर का पुराना इंटरव्यू वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने बताया था कि भंसाली ने उन्हें टॉर्चर किया था। रणबीर ने भंसाली को लेकर नेहा धूपिया के पॉडकास्ट शो 'नो फिल्टर नेहा 2016' में इस बारे में बात की थी। रणबीर बोलते दिखे, संजय लीला भंसाली हार्ड टास्क मास्टर हैं। मैं घुटनों पर बैठता था और वो मुझे मारते थे। एक समय के बाद मैं इतना टॉर्चर महसूस करने लगा था कि मैंने फिल्म छोड़ने का फैसला कर लिया था।

निर्माताओं ने दर्ज कराई शिकायत

हमारे बारह के सितारों को मिल रहीं जान से मारने की धमकियां

फिल्म हमारे बारह की टीम मुसीबत में है। अज्ञात लोगों से फिल्म के कलाकारों को जान से मारने की धमकियां मिल रही हैं। मेकर्स ने पुलिस में इसकी शिकायत दर्ज कराई है।

अन्नू कपूर अभिनीत फिल्म हमारे बारह के सितारों और क्रू को जान से मारने और बलात्कार की धमकियां मिल रही हैं। इस फिल्म में अन्नू कपूर के अलावा मनोज जोशी, पार्थ समथान, अश्विनी कालसेकर, अभिमन्यु सिंह जैसे सितारे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक फिल्म के कलाकारों और क्रू को लगातार अज्ञात लोगों से जान से मारने और रेप की धमकियां मिलने के बाद निर्माताओं और कलाकारों ने मुंबई के वर्सोवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है।

बीते दिनों इस वजह से रही चर्चा में

बीते दिनों यह फिल्म कान में प्रदर्शन को लेकर चर्चा में आई थी। फिल्म के निर्माताओं ने बढ़-चढ़कर इसके कान फिल्म फेस्टिवल में 'चयनित' होने की खबर का प्रचार किया।

हालांकि, तफ्तीश में निर्माताओं का झूठ पकड़ा गया था। इस फिल्म को कान के लिए चयनित नहीं किया गया था, बल्कि फिल्म वहां लगे फिल्म बाजार में दिखाई गई। मामले की तफ्तीश की तो पता चला कि ये फिल्म कान फिल्म फेस्टिवल में नहीं, बल्कि वहां लगे फिल्म बाजार में प्रदर्शित हुई है।

बदला गया फिल्म का नाम

अब यह फिल्म एक बार फिर चर्चा में है। इस बार कहा जा रहा है कि इस फिल्म की कास्ट और क्रू को अज्ञात लोगों से धमकियां मिल रही हैं। यह फिल्म अपने टीजर रिलीज के बाद से ही चर्चा में है। मालूम हो कि पहले फिल्म का नाम हम दो हमारे बारह था था। हालांकि, बाद में निर्माताओं ने सेंसर बोर्ड के निर्देश के अनुसार इसका नाम बदल दिया। इसे अब हमारे बारह कर दिया गया है।

गांधी और अंबेडकर पर टिप्पणी करना जान्हवी को पड़ा भारी

दलित समाज पर अपनी राय रखने पर हुईं ट्रोल

बॉलीवुड अभिनेत्री जान्हवी कपूर फिलहाल अपनी आगामी फिल्म मिस्टर एंड मिसेज माही के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस क्रिकेट ड्रामा में वह राजकुमार राव के साथ नजर आने वाली हैं। अभिनेत्री फिल्म के प्रमोशन में काफी तत्परता से जुटी हुई हैं। हाल ही में, अभिनेत्री ने एक साक्षात्कार में कहा कि महात्मा गांधी और बीआर अंबेडकर के बीच बहस देखना उनके लिए हमेशा से दिलचस्पी का हिस्सा रहता है। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है। जान्हवी ने कहा, मुझे लगता है कि अंबेडकर और गांधी के बीच बहस देखना बहुत दिलचस्प होगा। बस एक बहस कि वे किस बात के लिए खड़े हैं और किसी एक विशेष विषय पर समय के साथ उनके विचार कैसे बदलते रहे, उन्होंने एक-दूसरे को कैसे प्रभावित किया। उन दोनों ने हमारे समाज की बहुत मदद की है, इसलिए वे एक-दूसरे के बारे में क्या महसूस करते हैं, यह एक दिलचस्प चर्चा का विषय है।

उन्होंने आगे कहा, अंबेडकर बहुत सख्त थे और शुरू से ही अपने रुख को लेकर स्पष्ट थे, लेकिन मुझे लगता है कि गांधी का दृष्टिकोण विकसित होता रहा क्योंकि वे हमारे समाज में जाति-आधारित भेदभाव के बारे में अधिक से अधिक अवगत होते गए। तीसरे व्यक्ति के दृष्टिकोण से इसके बारे में अधिक जानना और इसे सीधे सहना एक-दूसरे से काफी अलग है।

अब जान्हवी के इस वीडियो के वायरल होते ही लोगों ने उन्हें ट्रोल करना शुरू कर दिया है। एक यूजर ने लिखा, आप अपने विचार अपने पास रखिए।

छह सालों बाद

प्रीति लाहौर 1947 से कर रही हैं फिल्मों में वापसी, बताया सच, बोलीं- मैं अपने...

प्रीति जिंटा लाहौर 1947 से फिल्मों में वापसी कर रही है। लेकिन पिछले छह सालों तक अभिनेत्री क्यों फिल्मों से दूर रहीं, आखिरकार वह ऐसा क्या कर रही थीं। इन सभी बातों को लेकर प्रीति ने खुलासा किया है।

बॉलीवुड अभिनेत्री प्रीति जिंटा को उनके बेहतरीन अभिनय के साथ ही खूबसूरती के लिए भी जाना जाता है। दिल से, कल हो ना हो और वीर जारा जैसी तमाम फिल्मों में प्रीति ने अपने बेहतरीन अभिनय से सभी के दिलों में खास जगह बना रखी है। प्रीति अब 6 सालों बाद फिल्मों में वापसी करने जा रही हैं। प्रीति अभिनेता सनी देओल के साथ फिल्म लाहौर 1947 में नजर आएंगी। फिल्मों में अपनी अलग तरह की भूमिकाओं के लिए मशहूर प्रीति काफी लंबे समय से सिल्वर स्क्रीन से दूर रही हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान प्रीति ने अपने 6 साल के लंबे ब्रेक के बारे में बात की और बताया कि आखिर वह क्यों इतने सालों तक बॉलीवुड से दूर थीं।

क्यों थीं इतने सालों से फिल्मों से दूर

प्रीति जल्द ही सनी देओल के साथ फिल्म लाहौर 1947 में नजर आएंगी। इस फिल्म में प्रीति की वापसी से उनके फैंस भी बेहद खुश हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान प्रीति जिंटा ने कहा, मैं फिल्म नहीं करना चाहती थी। मैं अपने व्यवसाय पर ध्यान दे रही थी। साथ ही मैं अपने निजी जीवन पर पूरा ध्यान देना चाहती थी। लोग भूल जाते हैं कि महिलाओं के लिए, एक अभिनेत्री के तौर पर, आपका शिल्प महत्वपूर्ण होता है, लेकिन आपके पास एक जैविक घड़ी है। मैंने इंडस्ट्री में कभी किसी को भी डेट नहीं किया।

मैंने कभी किसी अभिनेता को भी डेट नहीं किया। इसलिए सही मायने में मुझे अपना परिवार भी चाहिए था। हर तरह से जिंदगी जीना काफी अच्छा है, लेकिन इस बीच आपको अपना जीवन जीना नहीं भूलना चाहिए। इसलिए मुझे बच्चे चाहिए थे। व्यवसाय भी बहुत रोमांचकारी था क्योंकि यह मेरे लिए कुछ नया था, लेकिन सबसे बढ़कर, मैं अपने निजी जीवन पर ध्यान देना चाहती थी। मैं सिर्फ एक अभिनेत्री और अकेली महिला बनकर नहीं रहना चाहती थी

निजी जीवन को लेकर प्रीति की राय

प्रीति ने यह भी कहा कि वह पिछले 6 सालों से फिल्मों की स्क्रिप्ट पढ़ रही थीं, लेकिन इस बीच उन्हें ऐसी कोई भी रोमांचक स्क्रिप्ट नहीं मिल रही थी, जिसपर वह काम कर सकें। इस साल अप्रैल में प्रीति ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट इंस्टाग्राम पर फिल्म लाहौर 1947 को लेकर एक पोस्ट साझा किया था। प्रीति ने एक तस्वीर के साथ लिखा लाहौर 1947 के लिए सेट पर नई फिल्म और शूटिंग।

हीरामंडी: द डायमंड बाजार में छाप छोड़ने में सफल रहे अध्ययन सुमन

संजय लीला भंसाली की पहली वेब सीरीज 'हीरामंडी -द डायमंड बाजार' 1 मई को ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई। इसमें एक्टर अध्ययन सुमन भी नजर आए। उन्हें उनके रोल के लिए काफी वाहवाही मिल रही है। इस बीच अध्ययन ने न्यूज 18 के साथ कई बातें शेयर कीं। अध्ययन से 'हीरामंडी 2' को लेकर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा कि भंसाली सर ने अनऑफिशयली कहा है कि वे सीजन 2 बनाएंगे क्योंकि उन्हें शो की स्टार कास्ट के साथ दोबारा काम करना है। इससे बढ़कर हमारे लिए कुछ नहीं हो सकता। उन्होंने यह भी कहा कि इस बार नवाब पर फोकस होगा तो यह काफी एक्साइटिंग है।

अध्ययन ने कहा कि मैं जल्द ही बतौर डायरेक्टर डेब्यू करने वाला हूं वो भी एक बायोपिक के साथ। उस फिल्म को मैं प्रोड्यूस भी करूंगा। अभी मैं यह नहीं बता सकता कि वो किसकी बायोपिक है, लेकिन वो बड़ा और एक्साइटिंग प्रोजेक्ट है। मैं एक लव स्टोरी डायरेक्ट कर रहा हूं जिसका नाम है 'ऐ अजनबी।' अध्ययन पिता एक्टर शेखर सुमन की कुछ फिल्मों के राइट्स भी लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि मैं 'अनुभव' और 'उत्सव' का रीमेक बनाना चाहता हूं। इन फिल्मों को लेकर मैं काफी समय से प्लान कर रहा हूं। मैं एक कल्ट क्लासिक कॉमेडी फिल्म बनाना चाहता हूं।

अनसूया सेन गुप्ता ने कान में रचा इतिहास

बेस्ट एक्ट्रेस अवॉर्ड जीत भारत का नाम किया ऊंचा

77वें कान फिल्म फेस्टिवल में अभिनेत्री अनसूया सेन गुप्ता ने इतिहास रच दिया है। कान फिल्म फेस्टिवल में वह पुरस्कार जीतने वाली पहली अभिनेत्री बन गई हैं। 77वें कान फिल्म फेस्टिवल में भारतीय सितारों ने अपना जलवा बिखेरा। कई मशहूर सितारों ने रेड कार्पेट की शोभा बढ़ाई। कान फिल्म फेस्टिवल 2024 में भारतीय अभिनेत्री अनसूया सेन गुप्ता ने देश का मान बढ़ाया है।

कान फिल्म फेस्टिवल में पुरस्कार जीतने वाली वह पहली अभिनेत्री हैं। उन्हें अपनी फिल्म 'द शेमलेस' (2024) के लिए सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री का पुरस्कार मिला है। इस फिल्म का निर्देशन कॉन्स्टेंटिन बोजानोव ने किया है। फिल्म में अनसूया ने एक सेक्स वर्कर के किरदार में हैं, जो एक पुलिस वाले की हत्या करके वैश्यालय भाग जाती है। अनसूया ने अपने करियर की शुरुआत एक प्रोडक्शन डिजाइनर के रूप में की। इस फिल्म के लिए उनको फेसबुक के जरिए ढूंढा गया था। दरअसल, अभिनेत्री के एक दोस्त ने उनकी प्रतिभा को देखते हुए उनको ऑडिशन के लिए प्रस्ताव दिया था। 'द शेमलेस' में रेणुका के किरदार में उनके प्रभावशाली अभिनय ने उन्हें यह सम्मान दिलाया है। 'द शेमलेस' की पूरी टीम इसका जश्न मना रही है। कान फिल्म फेस्टिवल के अन सर्टेन रिगार्ड सेगमेंट में अनसूया को सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के लिए चुनी गई हैं। अनसूया ने पुरस्कार जीतने के बाद इसे समलैंगिक समुदाय और हाशिए पर जिंदगी जीने वाले समुदायों की बहादुरी को समर्पित किया।

27 साल बाद पर्दे पर फिर जमेगीकाजोल-प्रभु देवा की जोड़ी

● बॉलीवुड डेब्यू को तैयार चरण तेज उप्पलपति

अभिनेत्री काजोल और फिल्म निर्माता-अभिनेता प्रभु देवा के फैंस के लिए एक बड़ी खुशखबरी है। 27 साल बाद यह जोड़ी एक बार फिर बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म के लिए साथ आ रही है। इस फिल्म में नसीरुद्दीन शाह, संयुक्ता मेनन, जिशु सेन गुप्ता और आदित्य सील जैसे कलाकार भी होंगे। फिल्म के निर्देशन की कमान चरण तेज उप्पलपति संभालेंगे। फिल्म से उप्पलपति का बॉलीवुड डेब्यू होगा।

यह पहली बार होगा जब काजोल नसीरुद्दीन के साथ काम करेंगी। रिपोर्ट की मानें तो फिल्म का पहला शेड्यूल पूरा हो चुका है। अब मेकर्स जल्द ही फिल्म का टीजर रिलीज करने की तैयारी में हैं। महत्वाकांक्षी फिल्म के निर्माता हर संभव कोशिश कर रहे हैं और उन्होंने अपनी विशेषज्ञता के लिए जवान के सिनेमैटोग्राफर जीके विष्णु और पुष्पा 2 के संपादक नवीन नूली को भी शामिल किया है। निरंजन अयंगर और जेसिका खुराना ने इसकी पटकथा लिखी है।

फिल्म का म्यूजिकल ट्रैक हर्षवर्द्धन रामेश्वर द्वारा तैयार किया जाएगा, जो पहले संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल पर काम कर चुके हैं।

रणबीर कपूर की मुख्य भूमिका वाली यह फिल्म बड़ी हिट साबित हुई, इसके संगीत ने दर्शकों के दिलों पर राज किया।

कथानक और फिल्म के शीर्षक से संबंधित अन्य विवरण गुप्त रखे गए हैं। निर्माताओं को भरोसा है कि स्टार कलाकारों और शीर्ष तकनीकी दल का संयोजन इस एक्शन तमाशे को सबसे प्रतीक्षित आगामी रिलीज में से एक बना देगा।

काजोल और प्रभु देवा की बात करें तो दोनों ने राजीव मेनन की साल 1997 की तमिल भाषा की फिल्म मिनसारा कनवु में एक साथ काम किया था।

यह फिल्म, जिसमें अरविंद स्वामी भी थे, बहुत बड़ी हिट रही। बाद में इसका हिंदी डब संस्करण सपना नाम से जारी किया गया। इसमें लोकप्रिय गाना चंदा रे को दर्शकों ने काफी पसंद किया।

बॉलीवुड में एंट्री मारने वाली हैं संयुक्ता, जवान और एनिमल से भी है फिल्म का कनेक्शन

अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में काजोल, नसीरुद्दीन शाह और प्रभु देवा भी काम करते हुए दिखाई देंगे।

दक्षिण भारतीय सिनेमा की कई अभिनेत्रियां बॉलीवुड में अपना डेब्यू कर चुकी हैं। इसके उलट बॉलीवुड कलाकार भी साउथ की फिल्मों में एंट्री मार रहे हैं। इसी सिलसिले में अब एक और दक्षिण भारतीय अभिनेत्री हिंदी सिनेमा में कदम रखने के लिए तैयार हैं। कहा जा रहा है कि इस फिल्म में काजोल भी काम करेंगी।

संयुक्ता करेंगी बॉलीवुड में डेब्यू

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अभिनेत्री संयुक्ता जल्द ही बॉलीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। फिल्म में काजोल, नसीरुद्दीन शाह और प्रभु देवा भी काम करते हुए दिखाई देंगे। इस फिल्म से डेब्यू केवल संयुक्ता का ही नहीं होगा, बल्कि चरण तेज उप्पलपति की भी यह पहली हिंदी फिल्म होगी, जिसका वो निर्देशन करेंगे। कहा जा रहा है कि यह एक एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी।

फिल्म से जुड़े इंडस्ट्री के कई बड़े नाम

रिपोर्ट्स की मानें तो अलग-अलग क्षेत्रों के कई बड़े चेहरे इस फिल्म से जुड़ चुके हैं। इनमें अल्लू अर्जुन की आने वाली फिल्म पुष्पा 2 के एडिटर नवीन नूली, रणबीर कपूर और रश्मिका मंदाना की फिल्म एनिमल के संगीत निर्देशक हर्षवर्द्धन रामेश्वर और शाहरुख खान और नयनतारा की सुपरहिट फिल्म जवान के डीओपी जीके विष्णु के नाम शामिल हैं।

विज्ञापन के जरिए जागरूकता फैलाएंगी राधिका

राधिका आप्टे बॉलीवुड में अपने बोल्ड और बिंदास अंदाज के लिए मशहूर हैं। वे हमेशा लीक से हटकर फिल्में करती नजर आती हैं। वहीं अभिनेत्री ने एक बड़ा फैसला लिया है जिसे सुनकर हर कोई हैरान है। राधिका आप्टे एक गर्भनिरोधक ब्रांड के लिए काम करेंगी। मीडिया रिपोर्ट की मानें तो राधिका आप्टे को इस विज्ञापन के लिए काफी मोटी रकम मिली है।

अभिनेत्री जनता के बीच जागरूकता फैलाने के लिए यह काम करने जा रही हैं। राधिका आप्टे का यह विज्ञापन वाला यह वीडियो काफी वायरल हो रहा है। राधिका आप्टे का यह विज्ञापन महिलाओं में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से बनाया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो यह एड आनंद, सुरक्षा और आराम से कभी समझौता नहीं करने पर जोर देती है। यह निर्णय किसी पर नहीं छोड़ा जाना चाहिए बल्कि दोनों भागीदारों द्वारा संयुक्त रूप से लिया जाना चाहिए। राधिका आप्टे अपनी फिल्मों में भी बोल्ड और महिला केंद्रित किरदार निभाती नजर आती हैं।